ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पाकिस्तानी मीडिया द्वारा प्रसारित टिप्पणियों को लेकर भाजपा ने सिद्धरामैया की . @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-116

‘मन की बात’ में पीएम मोदी का ऐलान – पीड़ितों को मिलकर रहेगा न्याय

हमले के दोषियों और षड्यंत्रकारियों को देंगे कठोरतम जवाब

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ के 121वें संस्करण के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने मन में गहरी पीड़ा होने की बात करते हुए कहा कि मंगलवार (22 अप्रैल, 2025) को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुँचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है – भले वो किसी भी राज्य का हो, वो कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वो उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। बकौल पीएम मोदी, उन्हें एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक चहल-पहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों

की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे – देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया। पीएम मोदी ने समझाया कि आतंकी और आतंक के आका चाहते हैं, कश्मीर फिर से तबाह हो जाए और इसलिए इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता, 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता, हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही एकता, आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है। उन्होंने सन्देश दिया कि हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है, हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। बकौल पीएम मोदी, आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। ‘मन की बात’ के 121वें संस्करण में पीएम मोदी ने कहा कि भारत के हम लोगों में ▶10 पर

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में दिखाई अपनी ताकत एंटी-शिप मिसाइल किया लॉन्च

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी-शिप मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिससे उनकी लंबी दूरी की सटीक हमला करने की क्षमता और युद्ध तत्परता का प्रदर्शन हुआ है। नौसेना ने कहा कि यह अभ्यास देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए उसकी तैयारियों की पुष्टि करता है किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी तरह। नौसेना द्वारा साझा किए गए वीडियो में कोलकाता क्लास के विध्वंसक जहाज और नीलगिरि तथा क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट सहित कई फ्रंटलाइन युद्धपोतों से ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सरफेस क्रूज मिसाइलों को लॉन्च किया गया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर नौसेना ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें कहा गया, भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, ▶10 पर

पहलगाम आतंकी हमला :

एनआईए ने जांच के लिए मामला दर्ज किया, सबूतों की तलाश तेज की

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच अपने हाथ में ले ली है और आतंकी साजिश का पता लगाने के लिए सबूतों की तलाश तेज कर दी है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद रविवार को जम्मू में मामला दर्ज किया और कई टीम जांच में जुटी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को नृशंस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए एनआईए के महानिरीक्षक (आईजी) के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है। उन्होंने बताया कि एनआईए की टीम सबूत जुटाने के लिए बुधवार से ही आतंकी हमले वाली जगह पर डेरा डाले हुए हैं।

एनआईए के एक बयान में कहा गया, ’एनआईए की टीम आतंकवादियों के बारे में सुराग हासिल करने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन जांच कर रही हैं। फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की सहायता से टीम पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं, ताकि उस आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके, जिसके कारण यह भयावह हमला हुआ ▶10 पर

पाकिस्तान का होगा कसकर इलाज

व्यापार पूरी तरह बंद करेगा भारत, दवाई के लिए तरसेगा जिन्ना का देश

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकी हमला कर पाकिस्तान ने ये फिर बता दिया है कि वह कभी नहीं सुधरेगा। इस बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। दवाइयां भी नहीं भेजी जाएंगी। जिन्ना का देश इलाज के लिए भी अब तरसेगा। भारत से बड़ी मात्रा में पाकिस्तान को दवाई सप्लाई होती है। पाकिस्तान करीब 40 प्रतिशत फार्मास्युटिकल की आपूर्ति भारत से करता है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत ▶10 पर

भारत न छोड़ने वाले पाकिस्तानियों पर होगी बड़ी कार्रवाई

3 साल जेल, 3 लाख जुर्माना या दोनों सजाएं

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की गई है। जिसमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों (अलग-अलग वीजा रखने वालों) को देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। जिसमें कुछ चले गए हैं और कुछ दो दिन कुछ और भी वापस देश से भेजे जाएंगे। वहीं इस नियम को न मानने वाले पाकिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, कोई भी पाकिस्तानी नागरिक, जो सरकार की तरफ से निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा और उसे तीन साल तक की जेल या अधिकतम तीन लाख रुपये का जुर्माना या दोनों सजाओं का सामना करना पड़ सकता है।

बता दें कि, सार्क वीजा रखने वालों के लिए भारत छोड़ने की समय-सीमा 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा रखने वालों के लिए समय-सीमा 29 अप्रैल है। जिन 12 श्रेणियों के वीजा धारकों को रविवार तक भारत छोड़ना है, वे हैं – आगमन पर वीजा, व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री।

4 अप्रैल को लागू हुए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम 2025 के अनुसार, निर्धारित समय से अधिक समय तक रहना, वीजा शर्तों का उल्लंघन करना या प्रतिबंधित क्षेत्रों में अनाधिकार प्रवेश करने पर तीन साल की जेल और 3 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। अधिनियम में कहा गया है, ’जो कोई भी, (क) विदेशी होते हुए, भारत के किसी क्षेत्र में उस अवधि से अधिक अवधि तक रहता है, जिसके लिए उसे वीजा जारी किया गया था या धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए वैध पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेज के बिना भारत में रहता है या भारत या उसके अंतर्गत किसी भाग में प्रवेश और रहने के लिए उसे जारी किए गए वैध वीजा की शर्तों का उल्लंघन करते हुए कोई कार्य करता है’। (ख) धारा 17 और 19 के अलावा इस अधिनियम के किसी अन्य प्रावधान का ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

विदेश मंत्री जयशंकर और डोभाल ब्रिक्स बैठक में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल ब्राजील में होने वाली अहम ब्रिक्स बैठक में हिस्सा नहीं लेने वाले हैं। इस समय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लगातार बैठकों का दौर भी जारी है। ऐसे में अजित डोभाल और जयशंकर का यहां रहना ज्यादा जरूरी है, इसी वजह से दोनों ब्रिक्स की इस बैठक में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि 30 अप्रैल को ब्राजील में कई देशों के विदेश मंत्री और सुरक्षा सलाहकार शामिल होने जा रहे हैं। भारत भी क्योंकि ब्रिक्स का अहम सदस्य है, ऐसे में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को यहां शामिल होना था। लेकिन ऐन वक्त पर स्थिति को देखते हुए इस बैठक को स्किप करने का फैसला हुआ।बताया जा रहा है कि ब्रिक्स की इस बैठक में -ख, क्लाइमेट फाइनेंस, क्रॉस बॉर्डर पेमेंट्स इनीशियेटिव और मल्टीलेटरल संस्थानों में सुधार जैसे कई मुद्दों पर विस्तार से मंथन होने जा रहा है।

अब ब्रिक्स की बात करें तो यह दुनिया की पांच अहम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का एक संगठन है। इसकी स्थापना जून के महीने में साल 2006 में की गई थी। इसमें पहले केवल ब्राजील, रूस, भारत और चीन ही शामिल थे। इसका नाम पहले ब्रिक था। इसके बाद साल 2010 में इसमें साउथ अफ्रीका में शामिल हो गया। फिर संगठन का नाम बदल गया और ये ब्रिक से बदलकर ब्रिक्स हो गया है। हर साल पांच देशों में से बदल-बदलकर इस समिट की मेजबानी करते हैं। वैसे इस समय भारत के लिए ब्रिक्स से ज्यादा जरूरी देश में रहकर सीमा को सुरक्षित करना है। पहलगाम हमले के बाद से ही तीनों सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं, लगातार युद्धाभ्यास और मिसाइल परीक्षण भी हो रहे हैं, सीडीएस अनिल चौहान के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की एक अहम बैठक भी संपन्न हो चुकी है।

आतंकवाद और उसके मूल के खिलाफ होनी चाहिए निर्णायक लड़ाई : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ देशभर में विरोध देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी बीच रविवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन को और आगे बढ़ाने और आतंकवाद एवं उसके मूल के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की बात कही।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) शासित जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की बात कही। उन्होंने लिखा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद, आतंकवाद और उसके मूल के खिलाफ निर्णायक लड़ाई होनी चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ जनसमर्थन को आगे बढ़ाने की बात करते हुए उन्होंने कहा, कश्मीर के लोग आतंकवाद और निर्दोष लोगों की हत्या के खिलाफ खुलकर सामने आए हैं, उन्होंने यह स्वतंत्र और सहज रूप से किया। अब समय आ गया है कि इस समर्थन को और बढ़ाया जाए और लोगों को अलग-थलग करने वाली किसी भी गलत कार्रवाई से बचा जाए।

आतंकी हमले के दोषियों के खिलाफ बिना दया दिखाए कठोर सजा की बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, दोषियों को सजा दी जाए, उन पर कोई दया न दिखाई जाए लेकिन निर्दोष लोगों को नुकसान न होने दिया जाए।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में

22 अप्रैल को आतंकवादियों ने निहत्थे पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। हमले के पीड़ितों ने बताया कि आतंकवादियों ने लोगों को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा। इस हमले के बाद देशभर में रोष देखने को मिल रहा है। लोग केंद्र सरकार से सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने भी एकजुट होकर आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठाई।

सरकार ने हमले के पीछे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का हाथ होने की बात कही है। पहलगाम घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में केंद्र सरकार ने कई कड़े और बड़े फैसले लिए, जिनमें सिंधु जल समझौते को निरस्त करना, पाकिस्तान से अपने राजनयिकों को वापस बुलाना और भारत स्थित पाकिस्तानी दूतावास में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 करना महत्वपूर्ण रहा।

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,212.53
-588.90 -0.74% ↓
एनएसई :24,039.35
-207.35 (-0.86%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 22^0

मध्यप्रदेश के मंदसौर में हादसा

वैन कुएं में गिरी, 12 लोगों की दर्दनाक मौत

पीएम मोदी और सीएम मोहन यादव ने जताया शोक

मंदसौर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के बूढ़ा-टकरावद फंटे के पास दोपहर करीब एक बजे एक ईको वैन बाइक से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सीधे पास के कुएं में गिर गई। इस हादसे में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। इस हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस त्रासदी पर गहरा शोक व्यक्त किया है।जानकारी के अनुसार, वैन में सवार लगभग 14 लोग उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के प्रसिद्ध आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। ▶10 पर

जेएनयू में एबीवीपी ने लहराया परचम

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में 42 में से 23 सीटों पर किया कब्जा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के कुल 42 काउंसलर पदों में से 23 पदों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह किसी भी अन्य छात्र संगठन की तुलना में सर्वाधिक है।

अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है, जिससे जेएनयूएसयू द्वारा किए जाने वाले फैसलों में अब अभाविप की अहम जगह प्राप्त हो सकेगी। यह विजय एबीवीपी के रूप में उस सकारात्मक बदलाव की विजय है जिसे जेएनयू के छात्रों ने चुना है। स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जिसे जेएनयू में वामपंथ का गढ़ माना जाता रहा है, वहां अभाविप ने 25 वर्षों बाद दो सीटों पर विजय प्राप्त कर एक ऐतिहासिक बदलाव का संकेत दिया है। इसी प्रकार, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जो लंबे समय से वामपंथी प्रभाव का प्रमुख केंद्र रहा है, वहां भी एबीवीपी ने दो सीटों पर विजय हासिल कर नई राजनीतिक धारा को स्थापित किया है। ▶10 पर

तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली

तिरुवनंतपुरम, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो बाद में झूठी निकली। एक ई-मेल भेजकर यह धमकी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि यह ई-मेल हवाई अड्डा प्रबंधक की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुआ।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, सूचना मिलते ही केरल पुलिस और सीआईएसएफ कर्मियों ने हवाई अड्डे और उसके परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बम की धमकी झूठी साबित हुई। अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर हवाई अड्डे की बम खतरा आकलन समिति ने हवाई अड्डे पर प्रासंगिक सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हवाई अड्डा प्रबंधन इस संबंध में सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि धमकी से हवाई अड्डा संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कर्नाटक के 694 से ज्यादा दिव्यांगों की रुकी जिंदगी फिर से शुरू

नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: पी.सी. मोहन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद पी.सी.मोहन ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगों के सशक्तीकरण और इस समुदाय की हर तरह से सेवा करने के लिए तैयार है और नारायण सेवा संस्थान भी दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए जो प्रयास कर रही है। मै दिव्यांगों और समाज उत्थान के लिए हर तरह से सहयोग करूँगा। यह बातें उन्होंने नारायण सेवा संस्थान द्वारा बसवनगुडी स्थित मराठा हॉस्टल परिसर में चल रहे शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस शिविर में 694 दिव्यांग लोग निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं कैलीपर फिटिंग में भाग लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि वे दिव्यांगों से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान करेंगे। नारायण सेवा संस्थान कर्नाटक में अच्छी सेवा प्रदान कर रही है। यह संगठन ईश्वर की तरह विकलांगों की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा मैं भी आपके सभी रचनात्मक कार्यों में भाग लूंगा। शिविर की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि पीसी मोहन एवं विशेष आमन्त्रित समाजसेवी महेंद्र मुणोत, कुँवर राकेश देसरला, रेलवे बोर्ड के सलाहकार सदस्य अश्विन सेमलानी, मूलसिंह राजपुरोहित, रमेश माली, सुनील वैष्णव, राकेश वैष्णव, दिलीप जैन, संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल, स्थानीय अध्यक्ष विनोद जैन व पलक अग्रवाल मौजूद थे। समाज सेवी महेंद्र मुणोत ने कहा नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों को सशक्त ही नहीं कर रहा बल्कि उनके खोये हुए आत्मविश्वास और निराशा को दूर करने का काम कर रहा है।

यह समाज के लिए उपयोगी कार्य है। प्रजा प्रभुत्व सेना के राकेश देशरला ने संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की वर्षों की सेवा साधना की प्रशंसा की। वहीं शिविर से लाभांवित होकर अपने पैरों पर चलते हुए नई जिंदगी शुरू करने वाले दिव्यांग जनों को शुभकामनाएं दी। सभी अतिथियों ने विजिट किया, रोगियों से उनकी आप बीती सुनी और डॉक्टर से फिटमेंट की प्रक्रिया जानी। लाभांवित दिव्यांगों को ट्रेनिंग दी गई, बेटबोल और फुटबाल भी खेलें। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बेंगलूरु के 13 दानियों को सेवा अवार्ड से सम्मानित किया। जिसमें जनरल मोटर्स, भैरूमल भंडारी, डॉ सुधीर लोढ़ा, उदय सिंह तटेर, अशोक राका, नितिन भट्ट और लोइंस क्लब बी नाम उल्लेखनीय है। शुरू में नारायण सेवा संस्थान बेंगलूरु शाखाध्यक्ष विनोद जैन ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया। उन्होंने संस्थान की एक मुट्ठी आटे से अब तक की सेवाओं से रूबरू कराया। अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा दिव्यांगजनों को उनके घरों के पास ही मदद पहुँचाने के लिए 2 फरवरी को बेंगलूरु में कैंप लगाया था। जिसमें 1050 से ज्यादा रोगी आये उनमें से 694 दिव्यांगों को नारायण लिंब व केलिपर्स के लिए चयनित किया। जिन्हें आज नई जिंदगी का उपहार मिल रहा हैं। समारोह में कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की। दिव्यांगों को संस्थान डॉक्टर्स ने चलने की ट्रेनिंग देने के साथ लिम्ब के रखरखाव की जानकारी भी दी। उन्होंने शिविर की रिपोर्ट बताते हुए कहा यह तीसरा मौका है जब बेंगलूरु में संस्थान एक साथ बड़ी संख्या में दिव्यांगों को जर्मन टेक्नोलॉजी के नारायण लिम्ब पहनकर घरों को विदा हुए। संस्थान की 80 जन टीम ने सेवाएं दी। निदेशक वंदना अग्रवाल ने अतिथियों का धन्यवाद अर्पित किया।

धूमधाम से श्री सैन महाराज का जन्मोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सैन शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट प्रवासी सैन समाज द्वारा 725वां सैन जी महाराज का जन्मोत्सव बसन्त नगर स्थित बंजारा भवन में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर पूज्य शिवा साईं गुरुजी विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। बिलियनर ऑफ बार्बर रमेश टूर एंड ट्रेवल्स के चेयरमैन रमेश बाबू, नाम देव नागराज ऑनर ऑफ स्पिन सैलून के मालिक, कृष्ण मुरारी धौलपुर, के. एन रमेश साईं लीला पैलेस होटल के मालिक, कृष्णप्पा हाईकोट के एडवोकेट, राजन्ना के वी सविता समाज कर्मचारी संघ अध्यक्ष, एच. एस, प्रकाश एएसआई केपी और इस्कॉन से पधारे सुकुमार प्रभु ने समाज के सभी सदस्यों को हरे कृष्णा मंत्र का जाप कराया।

पंडित शंभू दयाल पारीक ने भजन की प्रस्तुति से समा बांधा। हवन में समाज बंधुओं ने आहुति दी। समाज के बच्चों को शिक्षा और खेल कूद के क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों में प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। समाज के गणमान्य अथितियों का मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। श्री सैन शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट के सभी कार्यकारिणी के सदस्य राम वर्मा, ललित वर्मा, शीशपाल सेन, रेवत सोलंकी, श्याम भाटी, श्यामलाल रक्षक सैन, रमेश पवार, हेमंत टाक, आशीष सैन दिनोदिया, अनिल परिहार, चम्पालाल परिहार, मनोज कुमार परिहार, रामचंद्र गहलोत, नवरत्न गहलोत, राकेश सैन, देव किशन मारू, हनुमान प्रसाद, मोंटू सैन, भंवर लाल सैन, दिनेश सैन, विनोद चौहान, सचिव ओमप्रकाश सैन, कोषाध्यक्ष जगदीश हर्षवाल, संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर विष्णु कुमार सैन जन्मोत्सव का हिस्सा बने। अध्यक्ष विष्णु कुमार सैन द्वारा समाज को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

सिटी मार्केट में 28वां अन्नदान आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
करुणा और सामुदायिक भावना के एक हृदयस्पर्शी संकेत के रूप में, महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेक्टर ने अमावस्या के अवसर पर सिटी मार्केट में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 350 व्यक्तियों को प्रसाद के रूप में भोजन परोसा गया, जो दान और सेवा के सच्चे सार का उदाहरण है। इस कार्यक्रम में, जिसमें विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और संगठन के सदस्यों ने भाग लिया, स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी देखी गई जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मिलकर काम किया।

भारती छाजेड़, अध्यक्ष, महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु ने समुदाय की बेहतरी के लिए इस नेक पहल को अंजाम देने में उनके समर्पण और अथक प्रयासों के लिए सभी स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के प्रमुख सदस्यों ने भी भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ सलाहकार रमेश डाक, संयुक्त सचिव आशीष बाफना और आशीक पिरगल, पदम बुरत और दिव्या पिरगल जैसे अन्य सदस्य शामिल थे।

कार खड़ी लॉरी से टकराई तीन लोगों की मौत

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी जिले के सेदम तालुक में मालखेड़ा पुलिस स्टेशन के पास शनिवार रात शादी के निमंत्रण ले जा रही कार सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान कार चालक महेश (32), प्रेमकुमार (25) और अन्नदनैया (25) के रूप में हुई है। इस घटना में नित्यानंद गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे आगे के इलाज के लिए कलबुर्गी के जिमसौ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि जब कार रात करीब साढ़े नौ बजे रिश्तेदारों को शादी का निमंत्रण देने के लिए सेदम-कलबुर्गी राजमार्ग पर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक वाहन की हेडलाइट की चपेट में आने से चालक को आगे का रास्ता दिखाई नहीं दिया और यह हादसा हो गया। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य की अस्पताल में मौत हुई। खबर मिलते ही मालखेड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आगे की कार्रवाई की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है। कुछ दिनों बाद उनके एक रिश्तेदार की शादी थी। इसके लिए वे अपने रिश्तेदारों को निमंत्रण देने के लिए अलग-अलग गांवों में जा रहे थे। इस घटना से रिश्तेदार गहरे सदमे में हैं।

पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या को लेकर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के दुख में दादी धाम प्रचार समिति और कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ जैन भवन के महावीर मुछाला हॉल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस श्रद्धांजलि सभा में सभी उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पण किए। इस मौके पर गोडवाड़ जैन भवन के कुमारपाल सिसोदिया, प्रकाश मांडोत, दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, सचिव संजय चौधरी, संजय नोपानी, शिव रतन अग्रवाल, संजीव खेतान, कुणाल, जालान, रमन जैन, रचना डालमिया, किशन सोलिवाल, कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन परिधि की अध्यक्ष माया अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दी। सभी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जिन्होंने भी यह हरकत की है उन लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। उसके लिए राज्य सरकार व केंद्र सरकार को ज्ञापन देंगे।

अमावस्या पर लोगों को कराया भोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां मैसूरु बैंक सर्कल स्थित श्री हनुमान मंदिर के समीप श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु (रजि.) द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का 87वां आयोजन रविवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जिन शासनसेवारत्न स्व. रणजीत मल कानूंगा परिवार एवं समिति के मासिक सदस्यों के सौजन्य से हुए इस आयोजन की अध्यक्षता समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने की। मनोहर लाल बाफना ने बताया कि इस दौरान महाप्रसादी में सेवा देने वालों में स्वयं समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, किरणचंद बोहरा, मुकेश कांटेड़,

यशवंत सालेचा, अनिल पोकरणा, मानमल बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहर बाफना, विनोद चौरडिया, उत्तमचंद चूतर, रितु संचेती, मंजुनाथ, रमेश खाब्या, अशोक शर्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत में संतश्री गणेशलाल जी को याद कर सामूहिक नवकार मंत्र का उच्चारण व मंगल पाठ किया गया। उन्होंने बताया कि महाप्रसादी का वितरण हर मास की अमावस्या पर अनेक लाभार्थी परिवारों की ओर से मैसूरु बैंक सर्किल, एवेन्यू रोड पर सफलता पूर्वक होता है। महाप्रसादी का यह अभिनव कार्यक्रम सभी गुरु भगवंतों की प्रेरणा से चल रहा है। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने अन्नदान के दौरान करीब चार से पांच घंटे तक के कार्यक्रम में सेवा देने वाले समस्त जनों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया।

पहलगाम आतंकी हमला मामला

शोक सभा और अन्नदान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों की स्मृति में मैसूरु बैंक सर्कल पर शोक सभा और अन्नदान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मृतकों को श्रद्धांजलि देना और समाज में सेवा, एकता, और मानवता का संदेश फैलाना था।

अन्नदान शिविर में 1200 जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जिसमें आनंद मिहिर अग्रवाल (बांसुरी स्वीट्स) ने प्रायोजन किया और रूपेश केडिया ने संयोजन किया। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, सचिव सन्नी जैन, और कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल सहित पूर्व अध्यक्ष सुनील साह, आलोक सराफ, अंकित मोदी, वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान और अनिल केडिया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा के नेतृत्व में कई अन्य पदाधिकारी और सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनमें उपाध्यक्ष जेपी अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, पवन राजलीवाल, प्रीतेश बुरड़, तनुज टेकरीवाल, शुभम लोहिया, मनीष अग्रवाल, अरुण शर्मा, विशाल धानुका और विनोद गर्ग प्रमुख थे।

दुबई में विश्व वोक्कालिगर वैभव और कुवेम्पु जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व वोक्कालिगर एसोसिएशन ने परम पावन डॉ. श्री निर्मलानंदनाथ स्वामीजी की दिव्य उपस्थिति और आशीर्वाद से दुबई में विश्व वोक्कालिगर वैभव और कुवेम्पु जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य सी.टी.रवि, मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा, मदिकेरी विधायक मंथर गौड़ा, कुवेम्पु की बेटी तारिणी, दामाद चिदानंद गौड़ा, न्यायमूर्ति संदेश एच.पी., फिल्म निर्माता नागथिहल्ली चन्द्रशेखर, राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. भगवान, सचिन चेलुवरयास्वामी, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय नेता डॉ. बी. अब्दुल्ला, डॉ. याकूब अली, डॉ. अब्दुल्ला, दुबई के व्यवसायी प्रवीण शेट्टी, अभिनेत्री दीपिका दास, शर्मिला मांद्रे, और वर्ल्ड वोक्कालिगा डायरेक्टरी के संपादक डॉ. के.टी. चंद्रू ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के उपलब्धि हासिल करने वालों को उनके पेशे के अनुसार अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार दिए गए। डॉ. भगवान को चिकित्सा पुरस्कार, कृष्णगौड़ा केलारा को किसान पुरस्कार तथा कैप्टन संतोष को वीर केसरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वैश्विक कला समूहों, दुबई वोक्कालिगा कलाकारों, नृत्य, गायन आदि की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन के लिए एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. राशि तथा उनकी कार्यकारिणी की सदस्यों की सराहना की गई। समारोह में विभिन्न संगठनों व संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हुए।

देश के शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में शुमार रहे डॉ. के. कस्तूरीरंगन: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि देश के शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में शुमार रहे डॉ. के. कस्तूरीरंगन एक ऐसे दिग्गज थे, जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार समेत कई पुरस्कार मिले। इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले जब बी.एस. येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने ज्ञान आयोग और विभिन्न अवसरों पर

तत्कालीन सरकार को सुझाव दिए थे।

उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं। ऐसा दिग्गज आज हमारे बीच नहीं है। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि वह प्रार्थना करेंगे कि ईश्वर उनके परिवार, वैज्ञानिकों और लाखों छात्रों को उनके जाने की पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस मौके पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व इसरो प्रमुख के. कस्तूरीरंगन का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व इसरो प्रमुख के. कस्तूरीरंगन, जिनका 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया, का रविवार को बेंगलूरु में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दूरदर्शी वैज्ञानिक को अंतिम श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा डॉ. कस्तूरीरंगन का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है, वे एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। उन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कर्नाटक के लिए बहुत योगदान दिया है। उन्हें याद रखना राज्य सरकार का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मन की बात के 121वें एपिसोड में दिवंगत भारतीय वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके नेतृत्व में इसरो ने एक नई पहचान हासिल की। उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़े अंतरिक्ष कार्यक्रमों ने भारत के प्रयासों को वैश्विक पहचान दिलाई। भारत आज जिन उपग्रहों का उपयोग करता है, उनमें से कई उनके मार्गदर्शन में लॉन्च किए गए थे। इस बीच, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भी पूर्व इसरो प्रमुख के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि वे एक महान विद्वान थे और उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष परियोजनाओं को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाई। वे एक महान वैज्ञानिक, एक महान विद्वान थे। इसरो के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष परियोजनाओं को आकार देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने दो संस्थानों में कुलपति के रूप में भी काम किया। मुझे कई कार्यक्रमों में उनसे मिलने और उनका आशीर्वाद लेने का अवसर मिला। मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें। इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. सिवन ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

पाकिस्तानी मीडिया द्वारा प्रसारित टिप्पणियों को लेकर भाजपा ने सिद्धरामैया की आलोचना की

सिद्धरामैया अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर निशाना साधा है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के साथ युद्ध का विरोध करने वाली उनकी टिप्पणियों को पाकिस्तानी मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धरामैया के बयान का एक पाकिस्तानी समाचार चैनल का वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें 'पाकिस्तान रत्न' कहा गया और उन पर 'दुश्मन राष्ट्र की कठपुतली' की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया गया। अशोक ने तंज कसते हुए कहा कि सिद्धरामैया को उनकी टिप्पणियों के लिए पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार निशान-ए-पाकिस्तान मिल सकता है। अशोक ने टिप्पणी की आलोचना की और इसे असंवेदनशील और शर्मनाक बताया। उन्होंने मांग की कि सिद्धरामैया अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगें। अशोक ने कहा सिद्धरामैया का दृष्टिकोण एक ऐसी मानसिकता को दर्शाता है, जहां वोट देश की सुरक्षा से ज्यादा मायने रखते हैं। कश्मीर में हुई हत्याओं की तुलना इजरायल में नागरिकों की मौत से करना और भारतीयों की जान की कीमत को नकारना अस्वीकार्य है। केवल सिद्धरामैया ही आतंकवादियों के प्रति ऐसी क्षमा दिखा सकते हैं। उन्होंने सिद्धरामैया की इस बात के लिए आलोचना की कि ''एक बार खोई हुई जान वापस नहीं लाई जा सकती। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों में शोक संतप्त परिवारों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का अभाव है। उन्होंने सवाल किया अगर उनके अपने परिवार में भी ऐसा कुछ हुआ होता, तो क्या वे इसी तरह बोलते? अशोक ने कांग्रेस पार्टी के भीतर विरोधाभास की ओर भी इशारा किया। उन्होंने आरोप लगाया जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार के रुख का समर्थन किया है, सिद्धरामैया इसके खिलाफ बोलते रहते हैं। उनके गैरजिम्मेदाराना बयानों से पता चलता है कि उनकी एकमात्र चिंता सत्ता पर काबिज रहना है। उन्होंने राज्य में अवैध विदेशी नागरिकों पर भी चिंता जताई। अशोक ने कहा भटकल में कथित तौर पर कई पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं। उन्हें निर्वासित करने के केंद्र सरकार के आदेश के बावजूद, कर्नाटक सरकार कार्रवाई करने में विफल रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की जरूरत नहीं है। लेकिन सुरक्षा के कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैंने शुरू से कहा था कि आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा में चूक हुई है। अब केंद्र सरकार ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। मैंने जो कहा, वह सच है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होनी चाहिए। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, शांति व्यवस्था होनी चाहिए। लोगों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। केंद्र सरकार को इस संबंध में उचित कदम उठाने चाहिए। जम्मू-कश्मीर पर्यटन स्थल है। वहां सुरक्षा कड़ी होनी चाहिए थी। पुलवामा हमले के बाद सतर्कता बरतनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि खुफिया और सुरक्षा की विफलता स्पष्ट है। लोग जम्मू-कश्मीर में सुरक्षित माहौल मानकर यात्रा करते थे। केंद्र लोगों को सुरक्षा नहीं दे सका, 26 लोगों की जान चली गई। अब चाहे जो भी कदम उठाए जाएं, क्या उतनी जानें वापस आएंगी? मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि हमले के दौरान कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। संतोष लाड को राज्य सरकार की ओर से भेजा गया था और वे वापस आ गए हैं। उन्होंने अभी तक उनसे इस बारे में चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि वे उनसे जानकारी मिलने के बाद जवाब देंगे। हम राज्य में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी के संबंध में केंद्र सरकार को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। हम केंद्र को सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय यहां कितने लोग रह रहे हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं है, उनमें से अधिकांश बेंगलूरु में रह रहे होंगे। पहलगाम हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शामिल होना था। उन्होंने इसे छोड़ दिया और वहां कार्यक्रम में शामिल हुए, क्योंकि बिहार में चुनाव आने वाले हैं। इससे पता चलता है कि उनके लिए क्या महत्वपूर्ण है।

राज्य में अगले 5 दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में प्री-मानसून बारिश फिर से शुरू हो गई है। इसके साथ ही अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है। राज्य के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश हो रही है। इसी तरह अधिकतम तापमान भी 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच रहा है। राज्य में एक तरफ बारिश और दूसरी तरफ तेज धूप की स्थिति बन गई है।

बागलकोट, मडिकेरी, हुब्बल्ली, मंगलूरु, गदग, बेल्लारी, विजयनगर, पुत्तूर, बेलटांगडी समेत कई जगहों पर छिटपुट बारिश हुई है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में अधिकतम तापमान पहले ही 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो चुका है। बेंगलूरु समेत दक्षिणी आंतरिक और तटीय आंतरिक इलाकों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो चुका है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में अगले 5 दिनों तक बारिश जारी रहेगी। कुछ जगहों पर आंशिक बादल छाए रहेंगे और शाम और रात में मध्यम बारिश होगी। कुछ जगहों पर गरज, बिजली और गड़गड़ाहट भी देखने को मिलेगी। मौसम विभाग ने भारी बारिश का अनुमान जताया है। हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना है। इसलिए, लोगों को सलाह दी गई है कि वे गरज और बिजली के दौरान सुरक्षा को प्राथमिकता दें। बेंगलूरु के आसपास आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, 3 दिनों तक शाम और रात में बारिश की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है।

गैलरी गिरने से एक व्यक्ति की मौत, कई घायल

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या तालुक के मल्लनायकनहल्ली कट्टे गांव में शनिवार रात फ्लडलाइट कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान एक अस्थायी गैलरी गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान मल्लनायकनकट्टे गांव के निवासी 45 वर्षीय पपनीचर के रूप में हुई है। करीब 15 लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए मांड्या आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। 23 वर्ष से कम आयु के युवाओं के लिए द्रोणा वारियर्स नामक क्लब के सहयोग से मैसूर-मंडल स्तरीय फ्लडलाइट कबड्डी टूर्नामेंट श्री भैरव कप - 2025 का आयोजन किया गया। पहले वर्ष का टूर्नामेंट 26 और 27 अप्रैल को मल्लनायकनकट्टे गांव के श्री दोड्डम्मा गुड़ी परिसर में आयोजित होना था। कबड्डी टूर्नामेंट शनिवार शाम को शुरू हुआ था और परिसर में बनी अस्थायी गैलरी में बैठकर मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। टूर्नामेंट के दौरान अस्थायी गैलरी अचानक ढह गई, जिसके परिणामस्वरूप एक की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

बीबीएमपी चुनाव अक्टूबर से आगे टलने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी), जो तीन साल से अधिक समय से निर्वाचित परिषद के बिना है, को ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल, 2024 को राज्यपाल की मंजूरी के बाद जल्द ही एक परिषद मिलने की संभावना नहीं है। परिवहन और मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने आगे की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि नए कानून द्वारा अनिवार्य किए गए अभ्यासों को पूरा करने में कम से कम छह महीने लगेंगे। उन्होंने कहा अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो बीबीएमपी चुनाव 2025 के अंत से पहले आयोजित किए जा सकते हैं। पूर्व पार्षदों का कहना है कि

राजनीतिक दलों के विधायक लंबे समय से बीबीएमपी के चुनाव में देरी करने के बहाने तलाश रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं नगर निकाय पर उनका नियंत्रण खत्म न हो जाए। उनका दावा है कि ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट (जीबीजीए), 2024 ने अब उन्हें चुनाव स्थगित करने का एक और सही अवसर प्रदान किया है। जीबीजीए के तहत, सरकार को नए निगमों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने, कई निगमों में वार्ड परिसीमन करने और सीटों के आरक्षण को अंतिम रूप देने का काम सौंपा गया है - ऐसी प्रक्रियाएँ जिनमें काफी देरी की गुंजाइश है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, सरकार को इन अभ्यासों को पूरा करने और चार महीने के भीतर अधिसूचना जारी करने का आदेश दिया गया है। हालाँकि, कई लोगों का मानना है कि यह प्रक्रिया बहुत लंबी हो सकती है, संभवतः कम से कम नौ महीने तक खिंच सकती है।

उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार से नए निगमों के लिए सीमाएँ निर्धारित करने पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की उम्मीद है, जो जीबीजीए को लागू करने की दिशा में पहला औपचारिक कदम है। हालाँकि, पूर्व पार्षदों ने इन बैठकों को मात्र दिखावा बताते हुए खारिज कर दिया, आरोप लगाया कि प्रक्रिया में देरी करने के लिए विधायकों के बीच एक अलिखित समझौता है।

यहाँ तक कि नाम न बताने की शर्त पर बोलते हुए पूर्व कांग्रेस पार्षदों ने भी कहा कि जब तक अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं और कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं करतीं, तब तक बीबीएमपी के चुनाव जल्द ही होने की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों के विधायक चुनाव कराने में रुचि नहीं रखते हैं, क्योंकि वे प्रशासनिक शासन को प्राथमिकता देते हैं, जिससे उन्हें नागरिक मामलों में आसानी से हस्तक्षेप करने की अनुमति मिलती है।

नदी में डूबने से युवक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। हेबरी तालुक के थिंगाले में सीतानदी नदी में एक युवक गलती से फिसल गया और डूब गया। मृतक की पहचान हेबरी के किन्नी गुड्डे निवासी सुधाकर शेट्टी के बेटे संकेत शेट्टी (24) के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि संकेत अपने दोस्तों के साथ नदी पर गया था, तभी वह फिसल गया और डूब गया। वह हेबरी ग्राम पंचायत के तहत विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास प्रभाग में कार्यरत था और हेबरी जेसीआई सहित विभिन्न संगठनों में सक्रिय रूप से शामिल था। वह अपने हमेशा मुस्कुराते रहने वाले स्वभाव और सभी के साथ दोस्ताना व्यवहार के लिए जाना जाता था।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद तटीय सुरक्षा कड़ी कर दी गई

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर कर्नाटक के तटीय इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उडुपी जिले के विभिन्न तटीय इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारतीय तटरक्षक बल और उडुपी जिला तटीय सुरक्षा पुलिस संयुक्त रूप से खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रही है और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समन्वित अभियान चला रही है। तटीय मार्ग से संभावित आतंकवादी गतिविधियों की आशंका के चलते तटीय सुरक्षा पुलिस लगातार गश्त कर रही है। उडुपी जिले में नौ तटीय सुरक्षा पुलिस स्टेशन हैं और 13 नावों के जरिए गश्त की जा रही है। गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले

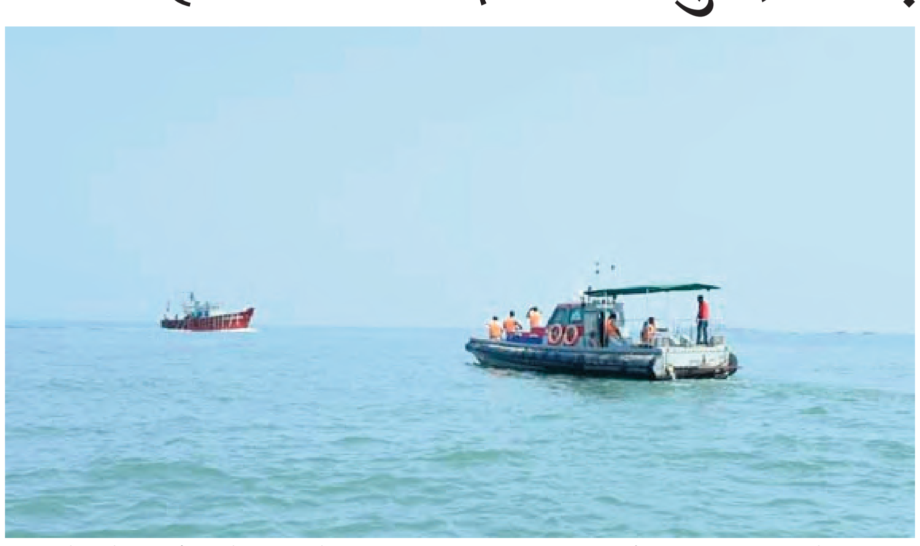

मछुआरों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी संदिग्ध नाव की गतिविधि या समुद्र में संदिग्ध विदेशी नागरिकों के दिखने पर तुरंत सूचना दें। विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने कई चैनलों के जरिए सूचनाएं जुटाना शुरू कर दिया है।

मालपे बीच, बंदरगाह क्षेत्रों, श्री कृष्ण मठ, रेलवे स्टेशनों और अन्य धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर डॉग स्क्वॉड का उपयोग करके तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय आबादी से जानकारी जुटाने के लिए सी रेस्क्यू डिवीजन (एसआरडी) के सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात हैं। अभी तक कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के निर्देशों के बाद, पाकिस्तानी नागरिकों का पता लगाने के लिए पूरे देश में जाँच की जा रही है।

उन्होंने पुष्टि की है कि उडुपी जिले में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं रहता है। तटीय सुरक्षा पुलिस के एसपी मिथुन एच.एन. ने कहा कि कश्मीर में आतंकी हमले के बाद, सभी सुरक्षा एजेंसियों की तरह, तटीय सुरक्षा पुलिस ने भी कड़े कदम उठाए हैं। हम अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 320 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र में कड़ी सतर्कता बरत रहे हैं। हमारी नावों के साथ लगातार गश्त जारी है, और समुद्र तट बिंदुओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हम भारतीय तटरक्षक बल के साथ संयुक्त गश्त और खुफिया जानकारी साझा करने का समन्वय भी कर रहे हैं।

देश की एकता और सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार के फैसले के प्रति हम प्रतिबद्ध: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि देश की एकता और सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर पहले ही फैसला ले चुकी है। पार्टी की कार्यसमिति ने फैसला लिया है और हम सभी इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। देश की एकता, शांति और अखंडता महत्वपूर्ण है। सभी का जीवन महत्वपूर्ण है। हम सभी भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वदलीय बैठक में भाग लेना चाहिए था। उन्हें खुद इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इस पर ज्यादा चर्चा

नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिए गए बयानों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि पाकिस्तान के साथ युद्ध की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से ही स्पष्टीकरण मांगना उचित होगा। कांग्रेस पार्टी महंगाई को लेकर अपना विरोध जारी रखेगी। 29 अप्रैल को हम महंगाई और संविधान के खिलाफ बेलगावी में विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इसरो के पूर्व अध्यक्ष और प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने कहा कस्तूरीरंगन का नाम हमेशा अमर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार में उनकी सेवाओं की चर्चा हो रही है। उन्होंने हमारे देश और विज्ञान के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने इसरो में भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। वे राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। उन्हें उनकी सेवाओं के लिए कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने दुख जताया कि वे हमें छोड़कर चले गए। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि इसरो के पूर्व चेयरमैन यू.आर. राव की तबीयत भी ठीक नहीं है।

विजयेंद्र ने भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष के निधन पर शोक जताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डी.के. सदाशिव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा उन्होंने शिवमोग्गा में तुंगभद्रा शुगर फैक्ट्री में कर्मचारी के रूप में शामिल होकर अपने कार्य जीवन की शुरुआत की थी। उन्होंने शेमाद्री के साथ मिलकर बीएमएस की स्थापना भी की थी। उन्होंने जिले में दर्जनों मजदूर यूनियनों की स्थापना भी की थी। बाद में जब बीएमएस को पूर्णकालिक काम सौंपा गया तो उन्होंने शुगर फैक्ट्री कर्मचारी पद से इस्तीफा दे दिया, पूरे राज्य का भ्रमण किया, बीएमएस को मजबूती से खड़ा किया और अंत तक मजदूर संघर्ष में शामिल रहे।

भगवान मृतक के परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों और प्रशंसकों को उनके बिछड़ने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने प्रार्थना की कि मृतक की आत्मा को शांति मिले।

सोने की चेन छीनने के मामले में तीन अंतरराज्यीय लुटेरे गिरफ्तार, कार जब्त

मैसूर/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्रह्मवार पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय लुटेरों को गिरफ्तार किया है और 10 लाख रुपये की एक कार जब्त की है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर हिंसक सोने की चेन छीनने की घटना में किया गया था। आरोपियों की पहचान गौरीश रोहिदास केरकर (37), मैनुद्दीन बागलकोट (31) और सुरजीत गौतम खार (27) के रूप में हुई है। घटना ब्रह्मवार तालुक के वारमबली गांव के आदर्श नगर में हुई। पद्मा (70) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 26 अप्रैल की सुबह, जब वह अपने घर के बाहर कंक्रीट की सड़क पर फूल तोड़ रही थी, तो एक सफेद कार उसके पास आई। नारंगी रंग की टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति कार से बाहर निकला, जबकि 2-3 अन्य लोग अंदर ही रहे, जिन्होंने वाहन को थोड़ी दूर डूपडाकट्टे की ओर पार्क कर दिया। जब पद्मा फूल तोड़ रही थी, तो उसने अपने पीछे एक

आवाज सुनी। जैसे ही वह मुड़ी, पहले उतरा हुआ आदमी उसके पास आया और उसके सिर के पिछले हिस्से पर जोर से मारा, जिससे वह सड़क पर गिर गई। फिर उसने उसका हाथ पकड़ लिया, उसे सड़क पर घसीटा, उसके चेहरे और ऊपरी होंठ पर हमला किया और उसके गले से लगभग 40 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली, जिसकी कीमत 2,50,000 रुपये थी। फिर वह चोरी की गई चेन लेकर कार में वापस भाग गया और अपने साथियों के साथ फरार हो गया। हमले के परिणामस्वरूप पद्मा के ऊपरी होंठ के पास, दाहिनी आंख के नीचे खून बहने लगा और सिर के पिछले हिस्से पर वार से अंदरूनी दर्द हुआ। उसकी शिकायत के बाद ब्रह्मवार थाने में मामला दर्ज किया गया। सीपीआई ब्रह्मवार गोपीकृष्ण के आर के नेतृत्व में पीएसआई सुदर्शन दोड्डमनी, पीएसआई महंतेश जबागौड़ और हिरियाडका थाने के पीएसआई पुनीत बी ई और सीएचसी इमरान, सीपीसी मोहम्मद अजमल और ब्रह्मवार थाने के सीपीसी किरण सहित अपराध कर्मचारियों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

सेंथिलबालाजी व पोनमुडी का मंत्रिमंडल से इस्तीफा, थंगराज फिर से बने मंत्री

चेन्नई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जैसा कि व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही थी भ्रष्टाचार और अनुचित/घृणास्पद भाषण के मामले में अदालतों द्वारा गंभीर आरोपों का सामना कर रहे तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री वी सेंथिलबालाजी और के पोनमुडी ने रविवार रात को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया जबकि पूर्व मंत्री टी मनो थंगराज को मंत्रिमंडल में फिर से शामिल कर लिया गया।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री व द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन की सिफारिशों पर राज्यपाल आर एन रवि ने दोनों मंत्रियों के इस्तीफे और श्री मनो थंगराज को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल करने को स्वीकार कर लिया।

श्री सेंथिलबालाजी के पास विद्युत, निषेध और आबकारी विभाग तथा श्री पोनमुडी के पास वन और खादी विभाग थे, जिनके पद पर बने रहने से सत्तारूढ़ द्रमुक पर भारी राजनीतिक और कानूनी दबाव के अलावा बड़ी शर्मिंदगी भी हुई है। दोनों मंत्रियों के विभागों को तीन मंत्रियों को आवंटित किया गया है।

श्री थंगराज का शपथ ग्रहण समारोह कल शाम राजभवन में होगा।

यह दूसरी बार है जब द्रमुक के करूर के कद्दावर नेता सेंथिलबालाजी, जो हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों में 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा होने के बाद भी कठघरे में हैं, इसके अलावा उच्चतम न्यायालय के अभियोग ने उनका पद पर बने रहना असंभव बना दिया है।

वहीं पार्टी के विल्लुपुरम के कद्दावर नेता माने जाने वाले श्री पोनमुडी ने अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

न्यायालय से राहत मिलने के बाद, दोनों को पिछले वर्ष ही मंत्रिमंडल में पुनः शामिल किया गया था, जब श्री सेंथिलबालाजी ने बिना विभाग के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था तथा श्री पोनमुडी ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्धि के पश्चात अयोग्यता का सामना करते हुए पद छोड़ दिया था।

श्री सेंथिलबालाजी को विद्युत, निषेध तथा आबकारी के समान विभागों के साथ मंत्रिमंडल में पुनः शामिल किया गया था, उन्हें 23 जून को नौकरी के लिए नकद घोटाले में पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किए जाने के पश्चात शीर्ष न्यायालय ने सोमवार (कल) तक यह तय करने के लिए अल्टीमेटम दिया था कि वह मंत्री पद चाहते हैं या जमानत।

वहीं, श्री पोनमुडी – पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री – हिंदू धर्म से जुड़ी महिलाओं के विरुद्ध उनके हाल ही में अपमानजनक तथा असभ्य टिप्पणियों के लिए मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा स्वप्रेरणा से कार्यवाही का सामना कर रहे थे, तथा कुछ दिन पहले जारी किए गए न्यायालय के आदेश के बावजूद पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज न किए जाने के पश्चात भी।

इसके परिणामस्वरूप विपक्षी दलों ने कड़ी निंदा की, जिसके बाद कुछ दिन पहले खुद श्री स्टालिन ने उन्हें द्रमुक के उप महासचिव के पद से हटा दिया था।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिवहन मंत्री एस एस शिवशंकर को श्री सेंथिलबालाजी के पास मौजूद बिजली का अतिरिक्त विभाग दिया गया है, जिन्हें जून 2023 में पीएमएलए मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत पर रिहा किए जाने के दो दिन के भीतर मंत्री बनने के लिए शीर्ष न्यायालय द्वारा कड़ी फटकार लगाई गई थी। उन्हें परिवहन और बिजली मंत्री के रूप में नामित किया गया था।

श्री सेंथिलबालाजी के पास मौजूद निषेध और उत्पाद शुल्क का दूसरा विभाग अतिरिक्त रूप से आवास और शहरी विकास मंत्री एस मुथुसामी को आवंटित किया गया है (जिन्होंने पहले यह विभाग संभाला था, जब श्री बालाजी ने पीएमएलए मामले में गिरफ्तारी के बावजूद बिना विभाग के मंत्री बने रहने के लिए पिछले साल फरवरी में इस्तीफा दे दिया था) और उन्हें आवास व निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में नामित किया गया था।

श्री पोनमुडी के पास जो वन और खादी विभाग थे, उन्हें दूध और डेयरी विकास मंत्री आर.एस. राजकन्नप्पन को अतिरिक्त रूप से आवंटित कर दिया गया है, जिन्हें वन और खादी मंत्री बनाया गया है। सोमवार को दूसरी बार शपथ लेने के बाद श्री मनो थंगराज को दूध और डेयरी विकास विभाग का वही प्रभार मिलेगा, जो पहले उनके पास था।

एफबीआई चीफ काश पटेल ने की पहलगाम हमले की निंदा

भारत सरकार को समर्थन रहेगा जारी

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने रविवार को जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

22 अप्रैल को हुए इस क्रूर हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले को अंजाम दिया था।

इस हमले ने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक कूटनीतिक और सार्वजनिक आक्रोश पैदा कर दिया है।

पटेल ने एक्स पर लिखा, एफबीआई कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के सभी पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है। एफबीआई भारत सरकार को अपना पूरा समर्थन देना जारी रखेगी। उन्होंने आगे कहा, यह आतंकवाद की बुराइयों से हमारी दुनिया को लगातार होने वाले खतरों की याद दिलाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की

और आतंकवादी कृत्य की कड़ी निंदा की।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ट्रंप ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और इस जघन्य हमले के अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए भारत के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

हालांकि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी लेकिन पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए रोम जाते समय एक जब एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने उस प्रस्ताव को दोहराने से इनकार कर दिया।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह स्थिति को लेकर चिंतित हैं और क्या वह भारत और पाकिस्तान के नेताओं से बात करने की योजना बना रहे हैं, ट्रंप ने जवाब दिया, उस सीमा पर 1500 वर्षों से तनाव है। उन्होंने कहा, लेकिन वे किसी न किसी तरह से इसका समाधान निकाल लेंगे। मुझे यकीन है कि मैं दोनों नेताओं को जानता हूं।

मध्यस्थता करने का कोई इरादा न दिखाने के बावजूद, ट्रंप और उनके अधिकारियों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और भारत को समर्थन देने का वादा किया।

भारत ने किया हुक्का-पानी बंद, मदद के लिए फिर 'दोस्त' चीन के पास भागा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव काफी ज्यादा बढ़ चुका है। लगातार मोदी सरकार की तरफ से ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जिससे पाकिस्तान को बड़े झटके लग रहे हैं। अब इस बीच पाकिस्तान को फिर अपने जिगरी दोस्त चीन की याद आई है, फिर चीन से ही पैसा मांगा गया है। रिपोर्र्क से मुताबिक पाकिस्तान चाहता है कि चीन उसकी स्वैप लाइन को 10 अरब युआन तक और ज्यादा बढ़ा दे।

एक रिपोर्ट कहती है कि पाक विदेश मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक इंटरव्यू के दौरान खुद इस बात को स्वीकार किया है कि उन्होंने चीन से स्वैप लाइन को 10 अरब युआन तक बढ़ाने की अपील की है। पाक विदेश मंत्री ने बताया है कि वर्तमान में पाकिस्तान को चीन से 30 अरब युआन की मदद मिल रही है। इसी राशि को 40 अरब युआन तक बढ़ाना है।

अब जानकारी के लिए बता दें कि जब

तमाम देश अपेन केंद्रीय बैंकों के बीच करेंसियों की अदली-बदली करते हैं, इस पूरी प्रक्रिया को ही स्वैप लाइन का नाम दिया गया है। इस समय चीन तो वैसे भी कई देशों को ऐसे ही डेप्ट ट्रैप में फंसा रहा है, वो अर्जेंटीना और श्रीलंका जैसे देशों के साथ स्वैप लाइनों को मजबूत कर रहा है। अब युद्ध या फिर अस्थिरता के दौरा में यही स्वैप लाइन कई देशों के लिए लाइफलाइन बन जाती है। इस एक प्रक्रिया से ऐसा विश्वास मिलता है कि किसी एक विशेष मुद्रा पर ज्यादा दबाव नहीं आने वाला है, बाजार भी इससे ज्यादा स्थिर रहता है।

अब पाकिस्तान तो इस समय बुरी तरह फंस चुका है, पहलगाम हमले के बाद से ही पूरी दुनिया ने उसे आइसोलेट कर दिया है। इस आतंकी हमले की निंदा तो चीन ने भी की है, लेकिन उसकी तरफ से पाकिस्तान पर कोई एक्शन लिया जाएगा, ऐसा मुश्किल है। इसी वजह से पाकिस्तान भी मुश्किल समय में अब चीन से ही मदद की आस लगाए बैठा है।

पंजाब को अशांत करने की साजिश रच रही आईएसआई

सीमा पार से लगातार भेज रही हथियार, कई बड़ी खेप बरामद

अमृतसर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पंजाब में किसी बड़ी घटना को अंजाम देना चाहती है। अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकियों और गैंगस्टरों का सहारा ले रही है। इसके लिए आईएसआई की ओर से लगातार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से घातक हथियार भारतीय सीमा में फेंके जा रहे हैं।

इन हथियारों को बीकेआई और गैंगस्टर अपने गुर्गों की मदद से ठिकाने लगाने में जुटे हैं लेकिन

पुलिस और सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कड़ी निगरानी के चलते आईएसआई अपनी योजना में सफल नहीं हो रही।

हाल ही में बीकेआई के नाबालिग सहित 13 आतंकियों से बरामद आइईडी, आरडीएक्स, ग्रेनेड और पिस्तौलों की बड़ी खेप भी इस ओर इशारा कर रही है कि आईएसआई राज्य को एक बार फिर अशांत करना चाहती है।

अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए राज्य के बड़े राजनीतिक और धार्मिक नेताओं को निशाना बनाने की योजना बनाई जा रही है। खास बात यह है कि पुलिस की ओर से हथियारों की बरामदगी के बावजूद लगातार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हथियारों को भेजा जा रहा है।

पिछले बुधवार को पुलिस ने आईएसआई की ओर से ड्रोन के माध्यम से अमृतसर में भेजी गई हथियारों की बड़ी खेप को बरामद किया। इनमें साढ़े चार किलो आरडीएक्स, आइईडी बनाने के लिए बॉक्स, डेटोनेटर, रिमोट कंट्रोल, बैटरियां, पांच ग्रेनेड और पिस्तौल शामिल थे।

खेत में इतनी बड़ी मात्रा में हथियार बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियां भी हैरान हैं। पंजाब पुलिस के खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इतनी बड़ी मात्रा में हथियार मिलने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

सुरक्षा एजेंसियों ने भी राज्य पुलिस को सतर्क रहने को कहा है। आठ दिन में आइईडी, आरपीजी, आरडीएक्स और ग्रेनेड मिलने के बाद सरकार चिंता में है।

लोग धैर्य रखें, सरकार पहलगाम हमले के गुनाहगारों पर कर रही कार्रवाई : जनरल वी के सिंह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को जनता से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख सिंह विक्रम विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के लिए उज्जैन में थे।

सिंह ने पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ... सरकार इस पर कुछ कार्रवाई कर रही है। हम सभी को धैर्य रखना चाहिए और भविष्य में सतर्क रहना चाहिए, ताकि अगर हमें कुछ भी असामान्य दिखाई दे, तो हम पहले से ही इसका पता लगा सकें।

भारत और पड़ोसी देश के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, आप पाकिस्तान के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हमारे देश के बारे में बात करें।

विश्वविद्यालय के छात्रों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने भविष्य में देश को चलाने वाले युवाओं से कहा है कि उन्हें खुद को सशक्त बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखना भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा था कि भारत ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा था, पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने जीवनसाथी खोया। आज पूरे देश में इस बात का आक्रोश है।

भारत में अमीरी-गरीबी के बीच लगातार बढ़ रही खाई चिंताजनक : कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि विश्व बैंक ने भारत में लगातार बढ़ रही गरीबी तथा असमानता पर हाल में एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें सरकार की नीतियों के कारण अमीरी-गरीबी के बीच बढ़ रही खाई तथा अन्य कई विन्दुओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

पार्टी ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा पर किए गये आकलन के अनुसार हाल के वर्षों में भारत में गरीबी में निरंतर गिरावट आई है और यह अब बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने यहां जारी बयान में कहा कि डेटा की गुणवत्ता, स्थिरता और विश्वसनीयता को प्राथमिकता देना जरूरी है क्योंकि कुछ रिकॉर्ड के अनुसार डाटा को तोड़ मरोड़ कर पेश करना तथा डाटा से खिलवाड़ सरकार का टूल किट बन गया है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती गरीबी और असमानता ने मोदी सरकार की नीतियों को और गंभीर बना दिया है जिसके कारण चंद अमीरों और अरबों गरीबों के बीच बढ़ती खाई अब और चौड़ी हो रही है। सरकार के लिए निजी कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ाना देना जरूरी हो गया है लेकिन सीमित उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने की नीति इसमें बड़ी बाधक बन रही है।

साध्वी निरंजन ने कहा

आतंकवाद और पाकिस्तान को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

औरैया, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य साध्वी निरंजन ज्योति ने पहलगाम में हुई आतंकी घटना को लेकर पाकिस्तान और आतंकवाद पर जमकर प्रहार किया। साध्वी ने कहा कि इस बार आतंकियों और उनके आका पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने सिंधु नदी समझौता रद्द कर यह साफ कर दिया है कि इस बार पानी और खून साथ नहीं बहेगा। चुन-चुन कर बदला लिया जाएगा। सभी राजनीतिक दल इस मामले में सरकार के साथ हैं। साध्वी निरंजन ज्योति औरैया में तिलक महाविद्यालय में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव विषयक कार्यक्रम में बोल रही थीं।

साध्वी निरंजन ज्योति ने एक राष्ट्र एक विधान और एक चुनाव के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव का क्रम जद्द-ोजहद वाला है। सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर मन बना

चुकी है। उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद पर हमला बोला। साध्वी ने कहा कि निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया है। वह भी इस आधार पर कि वह हिंदू हैं या मुसलमान। धर्म पूछकर गोलियां बरसाई गई हैं। जिन परिवारों के बेटे गए हैं, उन्हें वापस तो नहीं लाया सकता, लेकिन उनका बदला जरूर लिया जाएगा। इस बार मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

साध्वी ने कहा कि देश की सभी राजनीतिक पार्टियां जिनकी विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन इस मुद्दे पर सभी केंद्र सरकार के साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का प्लान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक होगी या युद्ध, यह अभी खुलासा नहीं किया जाएगा, लेकिन जो होगा वह बड़ा होगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सर्वेश कठेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल गौतम, सदर विधायक गुड़िया कठेरिया, पूर्व कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, अनूप गुप्ता समेत कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों पर बड़ा एक्शन

सीमा के 10-15 किमी दायरे में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई शुरू कर दी है। 25 से 27 अप्रैल के बीच हुए विशेष अभियान में कई जिलों में बड़ी तादाद में अतिक्रमण हटाए गए हैं। सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमाया हुआ था जिन्हें अब सरकार ने मुक्त कराने का अभियान छेड़ा है।

जनपद बहराइच के तहसील नानपारा के अंतर्गत भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 0 से 10 किलोमीटर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर 227 अवैध अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए थे। इनमें से पहले से हटाए गए 63 अतिक्रमणों के बाद, 25-27 अप्रैल के बीच 26 और अतिक्रमण हटवाए गए। अब तक कुल 89 अवैध कब्जेदारों से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। राहत की बात यह है कि किसी भी अतिक्रमित स्थल पर धार्मिक या शैक्षणिक संरचना नहीं पाई गई।

जनपद श्रावस्ती में बिना मान्यता के संचालित 17 मदरसों पर कार्रवाई की गई है। तहसील जमुनहा में 7 और तहसील भिनगा में 10 मदरसों को वैध कागजात न होने के कारण बंद करवा दिया गया। इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा से सटे 0-15 किलोमीटर क्षेत्र में अस्थाई व स्थाई अवैध कब्जों के 119 मामलों में भी राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत कार्रवाई जारी है।

सिद्धार्थनगर जिले की नौगढ़ तहसील में नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर भीतर 5 जगहों पर अवैध अतिक्रमण में मस्जिद और मदरसे के निर्माण की पुष्टि हुई है। फिलहाल उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच और कार्रवाई जारी है। वहीं शोहरतगढ़ तहसील में 6 स्थानों पर अवैध निर्माण चिन्हित हुए हैं। महाराजगंज जिले में फरेंदा, नौतनवा और निचलौल तहसीलों में भी क्रमशः 3, 10 और 6 स्थानों पर सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण पाया गया है। एक मामला न्यायालय में विचाराधीन है और शेष सभी मामलों में धारा 67 (1) के तहत बेदखली की कार्रवाई या अवैध निर्माण को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई जारी है।

बलरामपुर जनपद में भी सरकारी भूमि पर कुल 7 अवैध कब्जे चिन्हित किए गए हैं। इनमें से बलरामपुर तहसील में 5 और तुलसीपुर तहसील में 2 अवैध कब्जे शामिल हैं। इनमें 2 अवैध कब्जेदारों ने शासन द्वारा चिन्हित किए जाने के बाद स्वत: कब्जा हटा लिया, जबकि शेष पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 67 के अंतर्गत बेदखली की कार्रवाई की जा रही है।

योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, धार्मिक या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित अतिक्रमणों को शीघ्रता से हटाया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

इसी तरह जनपद लखीमपुर खीरी में भी अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि खसरा नंबर 222 कृष्णा नगर कॉलोनी तहसील पलिया में अनाधिकृत जगह पर नमाज पढ़ी जा रही थी। यहां मस्जिद बनाए जाने की योजना थी। इस अवैध निर्माण को हटा दिया गया है।इसके अतिरिक्त जनपद के अन्य स्थानों पर भी चिन्हीकरण किया जा रहा है। जहां कहीं भी अवैध निर्माण मिलेगा, वहां कार्रवाई की जाएगी।

गंगा नदी पर नया फोरलेन पुल बनाने के लिए सर्वे शुरू

17 सौ मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा पुल बनेगा

शुक्लागंज (कानपुर), 27 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटिश हुकूमत में बने पुराने गंगापुल के कुछ हिस्से के ढहने के बाद इसके समानांतर लगभग 235 करोड़ की लागत से नया फोरलेन बनाने की कवायद शुरू हो गई है। लगभग 17 सौ मीटर लंबाई का यह पुल तिवारी के बगीचा मोड़ से चढ़ेगा और कानपुर छोर पर गंगाघाट पुलिस चौकी पर उतरेगा।

पुल निर्माण के लिए शनिवार से सर्वे का कार्य शुरू हो गया है। कानपुर सेतु निगम और उन्नाव राजस्व विभाग की टीम ने शनिवार को सर्वे के तहत स्थलीय निरीक्षण भी किया।

कानपुर सेतु निगम के एई अनुराग सिंह और उन्नाव की नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी ने पुराने गंगापुल से 50 मीटर दूर प्रस्तावित पुल के निर्माण स्थल का जायजा लिया। इस दौरान राजस्व विभाग ने अपने नक्शे के आधार पर पुल के बीच आने वाली अड़चनों के बारे में जानकारी ली। सेतु निगम के एई अनुराग सिंह ने बताया कि नया फोरलेन पुल की अनुमानित लागत लगभग 235 करोड़ है, जो आगे घट-बढ़ सकती है। शनिवार से सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। इसमें पुल बनाए जाने के बीच आने वाली अड़चनें, कितनी जमीन का अधिग्रहण होगा, कितने मकान जद में आएंगे, इन सबको लेकर मंथन जारी है। उन्होंने बताया कि नया पुल 17 सौ मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा बनेगा। शुक्लागंज छोर के नवीन गंगापुल के मोहल्ला तिवारी का बगीचा मोड़ के पास से पुल चढ़ेगा और रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी बनाते हुए पुल को मिश्रा कॉलोनी छोर पर मोड़ते हुए कानपुर छोर के ओईएफ स्टेडियम मार्ग के पास से गंगाघाट पुलिस चौकी पर उतार जाएगा। निरीक्षण के दौरान लेखपाल अशोक सैनी, मनोज यादव व अन्य राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

शनिवार को मिश्रा कालोनी छोर पर सर्वे कार्य के लिए जब सेतु निगम और राजस्व विभाग की टीम पहुंची तो पुल बनाए जाने के दौरान मकान जाने के डर से कुछ लोग अपनी रजिस्ट्री आदि लेकर पहुंच गए। सेतु निगम के एई ने लोगों को बताया कि वह परेशान न हों, जिनके पास सही दस्तावेज होंगे, उन्हें सरकार की ओर से सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। मालूम हो कि पुल बनाए जाने की जद में करीब 30 से 40 मकान आ रहे हैं।

रेल गंगापुल के अपलाइन पर मरम्मत कार्य के कारण शनिवार सुबह आठ से शाम 4:30 बजे तक रेल पुल के नीचे का अंडरपास मार्ग को सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह से बंद रहा। ऐसे में पश्चिमी गंगाघाट से शहर की ओर आवागमन करने वालों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। यातायात को रेलवे स्टेशन के निकट पड़ने वाली रेलवे क्रॉसिंग मार्ग से निकाला गया। वहां रेलवे फाटक बंद होने पर कई बार जाम लगा।

पहलगाम हमले पर बेजा टिप्पणी

गायिका नेहा सिंह राठौर पर एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बेजा टिप्पणी करने वाली लोक गायिका नेहा सिंह राठौर पर एफआईआर दर्ज की गई है। रविवार को गुडंबा वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय सिंह निर्भीक ने नेहा के खिलाफ हजरतगंज थाने में केस दर्ज कराया है।

हजरतगंज के एसीपी विकास जायसवाल ने बताया कि शिकायतकर्ता ने तहरीर में आर-ोप लगाया है कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म जाति के आधार पर एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध अपराध कारित करने के लिए उकसाने का काम किया है।

इतना नहीं नहीं सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए नेहा ने इस आतंकी हमले में मारे गए निर्देशों पर सवाल उठाए और दो समुदाय के विरुद्ध आपसी सौहार्द बिगाड़ने और शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए देश विरोधी बातें की हैं।

नेहा सिंह राठौर के भारत विरोधी बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहे हैं और पाकिस्तान में नेहा सिंह राठौर की प्रशंसा हो रही है। नेहा सिंह राठौर के सभी देश विरोधी बयान पाकिस्तान की मीडिया में भारत के खिलाफ प्रयोग किए जा रहे हैं और दुश्मन देश भारत पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। संकट की ऐसी स्थिति में नेहा सिंह राठौर के लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी के कारण देश के कवि समाज के साथ-साथ पूरे भारत देश के मान और सम्मान का हनन हो रहा है। एसीपी ने बताया कि इस मामले में आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है और जल्द नेहा सिंह राठौर को नोटिस देकर पूछताछ की जाएगी।

शाहजहांपुर में देश की पहली नाइट लैंडिंग हवाईपट्टी बनी

फाइटर प्लेन कर सकेंगे अभ्यास, सीएम योगी ने किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे पर तैयार 3.50 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाईपट्टी का निरीक्षण किया। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग कर सकेंगे। फाइटर प्लेन यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाईपट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे आवागमन सुरक्षित होगा और किसी भी अपराधिक वारदात की आशंका पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेस-वे के विस्तार की बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि इसे प्रयागराज से गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। साथ ही मेरठ को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा। शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक हब बनाने की योजना है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे को फर्रुखाबाद से लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए बुंदेलखंड से जोड़ा जाएगा। इससे बुंदेलखंड में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिलेगी। योगी ने विश्वास जताया कि गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

यूपी में बच्चा-बच्चा कुचल रहा पाकिस्तान

खुर्जा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम की घटना के विरोध में खुर्जा की सड़कों पर पाकिस्तान के झंडे लगा दिए गए हैं, जिसके ऊपर लोग पैदल चल कर गुजर रहे थे।

साथ ही वाहनों के पहिए चढ़ा कर विरोध जता रहे थे। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। विभिन्न संगठनों की ओर से केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन भी दिए गए। लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान के विरोध का नया तरीका ढूंढ़ लिया है।

खुर्जा क्षेत्र के रोडवेज बस अड्डा तिराहा और जेवर अड्डा चौराहा पर सड़कों के ऊपर पाकिस्तान के झंडे लगा दिए, जिसके ऊपर चढ़ कर लोग गुजर रहे थे। हालांकि ये झंडे कागज के थे, जो लगातार वाहन गुजरने से फटकर खराब हो गए। सीओ खुर्जा विकास प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। वीडियो के आधार पर जांच की जाएगी

19 हजार सिपाहियों की भर्ती के लिए शुरू हुई तैयारी

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के 19 हजार से अधिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति मई माह के पहले सप्ताह में जारी होने के आसार हैं। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा कराने वाली कंपनी का चयन करने के साथ शासन से आवश्यक अनुमति ली जा रही है। विज्ञप्ति जारी होने के बाद इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन लेना शुरू कर दिया जाएगा।

बता दें कि डीजीपी मुख्यालय ने बीत दिनों भर्ती बोर्ड को सिपाही के 19,220 पदों पर सीधी भर्ती करने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसके बाद बोर्ड द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई थी। बोर्ड ने अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की संभावना जताई थी, हालांकि कुछ औपचारिकताएं पूरी करने की वजह से इसमें कुछ समय लग सकता है। अधिकारियों के मुताबिक मई माह के पहले सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की तैयारी की जा रही है।

भर्ती बोर्ड पीएसी में 9837, विशेष सुरक्षा बल में 1341, लखनऊ, गोरखपुर और बदायूं में पीएसी की महिला वाहिनी के लिए 2282, नागरिक पुलिस में 3245, सशस्त्र पुलिस (पीएसी) में 2444 और घुड़सवार पुलिस के 71 पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी करके ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगा। तत्पश्चात लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा

पोषण और स्वच्छता के लिए चला जागरूकता अभियान

खानपान में मोटे अनाज शामिल करने की सलाह

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में पोषण और स्वच्छता के प्रति छात्राओं ने जागरूकता अभियान चलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी किरण लता वर्मा ने लोगों को खानपान में मोटे अनाज का सेवन बढ़ाने की सलाह दी। राजधानी लखनऊ में राजाजीपुरम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से पोषण और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही अच्छा कार्य किया जा सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को खान-पान और स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। महिलाओं और किशोरियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ ही अपने खान-पान में पौष्टिक तत्वों को शामिल करना चाहिए। कुपोषण एक बड़ी समस्या है। यदि किशोरावस्था में ही पौष्टिक भोजन लिया जाए तो भविष्य में आने वाली कई तरह की बीमारियों को अपने आप दूर किया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से अपील की कि खानपान में मोटे अनाज का सेवन बढ़ाएं।

कार्यक्रम अधिकारी किरण लता वर्मा एवं डॉ निशी मिश्रा के नेतृत्व में जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली, महिलाओं एवं बच्चों में पोषण इत्यादि विषय पर मलिन बस्तियों में लोगों को जागरूक किया। इस दौरान साधना सिंह यादव एवं डॉ पूनम पांडे ने भी संतुलित आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह भी बताया कि मौसम के अनुसार खानपान में बदलाव करते रहना चाहिए।

लाइलाज बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है।

पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार

पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन

पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

कैंसर

इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं ट्यूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, ल यू के मिया, पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी

गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक

पपीते के बीज के प्रदाह्नाशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

महिलाओं के लिए सहायक एप्स

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाली लड़कियां और महिलाएं अपने में काफी कुछ कर सकती हैं। खास महिलाओं के लिए कुछ एप्स भी मौजूद हैं। इन एप्स की मदद से महिलाएं अपने रोज के काम को और आसानी से पूरा कर सकती हैं। ये एप्स उनकी प्राइवेट लाइफ को प्राइवेट ही रहने देती हैं। बस आपको इन एप्स को अपने फोन में रखना है और ये एक अच्छे साथी की तरह आपकी मदद करेंगे।

महिलाएं चाहे कामकाजी हों या हाउस वाइफ हर दिन के टास्क से उन सभी को गुजरना होता है। जिसे वे अनदेखा नहीं कर सकती हैं। तो ऐसे में कुछ एप्स आपके लिए बेहतर विकल्प हैं जो उनको इन डेली टास्क में मदद करते हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर हर कोई कंसर्न रहता है, खासकर जब महिलाएं पब्लिक ट्रांसपोर्ट या किराए पर लिए कैब आदि में ट्रेवल कर रहीं हों। इसलिए एक सेफ्टी एप बेहद जरूरी है। इस एप की मदद से वे अपनी लोकेशन और डेस्टिनेशन व अन्य डिटेल्स किसी भी कांटेक्ट के साथ शेयर कर सकती हैं। इससे पूरी जानकारी जिन भी लोगों से वे शेयर करें उन्हें मालूम हों।

एवर नोट

किसी के लिए भी यह मुमकिन नहीं है कि उन्हें हर चीज याद हो। इसलिए अब एवर नोट एप की मदद से महिलाएं अपने प्लान, टू-डू लिस्ट आदि को मैनेज कर सकती है। हर चीज को नोट किया जा सकता है।

बिग बास्केट

बिग बास्केट डाउनलोड करें। यह एक ऐसा एप है जो हर महिला के काम आता है। इस एप के जरिए महिलाएं किचन का सारा सामान घर बैठे बैठे ला सकती हैं। जो सामान चाहिए उसे आर्डर कर दीजिए। अब कभी महिलाएं घर पर हों, और उनको पता चले कि कोई जरुरी सामान खत्म हो गया है तो वे उसे मिनटों में बिना घर से बाहर निकलें आर्डर कर सकती हैं।

बुक माय शो

बुक माय शो डाउनलोड करने से महिलाओं को किसी की मदद लेने की जरुरत नहीं है। वे खुद ही अपने लिए मूवी टिकेट बुक कर सकती हैं, तो डाउनलोड कीजिए ये एप तुरंत!

रोपोसो

रोपोसो एप के साथ महिलाएं रहेंगी फैशन में भी अपडेट। साथ ही वे अपने फैशन आईडिया अन्य महिलाओं के साथ शेयर भी कर सकती हैं।

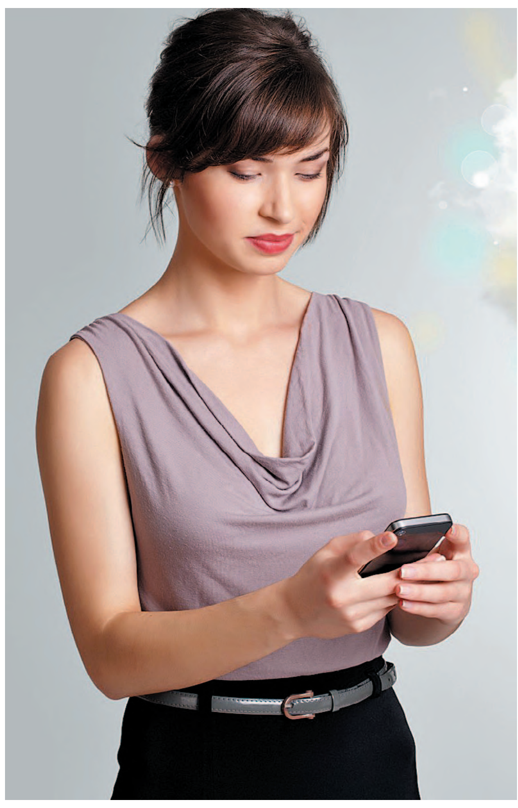

पीरियड ट्रैकर

पीरियड ट्रैकर हर महिला और लड़की के लिए यह इम्पोर्टेन्ट है। चाहे न चाहें ये बिन बुलाए मेहमान हर महीने दस्तक देते हैं। तो अच्छा है कि इसका एक ट्रैक रखें और यह एप उन्हें इसी काम में मदद करती है।

मायपिल

यदि महिलाएं पिल को समय पर लेना भूल जाएं तो! जाहिर है वे ऐसा नहीं चाहेंगी। यह एप उनको याद दिलाएगी कि उन्हें पिल कब किस समय पर लेनी है।

यम्मी रेसिपीज एंड शॉपिंग लिस्ट

हर दिन वही खाना बना बना कर महिलाएं बोर हो जाती है तो लीजिए यह एप उनके लिए लाता है नई और शानदार व्यंजनों की रेसिपीज।

टॉयलेट फाइंडर

जब महिलाएं घर से बहार हों तो ऐसा कई बार होता है कि वे नेचर कॉल इग्नोर नहीं कर सकती हैं। लेकिन पब्लिक टॉयलेट कहां है यह कैसे पता चलेगा! चलिए उनके लिए ले आया है एक नया एप जो अब जरुरत के समय पर उनके लिए टॉयलेट ढूंढेगा।

फॉलो करें फेसबुक के ये रूल्स...

फेसबुक एक कमाल का सोशल मीडिया है। इसके जरिए हम अपने दोस्तों व करीबियों से जुड़े रहते हैं। उन लोगों से भी कनेक्टेड रहते हैं जिनसे हम सालों मिल नहीं पाते हैं। स्कूल के पुराने दोस्त, साथियों सभी से हम फेसबुक पर जुड़ें रह सकते हैं। साथ ही जो ब्रांड्स हमें पसंद हैं उनके अपडेट्स भी हमें फेसबुक के जरिए मिलते रहते हैं। लेकिन इन सबके अलावा फेसबुक पर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर दो मिनट में कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं, और उसमें हमें टैग भी करते हैं। इतना ही नहीं कुछ तो हर चीज फेसबुक पर अपडेट करते हैं, वो क्या खाते हैं, कहांजाते हैं, क्या कर रहे हैं, यह सब पूरी दुनिया को बताते हैं। कई बार तो हम फेसबुक को एक गलत कदम समझ लेते हैं, लेकिन इन सब की आदत डालना जरुरी नहीं। आइए नजर डालते हैं सोशल मीडिया के उन बातों पर जो आप बेशक नजरअंदाज करना चाहेंगे।

प्रमोशन के लिए इस्तेमाल

आपने हाल ही में कोई बिजेनस स्टार्ट किया है और आप उसे फेसबुक पर प्रमोट करते रहते हैं.? यदि हां, तो ऐसा बिल्कुल मत करिए। भले ही आपके दोस्त आपके लिए आपके नए काम के लिए खुश हों लेकिन हर दिन कोई भी आपके बिजनेस के बारे में जानना नहीं चाहता। इसके लिए आप एक अलग पेज बना सकते हैं। और फिर अपने दोस्तों को इनविटे भेज सकते हैं।

बच्चों के बारे में पोस्ट

अपने बच्चों के बारे में पोस्ट करना आप अपने बच्चों से प्यार करते हैं, सब करते हैं। आपके बच्चे जब भी कुछ नया करें तो वो आपके काफी खास होता होगा। लेकिन आपको समझना होगा कि आपसे ज्यादा प्यार उन्हें आपके फेसबुक फ्रेंड्स नहीं करते हैं। यही कारण है कि वो बार बार बच्चों के अपडेट नहीं देखना चाहते हैं, तो आप ऐसा करना अवॉयड करें।

दोस्तों को टैग करना

कई लोगों की आदत होती है कि वो अपनी फोटोज में दोस्तों को टैग कर देते हैं, जबकि दोस्तों का उससे कोई लेना-देना भी नहीं होता। साथ ही कुछ लोग केवल अपनी फोटो अच्छी आने पर उसे पोस्ट कर देते हैं भले ही उसमें बाकी दोस्त अच्छे नहीं दिख रहे हों और इसके बाद भी टैग कर देते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं तो यह आदत छोड़ दें।

निजी बातें अपडेट करना

कॉलेज में किसी दोस्त से बहस हो जाए या आपको जॉब का अच्छा ऑफर आया हो ये सभी आपके और आपके अपनों के लिए खास हो सकता है लेकिन फेसबुक पर हर कोई इसमें दिलचस्पी नहीं रखता है। इसलिए इससे बेहतर होगा कि आप फोन करके अपने घरवालों ये खुशी की बात बताएं।

मैसेंजर की तरह इस्तेमाल

यदि आपको अपने दोस्त से कुछ बात करनी है तो आप उसे पर्सनल मैसेज कर सकते हैं, उसे वाल पर पोस्ट करना सही तरीका नहीं है।

गेम रिक्वेस्ट

आपको भले ही फेसबुक पर कैंडी क्रश या अन्य गेम पसंद, लेकिन दूसरों को नहीं, तो प्लीज गेम की रिक्वेस्ट भेजना बंद करें।

हर दो मिनट में स्टेटस

आप मूवी जा रहे हैं, शॉपींग कर रहे हैं या जिम के लिए निकल रहे हैं ये सब अच्छा है लेकिन हर दो मिनट फेसबुक अपडेट करना, आपके दोस्तों को परेशान कर सकता है।

एप्पल का ग्लास फोन

क्या आपने कभी ग्लास वाले स्मार्टफोन के बारे में सोचा है। ऐसा स्मार्टफोन जो पूरी तरह से ग्लास से बना हो । अब तक जो स्मार्टफोन देखने को मिले हैं, वे मेटल और प्लास्टिक से मिलकर बने होते हैं। लेकिन आगे आने वाले तकनीक में कुछ नया होगा। अमेरिकी स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एप्पल एक ऐसा स्मार्टफोन लेकर आने वाली है, जो पूरी तरह ग्लास से बना होगा। इस कांसेप्ट को सुनकर ही आपको हैरत हो रही होगी, लेकिन ये पूरी तरह सच है। एप्पल ने इस ग्लास फोन का डिजाइन बना लिया है, जो जल्द ही मार्केट में पेश होने वाला है।

फेसबुक का शानदार तोहफा...

फेसबुक ने हिंदी प्रेमियों को एक शानदार तोहफा दिया है। फेसबुक ने एक टूल लॉन्च किया है, जिसके जरिये हिंदी में टाइप करना आसान हो जाएगा। फेसबुक ने कहा कि हम अब एंड्रॉयड फोन्स के लिए फेसबुक एप के अंदर एक हल्के वजन का हिंदी एडिटर पेश कर रहे हैं। फेसबुक के मुताबिक- जब एप की सेटिंग ऑन कर दी जाएगी, तब आप बार में मौजूद एक बटन के जरिए अपनी ताजा सूचना और टिप्पणियां टाइप कर सकते हैं। यह रोमन अक्षरों को खुद ही देवनागरी लिपि में परिवर्तित कर देगा। बयान में आगे कहा गया है, जब लोग इसका प्रयोग करते हैं, तब अक्षर अंग्रेजी में टाइप होते हैं और वह देवनागरी लिपि में बदल जाता है।

वॉट्सएप के खुफिया फीचर्स

वॉट्सएप के कुछ खास खुफिया फीचर्स हैं जो आपको जरूर जानना चाहिए। यहां हम आपको इन्हीं फीचर्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

असली नंबर दिए बिना चैट

अगर आप किसी व्यक्ति को अपना असली नंबर दिए बिना चैट करना चाहते हैं तो यह भी मुमकिन है। वॉट्सऐप की सेटिंग्स में और अकाउंट में चेंज नंबर के ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां नया नंबर डालकर वेरिफाई कर दीजिए। वेरिफिकेशन कोड आपके मौजूद नंबर पर भेजा जाएगा। दरअसल वॉट्सऐप का नंबर सिर्फ डिस्प्ले का नंबर है। आप चाहें तो वॉट्सऐप के लिए एक बंद नंबर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

ग्रुप को म्यूट करना

अगर किसी वॉट्सऐप ग्रुप के मैसेज आपको परेशान कर रहे हैं तो आप थोड़े समय के लिए उस ग्रुप के मैसेज के रिंगटोन को म्यूट कर सकते हैं। कितनी देर के लिए म्यूट करना है, वो आप तय कर सकते हैं। बस मेनू बटन पर क्लिक कीजिये और म्यूट चुन लीजिए। जितने समय के लिए आप ग्रुप को म्यूट करना चाहते हैं वो भी चुन लीजिए।

लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपाना

वॉट्सऐप इस्तेमाल करने वाले यूजर्स दूसरे यूजर को दिखने वाली लास्ट सीन नोटिफिकेशन छिपा सकते हैं यानी अब अगर यूजर चाहे तो किसी को पता नहीं चलेगा कि उसने पिछली बार वॉट्सऐप कब खोला था। ये फीचर नए अपडेट वॉट्सऐप में प्राइवेसी सेटिंग्स में मिलेगा।

चैट को आर्काइव करना

आप अपने चैट को आर्काइव कर सकते हैं और बाद में जब चाहें उसे पढ़ सकते हैं। जिस चैट को आप अर्काइव करना चाहते हैं उस पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव चैट को चुन लीजिए। अगर आप चाहें तो सभी चैट को भी आर्काइव कर सकते हैं। बस चैट सेटिंग्स पर टैप कीजिए और उसके बाद आर्काइव आल चैट्स चुन लीजिये। इसका इस्तेमाल करने से आपके एसडी कार्ड पर चैट बैकअप नहीं होता है और न ही डिलीट होता है।

चैट हेल्पर एंड्रायड

चैट हेल्पर एंड्रायड स्मार्टफोन के लिए एक विजेट है जो आपकी स्क्रीन पर वॉट्सऐप के स्क्रीन को फ्लोट करने में मदद करता है। यानी वॉट्सऐप मैसेज अब पूरी स्क्रीन पर नहीं दिखाई देगा पर एक विजेट, जिसे आप स्क्रीन पर किसी भी हिस्से में रख सकते हैं, उस पर दिखाई देगा। ऐप को इनेबल करने के बाद विजेट स्मार्टफोन की स्क्रीन पर आ जाएगा। गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करके इसे स्मार्टफोन पर इनस्टॉल कर लीजिए।

मैसेज पढ़ा कब

स्क्रीन पर जो ब्लू टिक आता है उसका मतलब है जिसको आपने मैसेज भेजा है उसने मैसेज पढ़ लिया। कई बार ऐसा होता है कि मैसेज डिलीवर हो जाता है लेकिन जिसे भेजा वह उसे पढ़ता नहीं है। अगर आप जानना चाहते हैं कि मैसेज कब पढ़ा गया तो जो मैसेज आपने भेजा है उसे थोड़ी देर के लिए प्रेस कीजिए। उससे आपको पता लग जाएगा कि मैसेज पढ़ा कब गया था।

यह जानना जरूरी

यह जानना हमेशा बढ़िया होता है कि मोबाइल डेटा को आटोमैटिक डाउनलोड पर नहीं रखना चाहिए। सेटिंग्स के बाद चैट सेटिंग्स और उसके बाद मीडिया ऑटो डाउनलोड में जाकर आप बॉक्स से टिक मार्क हटा दें तो ये बंद हो जाएगा। अगर आप चाहें तो ये सिर्फ वाई-फाई जोन में रहने पर ही डाउनलोड होगा।

लंबे समय तक अच्छी सेहत के लिए छोड़ें आलस

मेटाबॉलिज्म, यानी डाइजेशन प्रॉसेस। खाने को एनर्जी में बदलने का काम मेटाबॉलिज्म ही करता है। इसलिए इसका सही तरीके से काम करते रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम कई ऐसी छोटी-बड़ी गलतियां कर देते हैं, जिससे इसके नेगेटिव इफेक्ट्स पड़ने लगते हैं। जानेंगे इनके बारे में ताकि इसमें सुधार किया जा सके..

नींद बिगाड़े काम

क्या गलती हो जाती है- रोजाना सुबह आप एक तय समय पर उठते हैं, लेकिन छुट्टी वाले दिन यह समय बदल जाता है।

समस्या क्या है- इसे ह्यस्लीप हायजीनह्व के नाम से जाना जाता है। न केवल समय में बदलाव, बल्कि बराबर नींद न ले पाने से भी डाइजेशन पर असर पड़ सकता है। मशहूर मेडिकल जर्नल में छपे एक स्टडी के मुताबिक - केवल एक दिन की खराब या कम नींद शरीर की 'सर्कािडियन रिदम' को इफेक्ट कर सकती है। सर्कािडियन रिदम हमारी नींद डिसाइड करती है और बॉडी के मेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मदद करती है। **समाधान-** हफ्ते भर रात 10 बजे सोने और सुबह 6 बजे जाग जाने, लेकिन छुट्टी के दिन रात 2-3 बजे तक जागने और सुबह देरी से उठने की आदत छोड़ दें। रोजाना एक ही टाइम पर सोइए और बिस्तर छोड़िए। छुट्टी वाले दिन पॉसिबल न हो, तो कम से कम रोज वाले समय को जरूर फॉलो करें।

पानी पीने का न रहा ध्यान

क्या गलती हो जाती है- आधा दिन बीत चुका है, लेकिन आपको खबर ही नहीं कि आपने अब तक कितना पानी पिया!

समस्या क्या है- बॉडी द्वारा किया गया कोई भी काम, जिसमें एनर्जी की खपत होती है, जैसे खाना पचाना, मसल्स का संकुचन, शरीर से मल व गंदगी को बाहर निकालना आदि में से कई जरूरी कामों में हाइड्रेशन भी एक अहम भूमिका निभाता है। हाइड्रेशन, यानी शरीर में पानी की संतुलित मात्रा का होना। यदि आप कम पानी पिएंगे, तो शरीर इन कामों को धीमी गति से करेगा या सही तरीके से नहीं कर पाएगा, जिसका सीधा-सीधा असर डाइजेशन पर पड़ेगा। **समाधान**-भरपूर पानी न पीने का संकेत शरीर कई तरह से देता है। जैसे- अचानक सिरदर्द होना, थकान महसूस होना, पेशाब गहरे पीले रंग की होना आदि। ऐसा हो तो समझ जाएं कि आप पानी उचित मात्रा में नहीं पी रहे हैं। इससे बचने के लिए अपने पास हर वक़्त एक पानी की बोतल रखें। बोतल पर तयशुदा अंतराल का ध्यान रखते हुए निशान लगा दें। पानी पीना भी याद रहेगा और मात्रा भी संतुलित रहेगी। चाहें तो इस काम के लिए फोन अलार्म/रिमाइंडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

संपादकीय

'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाएं

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सडक़ों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं। 'जयचंदों' का निचले स्तर तक जो जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सूचियां तैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व 'हरी झंडी' देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले 'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाया जाए।

> प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक सबक समय की जरूरत है

पाकिस्तान से पानी का रिश्ता हुआ समाप्त

प्रमोद भार्गव

> आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है।

कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच बड़े कूटनीतिक प्रहार कर दिए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सिंधु जल समझौते को अनिष्चित काल के लिए स्थगित करना है। यह एक ऐसी कूटनीतिक चाल है, जिससे पाकिस्तान को भीषण जलसंकट का सामना तो करना पड़ेगा ही आर्थिक समृद्धि में भी यह फैसला मठा घोलने का काम करेगा। साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करते हुए उन्हें 48 घंटे में पाक लौट जाने का आदेश दिया है। अटारी-वाघा सीमा-द्वार बंद कर दिया है। भारत ने पाकिस्तान से अपने सैन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया है। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। इन्हें एक सप्ताह में भारत छोड़ना होगा। ये सभी निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई केंद्रीय कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए हैं। आतंकवादियों की शरणस्थली बने पाकिस्तान को ये कूटनीतिक सबक समय की जरूरत है। अमानुषिक दगाबाजी के आदि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने 16 अप्रैल 2025 को इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान के 'गले की नस' है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिश रचकर कश्मीर के अवाम की इसी आर्थिक श्वास की नली को अवरुद्ध कर दिया है। अब भारत ने पलटवार करते हुए सिंघु की जलधार को अवरुद्ध करके ईंट का जबाव पत्थर से देने का काम किया है। यदि यह जवाब बहुत पहले दे दिया गया होता तो शायद पाक से निर्यात आतंक के ये हालात पनप ही नहीं पाते? 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि में भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों का पानी बांटने का समझौता हुआ था। इस समझौते पर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी। इसके अंतर्गत पाकिस्तान से पूर्वी क्षेत्र की तीन नदियों व्यास, रावी व सतलुज की जल राशि पर नियंत्रण भारत के सुपुर्द किया गया था और पश्चिम की नदियों सिंधु, चिनाब व झेलम पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पाक को सौंपी गई थी। इसके तहत भारत के ऊपरी हिस्से में बहने वाली इन छह नदियों का 80.52 यानी 167.2 अरब घन मीटर पानी पाकिस्तान को हर साल दिया जाता है। जबकि भारत के

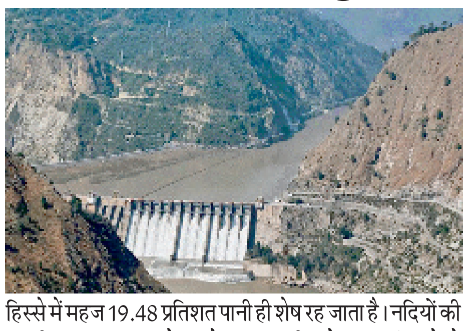

हिस्से में महज 19.48 प्रतिशत पानी ही शेष रह जाता है। नदियों की ऊपरी धारा (भारत में बहने वाला पानी) के जल-बंटवारे में उदारता की ऐसी अनूठी मिसाल दुनिया के किसी भी अन्य जल-समझौते में देखने में नहीं आई है। इसीलिए अमेरिकी सीनेट की विदेशी मामलों से संबंधित समिति ने 2011 में दावा किया था कि यह संधि दुनिया की सफलतम संधियों में से एक है। लेकिन यह संधि केवल इसलिए सफल है, क्योंकि भारत संधियों की शर्तों को निभाने के प्रति अब तक उदार एवं प्रतिबद्ध बना हुआ है। जबकि जम्मू-कश्मीर को हर साल इस संधि के पालन में करीब 60 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। भारत की भूमि पर इन नदियों का अकूत जल भंडार होने के बावजूद इस संधि के चलते इस राज्य को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इन्हीं नदियों के जल से होती है। पाक के बड़े भू-भाग की 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल की जरूरतें इन्हीं नदियों पर निर्भर हैं। यह संधि लंबे समय तक स्थगित रहती है तो पाकिस्तान में अकाल और सूखे के हालात बन सकते हैं। दरअसल सिंधु-संधि के तहत उत्तर से दक्षिण को बांटने वाली एक रेखा सुनिश्चित की गई है। इसके तहत सिंधु क्षेत्र में आने वाली तीन नदियां सिंधु, चिनाब और झेलम पूरी तरह पाकिस्तान को उपहार में दे दी गई हैं। इसके उलट भारतीय संप्रभुता क्षेत्र में आने वाली व्यास, रावी व सतलुज नदियों के बचे हुए हिस्से में ही जल सीमित रह गया है। इस लिहाज से यह संधि दुनिया की ऐसी इकलौती अंतरदेशीय जल संधि है, जिसमें सीमित संप्रभुता का सिद्धांत लागू होता है और संधि की असमान शर्तों के चलते ऊपरी जलधारा वाला देश नीचे की ओर प्रवाहित होने वाली जलधारा वाले देश पाकिस्तान के लिए अपने हितों की न केवल अनदेखी करता है, वरन बालिदान कर देता है। इतनी बेजोड़ और पाक हितकारी संधि होने के बावजूद पाक ने भारत की उदार शालीनता का उत्तर पूरे जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकी हमलों के रूप में तो दिया ही, अब इनका विस्तार भारतीय सेना व पुलिस के सुरक्षित ठिकानों तक भी किया हुआ है। अब पर्यटकों की हिंदू धार्मिक पहचान करके जो नरसंहार पहलगाम की बैसरन घाटी में किया है, वह यह जताने के लिए काफी है कि हमला धर्म के आधार पर किया गया है। ये सभी हमले आतंकवाद को बहाना बनाकर छद्म युद्ध के जरिए किए गए, जबकि ये सभी हमले पाक सेना की करतूत हैं। दरअसल छद्म युद्ध में लागत तो कम आती ही है, हमलाबर देश पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर इस बहाने रक्षात्मक भी हो जाता है कि इन हमलों में उसका नहीं, आतंकवादियों का हाथ है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि इस संधि को तोड़ने की हिम्मत न तो 1965 में भारत-पाक युद्ध के बाद दिखाई गई और न ही 1971 में? हालांकि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर नए राष्ट्र बांग्लादेश को अस्तित्व में लाने की बड़ी कूट व रणनीतिक सफलता हासिल की थी। कारगिल युद्ध के समय भी हम इस संधि को तोड़ने से चुके हैं। देर से ही सही इस संधि को तोड़ने की पहल देशहित में है। दरअसल पाकिस्तान की प्रकृति में ही अहसानफरोसी शुमार है। इसीलिए भारत ने जब झेलम की सहायक नदी किशनगंगा पर बनने वाली 'किशन गंगा जल विद्युत परियोजना' की बुनियाद रखी तो पाकिस्तान ने बुनियाद रखते ही नीदरलैंड में स्थित 'अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय' में 2010 में ही आपत्ति दर्ज करा दी थी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में किशनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना प्रस्तावित है। हालांकि 20 दिसंबर 2013 को इसका फैसला भी हो गया। दुर्भाग्य कहलें या भारत द्वारा ठीक से अपने पक्ष की पैरवी नहीं करने के कारण यह निर्णय भारत के व्यापक हित साधे रखने में असफल रहा है। न्यायालय ने भारत को परियोजना निर्माण की अनुमति तो दे दी, लेकिन भारत को बाध्य किया गया कि वह 'रन ऑफ दि रिवर' प्रणाली के तहत नदियों का प्रवाह निरंतर जारी रखे। फैसले के मुताबिक किशनगंगा नदी में पूरे साल हर समय 9 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड का न्यूनतम जल प्रवाह जारी रहेगा। हालांकि पाकिस्तान ने अपील में 100 क्यूसेक मीटर प्रति सेकंड पानी के प्राकृतिक प्रवाह की मांग की थी, जिसे न्यायालय ने नहीं माना।

दृष्टि कोण

आतंकवाद पर अमरीका का ढुलमुल रवैया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेन्स की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमरीका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमरीका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमरीका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाए हैं। सही मायने में तो अमरीका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमरीका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमरीका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किंतु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमरीकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमरीकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्य कर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमरीकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमरीका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमरीका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किंतु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यावसायिक हित साधना भर रहा है। अमरीका के व्यावसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमरीका ने पाकिस्तान को घातक एफ-16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं, इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमरीका करता रहा है। अमरीका ने भारत के विरोध को नजरअंदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमरीका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोगों और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमरीका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आईज का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा के अहम सहयोगी अमरीका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाय भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं, अमरीका से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमरीका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी।

कुछ अलग

दिल देखो, बिल न देखो...

कौन कहता है कि सरकार काम नहीं कर रही? ऐसा कहने वालों को पहले अपने काले चश्मे उतारने चाहिए, वरना सरकार की पारदर्शिता कैसे दिखेगी? सरकार जनहित में इतनी संवेदनशील है कि अफवाह की फुसफुसाहट भी होती है तो खुफिया तंत्र तुरंत उसे पकड़ लेता है और बिना आव-ताव देखे जांच बैठ जाती है। क्योंकि सरकार जनहित को लेकर पूरी तरह समर्पित है। न कुछ गलत देख सकती है और न बर्दाश्त कर सकती है। इससे सरकार की कमिटमेंट और कार्यक्षमता की झलक दुनिया को मिल जाती है। नेताजी को खिलाया गया मुर्गा जंगली था या बेचारा देसी टाइप का था, सरकार ने राष्ट्रीय मीडिया में यह मामला उछलते ही फौरन पुलिस को सक्रिय कर दिया। जिन्होंने सोशल मीडिया और अखबारों में शहीद हुए मुर्गे को जंगली मुर्गी का नाम दे दिया था, उन पर केस दर्ज हो गए। पब्लिक को पता चल गया कि सरकार इस मामले में बहुत सख्त है। सरकार ने जांच बिठाई तो पता चला कि मुर्गा जंगली नहीं था। क्योंकि जंगली मुर्गी का जुगाड़ हो नहीं पाया था। क्योंकि जंगल में कोई जंगली मुर्गा बचा ही नहीं था। सब जान बचाकर इधर-उधर के राज्यों में भाग गए थे। फिर समोसा प्रकरण हुआ। समोसा नेता जी की प्लेट तक क्यों नहीं पहुंचा और रास्ते में कौन लोग उस समोसे को खा गए, इस बारे बड़ी-बड़ी खबरें छपी तो फिर सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जांच बिठा दी। मामला फाइव स्टार समोसा और देसी हलवाई के समोसे के बीच उलझ कर रह गया। जांच रिपोर्ट आई और गई। जनता में चर्चा शुरू हुई और फिर खत्म हुई। समोसा पेट से बाहर नहीं आया। होली के दिन एक और मामला सामने आया। कुछ सीनियर अफसरों ने परिवार सहित नाच-गाना किया, भोज रचाया और जनता की आंखों में गुलाल झोंक कर सरकारी खजाने से बिल ट्रेजरी में भेज दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश वह बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सरकार की इज्जत पर आंच आई। सरकार की फजीहत होने लगी तो सरकार ने फिर संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। लेकिन इस बार जांच उन अफसर पर नहीं बैठी जिन्होंने भोज किया था और बिल सरकार को प्रस्तुत कर दिया था, बल्कि उन पर बैठी जिन्होंने बिल लीक किया। यानी सरकारी खजाने से खाना-पीना तो जायज है, लेकिन बिल पब्लिक के सामने लीक कर देना बहुत बड़ा गुनाह है। अब लीक करने वालों पर एक्शन होगा। हो सकता है कि दो-चार बाबू सस्पेंड भी हो जाएं, क्योंकि सरकार संवेदनशील है। क्योंकि सरकार का रुख बहुत सख्त है। अपनी छवि को लेकर बहुत सतर्क है। सरकार सफेद मामलों में तो वाह-वाह ही लूटना चाहती है, लेकिन काले कारनामों पर पर्दा डाले रखना चाहती है। इसलिए फॉरेन जांच बिठा दी जाती है। कुछ महीने जांच चलती रहती है। फिर रिपोर्ट नेताजी के पास आती है। नेताजी के पलंग के नीचे फाइलों की मोटी गद्दियां हैं। हर गद्दी में एक जांच रिपोर्ट सो रही है और नेताजी उन्हीं के ऊपर सोते हैं पूरी तसल्ली से। पब्लिक को फिर किसी नई जांच का इंतजार रहता है और नई जांच के लिए किसी नए कारनामे का इंतजार रहता है। सरकार में कारनामे करने वाले बहुत गणमान्य लोग हैं। उन्हें ऐसे कारनामे करने का लंबा अनुभव है और उनके इस अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें ऊंचे पदों पर भी बिठा रखा है। हर जांच एक सरकारी नाटक है जिसमें कलाकार पुराने हैं, स्क्रिप्ट नई होती है। जनता दर्शक है। तालियां बजाती है और फिर भूल जाती है।

देश दुनिया से

संधि का स्थगन प्रदेश के विकास का आधार

पहलगाम हमले के विरोध में भारत सरकार ने प्रारंभिक स्तर पर जो कदम उठाए हैं, उनमें वर्ष 1960 में भारत-पाक के बीच वल्ड बैंक द्वारा व्यवस्थित सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। भारत सरकार के इस निर्णय से हालांकि शुरुआती दौर में तो पाकिस्तान को ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, पर अगर भारत इस संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से आई नदियों के जल प्रवाह की दिशा को परिवर्तित करने के लिए एक आधारभूत ढांचे का निर्माण कर लेता है, तो उत्तर भारत में खुशहाली की नई इबारत तो लिखी जाएगी ही, साथ में पाकिस्तान की लगभग 21 करोड़ की जनसंख्या सीधे तौर पर प्रभावित होगी जो पाकिस्तान को हमेशा के लिए घुटनों पर लाने के लिए काफी है। भारत सरकार अगर अपने इस निर्णय पर अडिग रहती है तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे और पाकिस्तान के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो सकता है। आज से 9 वर्ष पूर्व इसी विषय पर 'दिव्य हिमाचल' के संपादकीय में प्रकाशित मेरे एक लेख में मैंने इस भेदभावपूर्ण संधि में बदलाव के बारे में स्पष्ट लिखा था और कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ हुई इस गलत संधि से पीछे हट जाता है तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद समेत कई समस्याओं का पूर्ण रूपेण सफाया हो जाएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग 9 वर्षों की बातचीत के पश्चात 19 सितंबर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी। इस संधि के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण मिला था, वहीं पाकिस्तान को झेलम, चेनाब और सिंधु नदी पर अधिकार मिला, हालांकि भारत पश्चिमी नदियों के भारत में बहने के दौरान कुछ हिस्से का सीमित मात्रा में उपयोग कर सकता था, परंतु यह कमोबेश पाकिस्तान की मर्जी पर ही निर्भर था। इस संधि को इसलिए भी भेदभावपूर्ण और गलत माना जाता रहा है क्योंकि इस संधि में भारत के हिस्से आई तीनों नदियों का कुल जल प्रवाह 41000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है, वहीं अकेली सिंधु नदी का जल प्रवाह 233000 क्यूबिक फीट प्रति सेकंड है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को इस समझौते से 30 फीसदी, तो पाकिस्तान को कुल 70 फीसदी पानी मिला और सबसे ज्यादा अपमानजनक पहलू तो यह था कि भारत को इस संधि की अनुसार 125 मीट्रिक टन सोना अथवा 6 करोड़ 20 लाख पाउंड पाकिस्तान को देने के लिए बाध्य किया गया और भारत की कमजोरी देखिए कि 1965 के युद्ध के बावजूद भारत ने दस वार्षिक किस्तों में यह धनराशि पाकिस्तान को दी। इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी ही कहा जाएगा कि तीन युद्धों के बाद भी इस संधि को नहीं तोड़ा गया। इस संधि के टूटने से पाकिस्तान पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। कृषि आधारित उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। पहले से ही कई तरह की आंतरिक समस्याओं में उलझा पाकिस्तान इस झटके को सहन करने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान ने शायद सोचा ही नहीं था कि भारतीय नेतृत्व कभी इस हद तक जा सकता है। तीन युद्धों के पश्चात भी इस संधि के न टूटने को पाकिस्तान ने इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी मान लिया था और शायद यही कारण रहा होगा कि वह वर्तमान सरकार के निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने में गलत साबित हुआ। अब वह इसे लेकर अपनी आदत के अनुरूप हाय-तौबा तो जरूर मचाएगा, पर होगा वही जो भारत चाहेगा। इस संधि का भविष्य क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, पर इतना निश्चित है कि अगर भारत सरकार चाहे तो आतंकवाद समेत कई बड़ी समस्याओं का निराकरण इस संधि के सहारे पाकिस्तान की गर्दन दबाकर कर सकता है। भारत को होने वाले लाभ को अगर हम एक तरफ कर दें और केवल हिमाचल की दृष्टि से इस संधि के टूटने से होने वाले प्रभावों का आकलन करें तो भविष्य में सबसे ज्यादा लाभ हिमाचल को होने वाला है। हिमाचल प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से में आने वाली पश्चिमी नदियों में से एक चंद्रभागा (चेनाब) नदी जम्मू-कश्मीर में मिलने से पहले लाहुल-स्पीति के तांदी से पांगी घाटी के पद्दर तक 136 किमी हिमाचल प्रदेश में बहती है। तांदी में चंद्रा और भागा का संगम होने से पूर्व चंद्रा नदी अपने उद्गम स्थल से 115 किमी व भागा लगभग 60 किमी का सफर तय करती है। पर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि सुंदर प्राकृतिक दृश्यावलियों के बीच इतनी लंबी दूरी तय करने के बावजूद लाहुल और पांगी के साथ ही प्रदेश को सबसे ज्यादा जल घनत्व वाली इस नदी का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। एक अनुमान के अनुसार चंद्रभागा नदी बेसिन में 11000 मेगावाट जल विद्युत उत्पादित करने की क्षमता है, पर सिंधु जल संधि के कारण आज तक हम एक मेगावाट विद्युत क्षमता का भी दोहन नहीं कर पाए हैं। दूसरी संभावना रन ऑफ रिवर (जिसमें बिना बांध के नदी प्रवाह के सहारे विद्युत उत्पादन) है, पर इसमें उत्पादित विद्युत को प्रदेश के दूसरे भाग में पहुंचाना एक बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि यह सारा क्षेत्र हमेशा बर्फ से ढके रहने वाले पहाड़ों से घिरा हुआ है। ऐसे में एकमात्र विकल्प है कि पानी के प्रवाह को सुरंगों के सहारे मोडक़र प्रदेश के दूसरे भागों में विद्युत उत्पादित की जाए। सिंधु जल संधि के कारण हम चंद्रभागा नदी के प्रवाह को नहीं मोड़ सकते थे, पर 23 अप्रैल को इस संधि के स्थगित होने से अब ऐसी कोई बाध्यता नहीं रहेगी। छतड़ू (लाहुल) 2740 मी. पर यदि एक छोटा सा बांध बना कर चंद्रा नदी को मनाली (2000 मी.) की तरफ मोड़ दिया जाए तो मात्र 8 किमी की टनल बनाने से ही 700 मीटर के हेड पर 3000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादित की जा सकती है। ब्यास नदी बेसिन पर पहले से ही प्रदेश विद्युत विभाग और बीबीएमबी द्वारा तैयार किया गया जल विद्युत का आधारभूत ढांचा मौजूद है। लगातार जल उपलब्ध रहने के कारण वह अपनी पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन कर पाएंगे। दूसरा लाहुल के ही तींदी या मिंधल के पास से चंद्रभागा का प्रवाह मोड़ कर रावी में मिला दिया जाए तो विद्युत उत्पादन में हिमाचल नई ऊंचाईयां छू लेगा, साथ में सूखती नदियों को भी नया जीवनदान मिलेगा। चंद्रभागा नदी के प्रवाह को मोडऩे का सबसे ज्यादा लाभ उत्तर भारत के जल संकट से निपटने से मिलेगा।

आप का नजरीया

शहरी वजूद में खुली सांस

शहरी स्वच्छता के पैमानों में दम भरते हुए हिमाचल ने अपने नगरीय जीवन की नब्ज टटोली है। सूची के शिखर पर सोलन, तो अंतिम आठवें स्थान पर हमीरपुर रहा। आश्चर्य यह कि शिमला की स्वच्छता के अलंकार भी केवल सांतवां स्थान अर्जित कर पाए, जबकि धर्मशाला दूसरे स्थान पर रहा। स्वच्छ शहर-समृद्ध शहर की परिकल्पना में नगर निगमों की जमीन पर, शहरों की यह व्याख्या बता रही है कि इस सफर की कहानी कठिन है। यही सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल के शहरीकरण को कमजोर मानता है। यहां राजधानी शिमला अगर निचली पायदान पर नजर आ रही है, तो यह चिंता का विषय है। यह इसलिए भी कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शिमला की स्वच्छता के आदर्श परिमार्जित होने चाहिएं, जबकि राजधानी का रुतबा लुढक़ गया। पर्वतीय शहरों की जरूरतें नागरिकों की बदलती जीवन शैली के कारण तीव्रता से बढ़ रही हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में कचरा भी बढ़ रहा है। शहरों के वजूद को खुली सांस लेने में तकलीफ है। गलियां तंग हैं, गलियां बंद हैं, जबकि भविष्य की नाकेबंदी पर नागरिक असहमति का राज है। स्वच्छता के दर्पण में टीसीपी कानून और टीसीपी महकमा कहीं छटपटा रहा है। इन आठ शहरों की नगर विकास योजना या तो मुकम्मल नहीं या आज तक सक्षम नहीं। स्वच्छ शहर की अहर्ताओं को पहचाने बिना शहर न तो सक्षम और न ही समृद्ध होंगे। सोलन जिसे मूल्यांकन में टॉप पोजिशन मिली है, उसे भी नागरिक जरूरतों से जूझना पड़ रहा है। पिछले दशक में बेशक नागरिक समाज और समृद्ध तथा शुमारी में शहर आगे हो गया, लेकिन पूरे शहर में एंबुलेंस पहुंचानी हो तो शीर्षासन करना पड़ेगा। सडक़ों के किनारे खड़े वाहनों को हटाना हो, तो नियमावली बदलनी पड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन की नई परिभाषा में इलेक्ट्रिक वाहन और रज्जु मार्गों का जाल बिछाना पड़ेगा। शहर में पार्किंग सुविधाओं और पार्कों में खुली सांस के लिए अतिरिक्त जमीन चाहिए। यह आज से सोचना पड़ेगा कि सोलन को कहां तक बढ़ाएं और कहां रोक दें। एक दिन इस सोलन में नया सोलन चाहिए। बेशक निजी व्यापारी पहाड़ खोद कर जमीन बेच रहे, लेकिन पर्वतीय शहर की आबरू बची कहां। शिमला का भविष्य 'राज्य राजधानी क्षेत्र' में बांटना होगा। शिमला अपने परिसर में कई सेटेलाइट टाउन की विरासत में खुद को बचा व संवार सकता है। इसके लिए वाकनाघाट में एक कर्मचारी नगर बसाकर वहां कुछ दफ्तर व सरकारी आवासीय व्यवस्था करनी होगी। धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजना 2109 करोड़ से सिमट कर 631 करोड़ की रह गई। यहां केंद्र ने 581 करोड़, जबकि राज्य ने मात्र 50 करोड़ दिए। आश्चर्य यह कि इस परियोजना को समझाने या आगे बढ़ाने के लिए सीमेंट-सरिया और ठेकेदारों के बीच एक जरिया ही समझा गया। कई योजनाओं के तिलक विभाग ले गए। एचआरटीसी को पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें और एक वर्कशाप के लिए धन देकर भी शहर को सार्वजनिक परिवहन नहीं मिला। यह दीगर है कि स्वच्छता के नाम पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर मेहनत हुई है।

झेलम में बढ़ा पानी तो पीओके में आ गई बाढ़, भारत पर पानी छोड़ने और सूचित नहीं करने का गंभीर आरोप

इस्लामाबाद,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

झेलम नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि होने के कारण पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे स्थानीय प्रशासन में इमरजेंसी जैसी स्थिति बन गई। पाकिस्तान ने इसे सिंधु जल समझौते का उल्लंघन बताते हुए भारत पर वाटर टेररिज्म फैलाने का आरोप लगाया है।

पीओके प्रशासन का कहना है कि भारत ने बिना किसी पूर्व सूचना के उरी बांध से पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ की स्थिति बन गई और हट्टियन बाला जिले में लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। मुजफ्फराबाद और चकोटी जैसे क्षेत्रों में प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए चेतावनी दी और लोगों से नदी से दूर रहने की अपील की। इसके चलते जानवरों और फसलों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने की खबरें हैं।

कहा जा रहा है कि भारत की ओर से यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद उठाए गए अन्य कठोर कदमों का हिस्सा हो सकता है, जब भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय लिया था। इसके अलावा, भारत ने आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शने की बात भी कही है, जो कि पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी हो सकती है।

झेलम नदी के जलस्तर में इस वृद्धि के बाद, पीओके के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई और स्थानीय प्रशासन ने इसे भारत द्वारा जानबूझकर किया गया एक कदम बताया, जो सिंधु जल समझौते का उल्लंघन करता है। पाकिस्तान का कहना है कि दोनों देशों को एक-दूसरे को पानी छोड़ने के बारे में पहले सूचित करना चाहिए था, लेकिन भारत ने ऐसा नहीं किया।

भारत ने नहीं दिया कोई बयान

भारत ने इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन इससे पाकिस्तान की स्थिति में एक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां वह पानी की कमी के लिए शोर मचा रहा था, लेकिन अब वही पानी उसे संकट में डाल रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सहकारी घोटाले की आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने सहकारी घोटाले के एक मामले में

आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया राई को बीती रात गिरफ्तार कर लिया। रविवार को संसद को इसकी औपचारिक जानकारी दी गई है। सीआईबी ने काठमांडू में स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक में हुए 265 करोड़ रूपये के घोटाले में सांसद राई की संलग्नता की पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। बीती रात को उनके निवास से ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि आठ महीने से फरार की सूची में रही नेपाल कांग्रेस की सांसद माया राई को गिरफ्तार कर इसकी जानकारी संसद सचिवालय को दे दी गई है। रविवार को सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर देवराज घिमिरे ने पुलिस द्वारा सांसद राई को गिरफ्तार किए जाने की औपचारिक जानकारी दी। फिलहाल गिरफ्तार सांसद राई को जिला अदालत काठमांडू में पेश कर उनसे पूछताछ करने के लिए आठ दिनों की कस्टडी मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत में इस संबंध में चार्जशीट दायर होने के बाद से ही सांसद राई की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त कीं संवेदना

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी

निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है। हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें, यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है। इन मूल्यों के खिलाफ इस तरह के अपराध करना न केवल एक पाप है, बल्कि हमारे धार्मिक और मानवीय सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है। पूर्व राजा ने हमले में जान गंवाने वाले नेपाली नागरिक सहित सभी पीड़ित परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। शाह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह भारत सरकार और भारत की जनता के पक्ष में खड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में नेपाली जनता का पूर्ण समर्थन रहेगा।

यूक्रेन ने बम से उड़ाया रूसी जनरल, एक गिरफ्तार

मास्को। रूसी जनरल को बम विस्फोट में उड़ाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पता चला है कि यूक्रेन के एक खुफिया अधिकारी ने ही रूसी जनरल को कार में विस्फोट करके उड़ा दिया था। यह विस्फोट रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया था। इस मामले में रूस की जांच एजेंसियों ने यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुतिन के करीबी मेजर जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक शनिवार को अपनी कार में बैठने जा रहे थे। तभी कार में भारी विस्फोट हो गया, जिसमें मेजर जनरल की मौके पर ही मौत हो गई थी। यह घटना रूस के बाल सिखा इलाके में हुई। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक यह हमला यूक्रेन से ही रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया। इस वारदात में यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन का हाथ पाया गया। उसे शनिवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की तफ्तीश जारी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाक की नापाक हरकत, चीन को मिला कमजोर किया पहलगाम हमले की निंदा का बयान

न्यूयॉर्क,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में निंदा के दौरान पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी दोगली नीति का परिचय दिया। आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के बावजूद पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर निंदा प्रस्ताव के शब्दों को कमजोर करने की कोशिश की। इस हमले में अधिकांश मृतक पर्यटक थे, फिर भी पाकिस्तान ने सीधे तौर पर आतंकवादियों की निंदा करने से परहेज किया और केवल दुख जताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा प्रस्तावित मूल मसौदे में भारत सरकार के साथ सक्रिय सहयोग का आह्वान था, जैसा कि पुलवामा हमले के बाद भी किया गया था। लेकिन पाकिस्तान ने चीन का सहारा लेकर भाषा को बदलवाया। नतीजतन, अंतिम बयान में संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने की बात कही गई — जिससे सीधे तौर पर भारत का नाम हट गया।

संयुक्त राष्ट्र का नरम रुख

पहलगाम हमले के बाद जारी यूएनएससी के बयान में कहा गया, कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई घायल हुए। सदस्यों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों और उनके मददगारों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, इस बार भाषा अपेक्षाकृत नरम रही और भारत सरकार के साथ सीधे सहयोग का उल्लेख नहीं किया गया — जैसा पुलवामा हमले के निंदा वक्तव्य में था। पाकिस्तान की रणनीति ही थी कि आतंकियों को उसने स्वतंत्रता सेनानी बताया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने पहलगाम हमले को लेकर आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी बताने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी भारत के जांच प्रयासों का समर्थन करने के बजाय तटस्थ और पारदर्शी अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की, जिससे पाकिस्तान की मंशा और अधिक स्पष्ट हो गई।

पाकिस्तान ने चीन से लगाई गुहार, जल युद्ध में हो शामिल, लेकिन क्या संभव है पानी रोकना

इस्लामाबाद। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद पाकिस्तान में बेचैनी बढ़ती जा रही है। पाकिस्तान के नेता और आम लोग अब अपने सदाबहार मित्र चीन से मांग कर रहे हैं कि वह ब्रम्हपुत्र नदी का जल यानी भारत का पानी रोक दे। सोशल मीडिया से लेकर टीवी डिबेट्स तक पाकिस्तान में यही चर्चा है कि चीन भारत की नदियों पर लगाम लगाकर उसे सबक सिखा सकता है। लेकिन क्या वास्तव में ऐसा संभव है और अगर चीन ऐसा करता भी है तो भारत पर उसका कितना असर होगा पाकिस्तान के कई विशेषज्ञ यह तर्क दे रहे हैं कि भारत की अधिकांश नदियां चीन से होकर निकलती हैं, और अगर चीन पानी रोकता है तो भारत प्यासा रह जाएगा। लेकिन सच्चाई यह है कि भारत की जल व्यवस्था बहुपरतीय है — भारत के भीतर ही दर्जनों नदियां बहती हैं और अधिकांश आबादी का जल स्रोत उन्हीं पर निर्भर है। सिंधु नदी बेसिन के जल बंटवारे में भी भारत ने पाकिस्तान को 80प्रतिशत से ज्यादा पानी दिया था। इसके बावजूद, पाकिस्तान ने आतंकवाद का समर्थन कर भारत के धैर्य की सीमाएं पार कर दीं, जिसके चलते अब भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित किया है। भारत-चीन संबंध और जल मुद्दा जहां भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि जैसी कानूनी व्यवस्था थी, वहीं भारत और चीन के बीच ऐसा कोई बाध्यकारी जल-बंटवारा समझौता नहीं है। हां, बाढ़ के मौसम में ब्रह्मपुत्र नदी जैसे कुछ जलस्रोतों को लेकर जल-विज्ञान डेटा साझा करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) ज़रूर है। लेकिन कानूनी बाध्यता के अभाव में चीन स्वतंत्र है। चीन ने तिब्बत के मेडोग क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर सुपर डैम बनाने की योजना बनाई है, जिससे पानी के प्रवाह को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि, अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोकता भी है, तो इसका प्रभाव मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश, असम और सिक्किम जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों पर पड़ेगा, न कि पूरे भारत पर। भारत की विशाल जल प्रणाली इसे देशव्यापी संकट से बचाए रखेगी। पाकिस्तान की चीन से मदद की अपील को विश्लेषक उसकी किसी और को पिता बनाने की प्रवृत्ति करार दे रहे हैं। आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान जितना दोषी है, उतना भारत चीन के लिए नहीं है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद जरूर हैं, लेकिन भारत चीन में आतंकवाद नहीं फैलाता और न ही उसकी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप करता है। इसलिए चीन के पास पाकिस्तान जैसा प्रतिशोध लेने का कोई नैतिक या रणनीतिक कारण नहीं है। भारत की तैयारियां विश्लेषकों का मानना है कि भारत इस संभावित चुनौती को लेकर भी तैयार है। अरुणाचल और असम जैसे राज्यों में तेजी से बांध निर्माण की परियोजनाएं शुरू हो रही हैं ताकि जल स्टोरेज बढ़ाया जा सके और आपात स्थिति में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस प्रकार पाकिस्तान की चीन से मदद की उम्मीद एक मिथक से ज्यादा कुछ नहीं है।

अब पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी ने दी भारत को गीदड़ भभकी

इस्लामाबाद,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कड़े कदमों से पाकिस्तान बौखला गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व बिलावल भुट्टो के बाद अब वहां के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत को गीदड़ भभकी दी है। कहा कि यदि भारत ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो 240 मिलियन पाकिस्तानी आखिरी सांस तक लड़ने के तैयार बैठे हैं।

गृह मंत्री नकवी यहीं नहीं रुके। उन्होंने यहां तक आरोप लगा दिए कि भारत पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में शामिल है। भारत की धमकियों से पाकिस्तान की सरकार डरने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौते को रद्द करने समेत कई बड़े कदम उठाए हैं। इसके चलते पाकिस्तान के नेता आपा खो बैठे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जहां भारत को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे चुके हैं, वहीं बिलावल भुट्टो ने तो यहां तक कह डाला कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या फिर भारत के लोगों का खून। अब गृहमंत्री ने भी आपा खोते हुए उल्टे भारत पर ही आतंकवाद फैलाने का आरोप मढ़ दिया है।

ट्रंप का बयान अतिश्याक्तिपूर्ण, 15 सौ साल से चल रहा भारत-पाक सीमा विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में अमेरिका की किसी भूमिका से इंकार किया है। ट्रंप ने कहा कि दोनों देश इस मसले को किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। ट्रंप पहले अपने कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन अब ट्रंप से पूछा कि क्या वे इस मुद्दे पर चिंतित हैं और क्या वे दोनों देशों के नेताओं से बात करने वाले हैं, तब उन्होंने इस बार मध्यस्थता की पेशकश नहीं की। रोम में वे पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव 1500 साल से चल रहा है। हालांकि, यह ऐतिहासिक रूप से अतिशयोक्ति है। भारत हमेशा से अपनी सीमा विवादों में बाहरी मध्यस्थता के खिलाफ रहा है, चाहे वह पाकिस्तान के साथ हो या चीन के साथ।

17 साल की चीयरलीडर पॉपकॉर्न लंग्स से पीड़ित, क्या होती है ये बीमारी

17 साल की चीयरलीडर ब्रायना मार्टिन को एक गंभीर फेफड़ों की बीमारी पॉपकॉर्न लंग्स से पीड़ित पाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रायना बीते तीन वर्षों से वेपिंग की आदत से जूझ रही थी। एक दिन अचानक ब्रायना को सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई, जिसके बाद अस्पताल ले जाया गया। जांच में सामने आया कि वह ब्रोंकियोलाइटिस ऑब्लिटरन्स नामक दुर्लभ बीमारी का शिकार हो चुकी है, जिसे आम भाषा में पॉपकॉर्न लंग्स कहा जाता है। इसमें फेफड़ों के सबसे पतले वायुमार्ग, ब्रॉन्कियोल्स, में सूजन आ जाती है और धीरे-धीरे वहां स्कार टिशू बन जाता है। इसके कारण वायुमार्ग सिकुड़ जाते हैं, जिससे व्यक्ति को सांस लेने में लगातार कठिनाई होती है। इस बीमारी का नाम पॉपकॉर्न लंग्स क्यों पड़ा पॉपकॉर्न लंग्स शब्द का इस्तेमाल पहली बार उन कर्मचारियों के लिए हुआ था, जो माइक्रोवेव पॉपकॉर्न फैक्ट्रियों में काम करते थे और डायसिटाइल नामक रसायन के संपर्क में आने के बाद बीमारी से पीड़ित पाए गए।

नेपाल इस कठिन समय में खड़ा है भारत के लोगों के साथ: डॉ. राणा

काठमांडू के भारतीय दूतावास में हुआ हमले में मृत लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

काठमांडू,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नेपाल के भारतीय दूतावास में सभा का आयोजन किया गया। इसमें नेपाल के उप प्रधानमंत्री विष्णु पौडेल, विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की।

विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा कि नेपाल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करता है। नेपाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। नेपाल इस कठिन समय में भारत सरकार और लोगों के साथ खड़ा है। आतंकवाद से निपटने के दौरान कोई दोहरा मानक नहीं होना चाहिए। किसी भी आतंकवादी समूह द्वारा किसी भी देश या उसके लोगों के खिलाफ किसी भी उद्देश्य के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा में नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, माओवादी के राष्ट्रीय सचिव छविलाल विश्वकर्मा, पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंथ ठाकुर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के शिशिर खनाल आदि मौजूद रहे।

इनके अलावा नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवादी हमले की निंदा की है। साथ ही सभी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहने का संदेश दिया है।

चीन ने रोबोट्स मामले पर जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ा, अब साउथ कोरिया और सिंगापुर से होड़

बीजिंग,27 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले दिनों इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर करीब 13 मील की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। यह इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ था, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है।

दरअसल रोबोट्स के बीच मैराथन दौड़ कराकर चीन बतलाना चाहता था कि रोबो की दुनिया में वह अकेला बादशाह है। रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन अपनी तरक्की को दिखा रहा था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

इस प्रकार देखने में आया है कि चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ दिया है। चीन में 2023 तक प्रति 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट थे, यह आंकड़ा जर्मनी के 429 और जापान के 419 से ज्यादा है। अब सिर्फ साउथ कोरिया और सिंगापुर ही रोबोट घनत्व में चीन से आगे हैं।

2032 तक 66 अरब डॉलर का होगा ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट

ग्लोबल ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट का साइज 2023 में 2.43 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) का था, जिसके 2032 तक 66 अरब डॉलर (5 लाख 63 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है। ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रकार का रोबोट है, जिसका आकार इंसानी शरीर जैसा होता है। फिलहाल ह्यूमनॉइड रोबोट विकास के शुरुआती स्टेज में है। वहीं भारत का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 2023 में 42 मिलियन डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) था, जिसके 2030 तक 149.4 मिलियन डॉलर (करीब 1200 करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है।

इंडस्ट्रियल नौकरियों में होंगे 2.5 लाख रोबोट्स

गोल्डमैन साक्स का अनुमान है कि 2035 तक ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 38 अरब डॉलर (3 लाख 24 हजार करोड़ रुपए) का होगा। पांच सालों में 2.5 लाख ह्यूमनॉइड रोबोट इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए भेजे जाएंगे। 2035 तक 10 लाख रोबोट ग्राहकों द्वारा खरीदे जाएंगे।

कृष्णा भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी बड़ी भूमिका निभाएंगे : रायुडू

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। कृष्णा ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। वह अभी तक सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होने के कारण पर्पल कैप के दावेदार हैं। गुजरात की टीम अभी अंक तालिका में शीर्ष पर है और उसकी ओर से कृष्णा ने अब तक 16 विकेट लिए हैं। कृष्णा पिछले काफी समय से फिटनेस की दिक्कतों के कारण खेल से दूसरे थे पर इस साल की शुरुआत में ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायीं थीं। इसके बाद से ही वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। रायुडू ने कहा, वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद फेंकना है । उनकी गेंदबाजी में बहुत सारी विविधताएं हैं, उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल गुजरात ही नहीं भारतीय टीम के लिए भी भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर भी रायुडू से सहमत हैं और उनका भी कहना है कि कहा कि कृष्णा अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और गुजरात को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपनी गेंदबाजी का आनंद लेते हैं। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये हैं जो दबाव हटाता है। उनकी गति बढ़ गई है।

आरसीबी के कोच द्वारा हेजलवुड की जमकर प्रशंसा

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जमकर प्रशंसा की है। फ्लावर ने कहा कि हेजलवुड खेल के किसी भी प्रारूप में आसानी से दबाव का सामना करते हैं और जानते हैं कि कब कैसे गेंदबाजी करनी है। आरसीब के अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचने में भी हेजलवुड की अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन देकर 4 विकेट लिए थे। फ्लावर ने कहा, 'मैं उनके आखिरी दोनों ओवरों की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवरों में केवल सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवरों से पता चलता है कि वि किस स्तर का गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में खेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है पर उसके पास हर तरह की गेंदबाजी करने की क्षमता है। वहीं जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है। फ्लावर ने कहा कि तीन अलग-अलग तरह की तेज गेंदबाजी आक्रमण आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवनेश्वर कुमार का भी प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

डब्ल्यूटीटी कटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी। दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

शुभमन बोले, जिनसे मिला ही नहीं उनसे मेरा नाम जोड़ा गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज और आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अपने खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चाओं में बने रहते हैं। कुछ समय पहले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ उनके नाम को जोड़ा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान के साथ भी देखे गए। वहीं हाल में एक साझात्कार में शुभमन ने इन सभी बातों को आधारहीन बताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा कि मेरा नाम ऐसे लोगों से जोड़ा गया है जिनसे मैं कभी मिला ही नहीं। इसलिए मुझे इन बातों पर हैरानी होती है। मैंने कुछ लोगों को अपने जीवन में कभी देखा तक नहीं, फिर भी मेरे बारे में ऐसी बातें फैलती हैं। साथ ही कहा कि उनका पूरा ध्यान इस समय अपने करियर पर है आर रिलेशनशिप के लिए उनके पास न तो समय है और न ही रुचि। सारा तेंदुलकर के साथ उनकी कथित डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया के एक इंस्टाग्राम कमेंट से शुरू हुई थीं हालांकि दोनों को कभी सार्वजनिक रूप से एक साथ नहीं देखा गया।

आईपीएल : प्रभुसिमरन के 1,000 रन पूरे हुए

कोलकाता । पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले टीम के पहले अनकैप्ड बल्लेबाज़ बन गये हैं। प्रभसिमरन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में लगाये अर्धशतक के दौरान ही अपने 1000 रन पूरे किये। अनकैप्ड खिलाड़ी वो होता है जिसने कभी भी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में कभी अपने देश की ओर से नहीं खेला हो। प्रभसिमरन ने अपनी पारी के दौरान 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की सहायता से 83 रन बनाये। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस सत्र में उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। उन्होंने कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है।

बेंगलुरु की सातवीं जीत, दिल्ली को 6 विकेट से हराया

क्रुणाल पांड्या-विराट कोहली के अर्धशतक

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की तरफ पहला कदम बढ़ा दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आरसीबी ने अरुण जेटली स्टेडियम में 7 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ आरसीबी के 10 मैचों में 14 पॉइंट हो गए हैं। अब प्लेऑफ में जाने के लिए उसे सिर्फ एक जीत चाहिए। पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 8 विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने एक समय 26 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। यहां से विराट कोहली और क्रुणाल पंड्या ने फिफ्टी लगाकर टीम को 19वें ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

दिल्ली ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए लड़ने लायक स्कोर नहीं बना पाई। दिल्ली की तरफ से केएल राहुल ने थोड़ा धीमा अंदाज में खेलते हुए 39 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 41 रन बनाये। ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर दिल्ली को 150 के पार पहुंचाया। शुरुआत तो गजब की थी दिल्ली कैपिटल्स की। जिस तरह से पहले तीन ओवर खेले गए थे। लेकिन इसके बाद तो मध्य ओवरों में करुण नायर और फाफ डुप्लेसी के विकेट गिरने के बाद रन रेट गिरा था और जिम्मेदारी अब केएल राहुल और कप्तान अक्षर पटेल पर थी।

अक्षर तो जल्दी आउट हुए लेकिन दो अहम विकेट भुवनेश्वर कुमार लेकर चले गए, जहां पर उन्होंने अहम समय पर केएल राहुल को आउट कर दिया। बाकी बची कहानी भुवी ने इस बीच आशुतोष का विकेट लेकर भी खत्म कर दी।

दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक पोरेल ने 11 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 28 रन ठोके। फाफ डुप्लेसी थोड़ा धीमे रहे। डुप्लेसी ने 26 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये। करुण नायर चार और कप्तान अक्षर पटेल 15 रन बनाकर आउट हुए। विप्रज निगम छह गेंदों पर एक छक्के की मदद से 12 रन बनाकर रन आउट हुए।

दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 54 रन जोड़े और चार विकेट गंवाए। आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर ने चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि हेजलवुड ने चार ओवर में 36 रन देकर दो विकेट लिए जबकि यश दयाल और क्रुणाल पांड्या ने एक-एक विकेट लिया।

मुंबई ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस को लगातार 5वीं जीत मिल गई है। वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने 7 विकेट पर 215 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ एक समय मजबूत स्थिति में थी। 11 ओवर के बाद टीम का स्कोर 3 विकेट पर 109 रन था। मिचेल मार्श के साथ आयुष बडोनी सेट थे। दोनों को रन बनाने में कोई दिक्कत भी नहीं हो रही थी।

ट्रेंट बोल्ट वैसे तो पावरप्ले में नई गेंद से ज्यादा बॉलिंग करते हैं। लेकिन इस मैच में हार्दिक पंड्या ने पहला ओवर देने का बाद उन्हें हटा दिया।

12वें ओवर में एक बार फिर बोल्ट गेंदबाजी के लिए आए। 12वें ओवर की दूसरी ही गेंद पर बोल्ट ने मार्श को आउट कर दिया। धीमी गति की गेंद पर वह तिलक वर्मा के हाथ में शॉट खेल बैठे। मार्श ने 24 गेंद पर 34 रनों की पारी खेली।मिचेल मार्श जब आउट हुए तो लखनऊ का स्कोर 4 विकेट पर 110 रन था। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया।

161 पर टीम की पारी सिमट गई। आखिरी 9 ओवर में लखनऊ के बल्लेबाजों ने सिर्फ 52 रन बनाए। इस दौरान टीम के 7 बल्लेबाज आउट हुए। आखिरी ओवर में दिग्वेश राठी का विकेट लेकर बोल्ट ने ही लखनऊ की पारी का अंत किया। टीम का कोई भी खिलाड़ी 35 रनों का आंकड़ों को पार नहीं किया।

मुंबई इंडियंस विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) के अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (22 रन देकर चार विकेट) की अगुआई में शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत से तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। आईपीएल में हमेशा की तरह धीमी शुरुआत के बाद लय पकड़ने वाली मुंबई इंडियंस 10 मैच में 12 अंक लेकर गुजरात टाइटन्स (आठ मैच में 12 अंक) से नीचे बनी हुई है। एलएसजी 10 अंक से छठे स्थान पर है।

बेस्ट फील्डिंग के लिए प्रसिद्ध जोंटी रोड्स पहुंचेंगे छत्तीसगढ़

बेस्ट फील्डिंग के लिए मशहूर पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी जोंटी रोड्स को चाहने वाले रायपुरिंस के लिए एक अच्छी खबर है। जोंटी रोड्स आज रविवार को राजधानी रायपुर आ रहे हैं, जहाँ वह क्रिकफेस्ट के चयनित छात्रों के लिए फील्डिंग मास्टर क्लास लेंगे। वह रायपुर के अवंती विहार स्थित इमर्जिंग क्रिकेट एकेडमी के मैदान जाएँगे। उल्लेखनीय है कि क्रिकफेस्ट एक महीने तक चलने वाला क्रिकेट मास्टर क्लास समर कैंप है, जिसका आयोजन अरण्य ने एकाना के सहयोग से किया है। इस कैंप में भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसी संदर्भ में जोंटी रोड्स रायपुर आकर क्रिकफेस्ट के छात्रों को फील्डिंग का प्रशिक्षण देंगे। यह एक बेहतरीन अवसर है युवा क्रिकेटर्स के लिए, जहाँ वे विश्वस्तरीय फील्डिंग के गुर सिख पाएँगे।

गोयनका खिलाड़ियों को फैसले लेने में आजादी देते हैं : पूरन

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने फ्रेंचाइजी मालिक संजीव गोयनका का बचाव करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को फैसले लेन में आजादी देते हैं। गोयनका टीम की रणनीतियों में शामिल रहते हैं और माना जाता है कि उनका रवैया खिलाड़ियों की ओर सख्त रहता है। पिछले सत्र में कप्तान रहे केएल राहुल के साथ हुई उनकी बहस के बाद खास विवाद भी उठा था। राहुल को इसके बाद रिटेन नहीं किया गया था। इस बार भी वह टीम की हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बातचीन के लिए निशाने पर रहे हैं। उन पर खेल के मामलों में बिना कारण हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं। पूरन ने गोयनका के कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं और उन्हें खेल के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं। पूरन ने बताया कि फ्रेंचाइजी ने

खिलाड़ियों को कई अवसर प्रदान किए हैं, जिसका प्रभाव पूरी टीम के प्रदर्शन पर नजर आया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पूरन ने उम्मीद जताई कि इससे अब आने वाले मैचों में टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। पूरन इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में हैं। इस कैरेबियाई बल्लेबाज ने 9 मैचों में 47.13 की औसत और 204.89 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 377 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैच की दौड़ में बने हुए हैं।

मनोज तिवारी बोले कोच पोंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है।

कोपा डेल रे फाइनल: बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया, कोंडे ने एक्स्ट्रा टाइम में किया विजयी गोल

सेविले, 27 अप्रैल (एजेंसियां)।

बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया।

ला कार्तूजा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों का बर्ताव रहा विवादों में – मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर

वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाज़क्केज़ भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

यमाल ने दिखाया जलवा, एम्बाप्पे ने दिलाई उम्मीद – रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरुआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में चमके कोंडे अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंततः लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

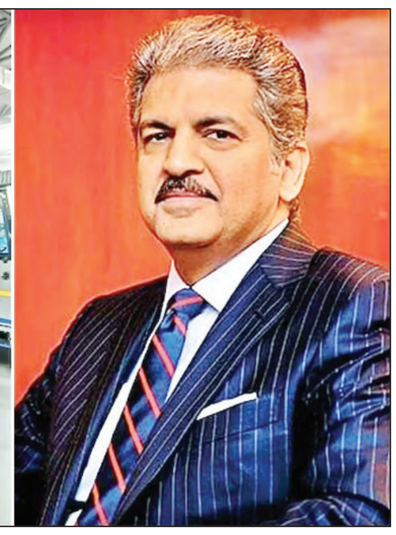

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है।

यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

नोकिया सॉल्यूशंस ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया में एक प्रतिशत हिस्सेदारी 786 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली। नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी शुक्रवार को 786 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने 102.70 करोड़ शेयर बेचे, जो वोडाफोन आइडिया में लगभग 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इन शेयरों को औसतन 7.65 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे की कीमत 785.67 करोड़ रुपए हुई। इस बीच, गोल्डमैन सैक्स, जो एक वैश्विक निवेश कंपनी है, ने वोडाफोन आइडिया में 59.86 करोड़ शेयर यानी 0.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है।
पिछले साल जून में, वोडाफोन आइडिया ने घोषणा की थी कि वह नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को उनके आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए 2,458 करोड़ रुपए के शेयर आवंटित करेगी। इस सौदे से नोकिया सॉल्यूशंस को वोडाफोन आइडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में एक महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हुआ है, जबकि गोल्डमैन सैक्स जैसे निवेशक इस अवसर का लाभ उठाते हुए वोडाफोन आइडिया में निवेश कर रहे हैं।

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

नई दिल्ली। प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। यूजर को यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे।

बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ पेश किया

- मौसम जनित जोखिमों के खिलाफ तुरंत क्लेम देने और मनमाफिक सुरक्षा देने वाला बीमा
- पॉलिसी तुरंत जारी, पूरी तरह से डिजिटल
- ग्राहक साल में कई पॉलिसियां खरीद सकते हैं
- जोखिम अवधि एक दिन जितनी कम हो सकती है
- दावे ऑटोमैटिक से 7 दिनों के भीतर निपटाए जाते हैं

पुणे, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्युमेंट्स के साथ

ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं। यह बीमा कवर बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, और उनके अन्य डिस्ट्रिब्यूशन चैनलों से खरीदा जा सकता है।

क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, हयूदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं। मारुति ने एफवाय25 में बलेनो की 1,67,161 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाय24) में यह आंकड़ा 1,95,607 यूनिट्स था। हालांकि, हाल ही में लॉन्च हुई बलेनो पर आधारित मारुति सुजुकी फ्रॉन्स ने कुछ हद तक बलेनो की बिक्री को प्रभावित किया है। इन दोनों कारों में समान पावरट्रेन और इंटीरियर्स का इस्तेमाल किया गया है। बलेनो में 1.2-लीटर ड्यूल-जेट ड्यूल-वीवीटी पेट्रोल इंजन है, जो 89.73 पीएस की पावर और 113एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके अलावा, इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी हैं। बलेनो का सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है, जो 77.5पीएस और 98.5 एनएम के साथ आता है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा।

वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनआईए ने जांच के...

इस हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है।'

कश्मीर में हुए सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक को अंजाम देने वाले घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों से भी बारीकी से पूछताछ की जा रही है। एनआईए के बयान के अनुसार आतंकवाद रोधी एजेंसी के एक महानिरीक्षक, एक उपमहानिरीक्षक और एक अधीक्षक की निगरानी में गठित टीम जम्मू-कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए हमले के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही हैं। लक्षित हमले में आतंकवादियों के एक समूह ने भोजनालयों के आसपास बैठे, टट्टू की सवारी कर रहे या अपने बच्चों और माता-पिता सहित अपने परिवारों के साथ 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले घास के मैदान में पिकनिक मना रहे पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

हमले के दोषियों ...

जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया-भर से संवेदनाएं आ रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि उन्हें भी वैश्विक नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कठोर निंदा की है। वैश्विक नेताओं ने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट की हैं। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को फिर से भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा – इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 दिन पहले देश के महान वैज्ञानिक डॉ कस्तूरीरंगन के निधन का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी उनसे मुलाकात हुई, हम भारत के युवाओं की प्रतिभा, आधुनिक शिक्षा, अंतरिक्ष-विज्ञान ऐसे विषयों पर काफी चर्चा करते थे। विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊँचाई देने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके नेतृत्व में इस्रो को एक नई पहचान मिली। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में जो अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़े, उससे भारत के प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली।उन्होंने कहा कि आज भारत जिन सैटेलाइट्स का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ कस्तूरीरंगन की देखरेख में ही लॉन्च की गई थी। उन्होंने दिवंगत वैज्ञानिक के व्यक्तित्व की ख़ास बात बताते हुए कहा कि इससे युवा-पीढ़ी उनसे सीख सकती है – उन्होंने हमेशा इनोवेशन को महत्व दिया, कुछ नया सीखने, जानने और नया करने का विजन बहुत प्रेरित करने वाला है। बकौल पीएम मोदी, डॉ के कस्तूरीरंगन जी ने देश की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ कस्तूरीरंगन 21वीं सदी की आधुनिक जरूरतों के मुताबिक दूरदर्शी शिक्षा का विचार लेकर आए थे, देश की नि:स्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पीएम मोदी ने डॉ के कस्तूरीरंगन जी को विनम्र भाव से श्रद्धांजलि अर्पित की।आगे बढ़ते हुए पीएम मोदी ने इसी महीने अप्रैल में आर्यभट्ट सैटेलाइट की लॉन्चिंग के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, 50 वर्षों की इस यात्रा को याद करते हैं – तो लगता है हमने कितनी लंबी दूरी तय की है। अंतरिक्ष में भारत के सपनों की ये उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी। पीएम ने ध्यान दिलाया कि राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पाले कुछ युवा वैज्ञानिक – उनके पास न तो आज जैसे आधुनिक संसाधन थे, न ही दुनिया की तकनीक तक वैसी पहुँच थी – अगर कुछ था तो वो था, प्रतिभा, लगन, मेहनत और देश के लिए कुछ करने का जज्बा। उन्होंने ध्यान दिलाया कि बैलगाड़ियों और साइकिलों पर संवेदनशील उपकरण को खुद लेकर जाते हमारे वैज्ञानिकों की तस्वीरों को हमने देखा है – उसी लगन और राष्ट्रसेवा की भावना का नतीजा है कि आज इतना कुछ बदल गया है। पीएम ने गर्व से कहा कि आज भारत एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है, हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स का लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है।उन्होंने आंतरिक के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाले पहले देश बने हैं, भारत ने मार्स ऑर्बिटर मिशन किया है और हम आदित्य – एल1 मिशन के जरिए सूरज के काफी करीब तक पहुँचे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा कोस्ट इफेक्टिव लेकिन सफल स्पेस प्रोग्राम का नेतृत्व कर रहा है, दुनिया के कई देश अपनी सैटेलाइट्स और स्पेस मिशन के लिए इसरो की मदद लेते हैं।देशवासियों की भावनाओं को व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम जब इसरो द्वारा किसी सैटेलाइट का लॉन्च देखते हैं तो हम गर्व से भर जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को जानकारी दी कि अब भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने घोषणा की कि आने वाला समय अंतरिक्ष में बहुत सारी नई संभावनाएँ लेकर आ रहा है और भारत नई ऊँचाइयों को छूने वाला है। उन्होंने जानकारी दी कि देश देश गगनयान, स्पैडेक्स और चंद्रयान-4 जैसे कई अहम् मिशन की तैयारियों में जुटा है। साथ ही हम वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर मिशन पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिक अपने इनोवेशंस से देशवासियों को नए गर्व से भरने वाले हैं।पीएम मोदी ने इसके बाद म्यांमार का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप की खौफनाक तस्वीरें सबने देखी है। भूकंप से वहाँ बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फँसे लोगों के लिए एक-एक साँस, एक-एक पल कीमती था। उन्होंने गर्व से कहा कि कैसे इसलिए भारत ने म्यांमार के हमारे भाई-बहनों के लिए तुरंत 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया। वायुसेना के एयरक्राफ्ट्स से लेकर नौसेना के जहाज तक म्यांमार की मदद के लिए रवाना हो गए। वहाँ भारतीय टीम ने एक फिल्ड हॉस्पिटल तैयार किया। इंजीनियरों की एक टीम ने अहम इमारतों और संरचनाओं को हुए नुकसान का आकलन करने में मदद की। भारतीय टीम ने वहाँ कंबल, टेंट, स्लीपिंग बैग्स, दवाइयां, खाने-पीने के सामान के साथ ही और भी बहुत सारी चीजों की सप्लाई की। इस दौरान भारतीय टीम को वहाँ के लोगों से बहुत सारी तारीफ भी मिली।

पीएम मोदी ने बताया, इस संकट में, साहस, धैर्य और सूझ-बूझ के कई दिल छू जाने वाले उदाहरण सामने आए। भारत की टीम ने 70 वर्ष से ज्यादा उम्र की एक बुजुर्ग महिला को बचाया जो मलबे में 18 घंटों से दबी हुई थी। जो लोग अभी ढत पर 'मन की बात' देख रहे हैं, उन्हें उस बुजुर्ग महिला का चेहरा भी दिख रहा होगा। भारत से गई टीम ने उनके ऑक्सीजन लेवल को स्थिर करने से लेकर फ्रैक्चर के इलाज तक, इलाज की हर सुविधा उपलब्ध कराई। जब इस बुजुर्ग महिला को अस्पताल से छुट्टी मिली तो उन्होंने हमारी टीम का बहुत आभार जताया। वो बोली कि, भारतीय बचाव दल की वजह से उन्हें नया जीवन मिला है। बहुत से लोगों ने हमारी टीम को बताया कि उनकी वजह से वो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को ढूँढ पाए।प्रधानमंत्री ने बताया कि भूकंप के बाद म्यांमार में मांडले स्थित एक बौद्ध मठ में भी कई लोगों के फँसे होने की आशंका थी, हमारे साथियों ने यहाँ भी राहत और बचाव अभियान चलाया, इसकी वजह से उन्हें बौद्ध भिक्षुओं का ढ़ेर सारा आशीर्वाद मिला। पीएम मोदी ने कहा कि हमें 'ऑपरेशन ब्रह्मा' में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों पर बहुत गर्व है, हमारी परंपरा है, हमारे संस्कार हैं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना – पूरी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने बताया कि कैसे संकट के समय विश्व-मित्र के रूप में भारत की तत्परता और मानवता के लिए भारत की प्रतिबद्धता हमारी पहचान बन रही है।पीएम मोदी ने 'मन की बात' में बताया कि उन्हें इथियोपिया में प्रवासी भारतीयों के एक अभिनव प्रयास का पता चला है। इथियोपिया में रहने वाले भारतीयों ने ऐसे बच्चों को इलाज के लिए भारत भेजने की पहल की है जो जन्म से ही हृदय की बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से बच्चों की भारतीय परिवारों द्वारा आर्थिक मदद भी की जा रही है, अगर किसी बच्चे का परिवार पैसे की वजह से भारत आने में असमर्थ है, तो इसका भी इंतजाम, हमारे भारतीय भाई-बहन कर रहे हैं। बकौल पीएम मोदी, कोशिश ये है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे इथियोपिया के हर ज़रूरतमंद बच्चे को बेहतर इलाज मिले।उन्होंने जानकारी दी कि प्रवासी भारतीयों के इस नेक कार्य को इथियोपिया में भरपूर सराहना मिल रही है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि कैसे भारत में मेडिकल सुविधाएँ लगातार बेहतर हो रही हैं, इसका लाभ दूसरे देश के नागरिक भी उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि कैसे कुछ ही दिन पहले भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए बड़ी मात्रा में वैक्सीन भी भेजी है। ये टीके रैबीज, टिटनेस, हेपटाइटिस इ और इन्फ्लुएंजा जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाव में काम आएगी।इसके अलावा भारत ने इसी हफ्ते नेपाल के आग्रह पर वहाँ दवाइयाँ और वैक्सीन की बड़ी खेप भेजी है। इनसे थैलेसीमिया और सीकल सेल डिजीज के मरीजों को बेहतर इलाज सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जब भी मानवता की सेवा की बात आती है, तो भारत, हमेशा इसमें आगे रहता है और भविष्य में भी ऐसी हर जरूरत में हमेशा आगे रहेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद दिलाया कि 10 मई को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वर्षगाँठ भी आने वाली है। आज़ादी की उस पहली लड़ाई में जो चिंगारी उठी थी, वो आगे चलकर लाखों सेनानियों के लिए मशाल बन गई। उन्होंने याद दिलाया कि अभी 26 अप्रैल को हमने 1857 की क्रांति के महान नायक बाबू वीर कुँवर सिंह जी की पुण्यतिथि भी मनाई है। बकौल पीएम मोदी, बिहार के महान सेनानी से पूरे देश को प्रेरणा मिलती है और हमें ऐसे ही लाखों स्वतंत्राता सेनानियों की अमर प्रेरणाओं को जीवित रखना है। हमें उनसे जो ऊर्जा मिलती है, वो अमृतकाल के हमारे संकल्पों को नई मजबूती देती है।पीएम ने अपने रेडियो कार्यक्रम की बात करते हुए कहा कि 'मन की बात' की इस लंबी यात्रा में आपने इस कार्यक्रम के साथ एक आत्मीय रिश्ता बना लिया है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि देशवासी जो उपलब्धियाँ दूसरों से साझा करना चाहते हैं उसे 'मन की बात' के माध्यम से लोगों तक पहुँचाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले महीने हम फिर मिलकर देश की विविधताओं, गौरवशाली परंपराओं और नई उपलब्धियों की बात करेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि हम ऐसे लोगों के बारे में जानेंगे जो अपने समर्पण और सेवा भावना से समाज में बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने जनता से हमेशा की तरह अपने विचार और सुझाव भेजते रहने की अपील की।

भारतीय नौसेना ...

सिस्टम और चालक दल की तत्परता को फिर से प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिहाज से युद्ध के लिए तैयार, जो विश्वसनीय है और भविष्य के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान ने अरब सागर में भारतीय मिसाइल फायरिंग से पहले एक समुद्री अधिसूचना जारी की थी।

व्यापार पूरी तरह ...

प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी।व्यापारियों के इस पैसले से पाकिस्तान को कई बेहद आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो सकेगी। इससे पाक में दवाइयां, रसायन, फल-सब्जियों समेत कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। हालांकि, इस निर्णय के कारण भारत पर भी असर पड़ेगा। क्योंकि नमक एवं आभूषण से लेकर निर्माण क्षेत्र और जूट की अनेक वस्तुएं पाकिस्तान से आयात की जाती हैं, लेकिन इसके बाद भी व्यापारियों ने एकतरफा निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का निर्णय लिया है।उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान भारत ने पाकिस्तान को करीब 50 करोड़ डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया था, जिनमें मुख्य रूप से दवाइयाँ, रसायन, चीनी और ऑटो पार्ट्स शामिल थे। इसी समयावधि में पाकिस्तान से भारत का आयात मात्र 0.42 मिलियन डॉलर रहा। अब इस व्यापार को भी समाप्त करने का निर्णय व्यापारियों ने लिया है। वर्ष 2018 में भारत-पाकिस्तान के बीच लगभग 3 बिलियन डॉलर का वार्षिक व्यापार हुआ था जो वर्ष 2024 में 1.2 बिलियन डॉलर रह गया था।

3 साल जेल...

उल्लंघन करता है, या इसके अंतर्गत बनाए गए किसी नियम या आदेश या इस अधिनियम के अनुसरण में दिए गए किसी निर्देश या अनुदेश या ऐसे आदेश या अनुदेश या अनुदेश का उल्लंघन करता है, जिसके लिए इस अधिनियम के अंतर्गत कोई विशिष्ट दंड का प्रावधान नहीं है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास या तीन लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है।'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन करके यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से आगे भारत में न रहे। मुख्यमंत्रियों के साथ अमित शाह की टेलीफोन पर बातचीत के बाद, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुख्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे तय समय सीमा तक भारत छोड़ दें।

वैन कुएं में गिरी...

यात्रा के दौरान बूढ़ा-टकरावद फंटे के पास अचानक वैन की एक बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वैन बेकाबू होकर सड़क किनारे खुले कुएं में जा गिरी।स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पलटते हुए सीधे कुएं में समा गई। वैन सवार यात्रियों को संभलने का भी मौका नहीं मिला। इस हादसे में वैन सवार 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा बाइक सवार युवक और बचाव कार्य के दौरान कुएं में उतरे एक ग्रामीण की भी जान चली गई।हादसे के बाद नजदीकी गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बिना समय गंवाए ग्रामीणों ने रस्सियों के सहारे कुएं में उतरकर बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर वैन में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। इसी दौरान मनोहर सिंह नामक एक ग्रामीण ने भी बहादुरी दिखाते हुए कुएं में छलांग लगा दी। लेकिन पानी में घुली जहरीली गैस के कारण उसकी भी मौत हो गई। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि ग्रामीण आपदा की घड़ी में कैसे अदम्य साहस दिखाते हैं। थोड़ी देर में पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य को तेज करते हुए क्रेन मंगवाई गई, जिसकी मदद से वैन को बाहर निकाला गया। साथ ही मोटर लगाकर कुएं का पानी भी निकाला गया। एसडीईआरएफ की टीम ने कुएं में उतरकर सावधानी से एक-एक कर वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला। इस दौरान टीम ने चार घायलों को भी सुरक्षित निकाला, जिन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद कुएं से कुल 11 शव निकाले गए, जिनमें मनोहर सिंह भी शामिल थे। मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने रेस्क्यू ऑपरेशन का निरीक्षण किया और अधिकारियों को तत्काल राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा-मंदसौर, मध्य प्रदेश में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल जल्द स्वस्थ हों। राज्य सरकार राहत और बचाव कार्य में पूरी तरह जुटी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी घटना पर गहरी पीड़ा जताई और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने मृतकों के नामों की पहचान कर ली है और उनके परिजनों को सूचित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि देने की घोषणा भी की गई है। साथ ही घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।पुलिस ने प्रारंभिक जांच में बताया कि बाइक सवार की लापरवाही और सड़क पर स्पीड ब्रेकर का अभाव हादसे की वजह बन सकते हैं। साथ ही वैन में ओवरलोडिंग की आशंका भी जताई जा रही है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।हादसे के बाद से आसपास के गांवों में मातम छा गया है। कई परिवारों के चिराग एक ही पल में बुझ गए। गांव के स्कूल, बाजार और मंदिरों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। हर आंख नम है और हर दिल दुखी।यह हादसा एक गहरी चेतावनी है कि सड़क सुरक्षा को लेकर सभी को ज्यादा सतर्क और जिम्मेदार बनना होगा। एक छोटी सी चूक कितने घरों में हमेशा के लिए अंधेरा कर सकती है।

जेएनयू छात्रसंघ...

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय पैनल की चारों प्रमुख सीटों अध्यक्ष- शिखा स्वराज, उपाध्यक्ष- निट्टू गौतम, महासचिव- कुणाल राय और संयुक्त सचिव-वैभव मीणा शुरू से ही बढ़त बनाए हुए हैं।

गणेश जी की मूर्ति वास्तु दोष को दूर कर प्रदान करती है शुभ लाभ

धर्मशास्त्रों में सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा का विधान है। धार्मिक ग्रंथों के विवरण के अनुसार वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मा जी ने वास्तु शास्त्र के नियमों की रचना की थी, जिनका पालन करने से हर प्रकार का सुख मिलता है। व्यापार में सफलता तथा वास्तु दोष से बचने के लिए गणेश जी की पूजा एवं स्थापना जरूर करनी चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पूजा-पाठ के लिए घर के उत्तर-पूर्वी कोने में गणपति जी की मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। वहीं घर के मुख्य द्वार पर भी गणेश जी की मूर्ति लगाना उत्तम माना जाता है, क्योंकि यह घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है। यहीं से सकारात्मक ऊर्जा घर के अंदर प्रवेश करती है। ऐसे में यदि आपका मुख्य द्वार उत्तर या दक्षिण दिशा में है, तो गणेश जी की मूर्ति लगाना शुभ माना जाता है। मूर्ति इस प्रकार लगाएं की गणेश जी का मुख अंदर की ओर हो। मुख्य द्वार पर सिंदूरी रंग की मूर्ति लगाना बहुत ही शुभ होता है।

शास्त्रों के अनुसार सभी कार्यों की निर्विघ्नता पूर्ण सम्पन्नता के लिए गणेश जी की आराधना का विधान है। कोई भी पूजा गणेश जी के बिना अधूरी समझी जाती है। वास्तु के पंचतत्व आकाश, पृथ्वी, जल, वायु तथा अग्नि से मिल करके ही मानव शरीर का निर्माण हुआ है। गणेश जी की प्रतिमा का प्रयोग वास्तु शास्त्र में पंचतत्व के समन्वय एवं विघ्नों का नाश कर शुभता के लिए किया जाता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर और कार्यक्षेत्र में वास्तु नियमों का ध्यान रखने से व्यक्ति को इसके अच्छे परिणाम ही प्राप्त होते हैं। आपने कई लोगों को अपने ऑफिस डेस्क या फिर अपनी कार में गणेश जी रखते देखा होगा। वास्तु की दृष्टि से ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

नाना प्रकार की विधाओं में वास्तु शास्त्र के अंतर्गत गणेश जी का पूजन किया जाता है। चीन देश का वास्तु शास्त्र, फेंगशुई और रंग विज्ञान का समायोजन भी गणेश की उपासना पर ही आधारित है, बागुआ गणपति इसका प्रतीक है जिसका उपयोग फेंगशुई के अंतर्गत किया जाता है। गणेश जी की प्रतिमा की सूंड़ कहीं दाई ओर तो कहीं बायीं की ओर घूमी मिलती है। बाई सूंड़ वाले गणेश जी सौम्य स्वरूप के परिचालक है। इनकी पूजा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, आत्मस्वरूप का ज्ञान प्राप्त होता है जबकि दांयी सूंड़ वाले गणेश जी से सांसारिक समृद्धि की प्राप्ति होती है। जब भी आप अपने घर-कार्यालय में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें तो किसी वास्तुशास्त्री से

प्रतिमा की उंचाई, लम्बाई आदि विषयों की जानकारी लेकर ही शुभ मुहूर्त में गणेश जी को स्थापित करें।

सामान्यतयः उगते सूर्य की तरफ, जिस भी घर के सामने गणेश जी की प्रतिमा लगी होगी वहां प्रायः वास्तु दोष नहीं होता। टायलेट की जगह कभी भी गणेश जी की प्रतिमा न लगायें, ऐसी जगह कभी भी गणेश जी न लगायें जहां लोग थूकते हों। यदि घर के मुख्य द्वार पर गणेश जी की प्रतिमा लगाया है तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगायें कि दोनों की पीठ मिली रहे। अगर मकान का मुख्य द्वार का मुंह दक्षिण दिशा की ओर है तो गणेश जी की सूंड़ दाहिने तरफ होनी चाहिए। सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने के लिए बुधवार को भगवान गणेश को मोदक, 21 दूब, सिन्दूर, तथा पुष्प आदि चढ़ायें, तुलसी जी भूल करके नहीं चढ़ाना चाहिए, हो सके तो हाथी तथा चूहों को लड्डू खिलायें।

मिलते हैं लाभ

अगर आप वास्तु के नियमों के अनुसार, अपने घर या कार्यक्षेत्र आदि में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करते हैं, तो इससे वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। इसके साथ ही घर और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। इसका अच्छा प्रभाव परिवार के सदस्यों पर भी देखने को मिलता है और गणेश जी की कृपा से तरक्की के योग बनने लगते हैं। वास्तु शास्त्र में यह माना गया है कि भगवान गणेश की पूजा से रचना संबंधी वास्तु दोष दूर हो सकते हैं।

मूर्ति का रंग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति स्थापित करना बहुत ही शुभ माना गया है। इसी के साथ आप सिंदूरी रंग की गणपति जी की मूर्ति भी घर में स्थापित कर सकते हैं। अगर आप बच्चों के स्टडी रूप में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करना चाहते हैं, तो इसके लिए पीले या हल्के हरे रंग की मूर्ति सबसे बेहतर मानी जाती है। आप इसे बच्चों के स्टडी टेबल पर स्थापित कर सकते हैं, इससे शिक्षा क्षेत्र में सफलता की संभावना बढ़ जाती है।

ऑफिस में लगाएं गणेश की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस डेस्क पर भी भगवान श्री गणेश की मूर्ति लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऑफिस डेस्क पर गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति लगानी चाहिए। कार्यक्षेत्र में बप्पा जी की खड़ी हुई प्रतिमा लगाना अधिक शुभ माना जाता है। बस इस बात का ध्यान रखें कि गणेश जी का मुख दक्षिण दिशा में नहीं होना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अक्षय तृतीया पर बन रहा है रोहिणी नक्षत्र का शुभ संयोग

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि बहुत फलदायी मानी जाती है। इस साल यह पावन तिथि 30 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस बार यह और भी विशेष होने वाली है। ज्योतिषीय शास्त्र के अनुसार, इस अक्षय तृतीया पर रोहिणी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिस वजह से इस दिन किए गए कामों के चमत्कारी लाभ होने की संभावना है, तो चलिए इस तिथि से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

स्थिर लक्ष्मी योग – रोहिणी नक्षत्र स्थिरता का प्रतीक है और अक्षय तृतीया स्थायी धन और समृद्धि प्रदान करने वाली तिथि है। इन दोनों का एक साथ आना स्थिर लक्ष्मी योग का निर्माण करता है, जो आर्थिक रूप से बहुत लाभकारी माना जाता है। इस योग में किए गए निवेश लंबे समय तक लाभ देते हैं।

वृद्धि योग – रोहिणी नक्षत्र वृद्धि का कारक है। अक्षय तृतीया के साथ इसका शुभ संयोग वृद्धि योग बनाता है, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति और प्रगति का प्रतीक है। इस दिन किए गए शुभ काम जैसे कि नए व्यापार की शुरुआत या अन्य मांगलिक काम सफलता और समृद्धि लेकर आते हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए शुभ – रोहिणी नक्षत्र को विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के लिए भी बेहद शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया तो स्वयं ही अबूझ मुहूर्त है, जिसमें बिना किसी पंचांग देखे शुभ कार्य किए जा सकते हैं। ऐसे में रोहिणी नक्षत्र का साथ मिलना विवाह आदि शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है।

अक्षय तृतीया के खास उपाय

लक्ष्मी पूजा – इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा अर्चना करें, उन्हें पीले फूल और तुलसी दल अर्पित करें।

दान-पुण्य – अपनी क्षमतानुसार दान करें। वस्त्र, अन्न, सोने का दान करना बहुत शुभ माना जाता है।

तुलसी पूजा – तुलसी के पौधे की पूजा करें और घी का दीपक जलाएं।

मंत्र जाप – ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः आदि मंत्रों का जाप करें।

वृषभ राशि समेत अन्य राशियों के लिए लकी रहेगी अक्षय तृतीया

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, जिसे अक्षय तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। इस बार यह पावन तिथि 30 अप्रैल को पड़ रही है। इस दिन किए गए दान, जप और शुभ काम से अक्षय फल मिलता हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल की अक्षय तृतीया कुछ राशियों के लिए बहुत लकी होने वाली है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया का दिन विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। इस दौरान आपको आर्थिक लाभ होने की संभावना है। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। साथ ही आय के नए स्रोत खुलेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और कोई शुभ समाचार मिल सकता है। साथ ही स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क राशि– कर्क राशि वालों के लिए अक्षय तृतीया का दिन खुशियों से भरा रहेगा। करियर में तरक्की मिलेगी। महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हो सकती है। व्यापार में विस्तार की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और अविवाहित लोगों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। इस दौरान आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले सकते हैं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया का दिन भाग्य में वृद्धि लेकर आएगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा और आपके कामों की सराहना होगी। अगर आप लंबे समय से किसी संपत्ति में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है। इसके साथ ही पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया शुभ समाचार लेकर आ सकती है। करियर में लाभ होगा। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं, तो यह समय आपके लिए अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। इसके साथ ही आप किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं।

मोहिनी एकादशी पर पूजा के समय जरूर करें ये उपाय, चमक उठेगा सोया भाग्य

वैदिक पंचांग अनुसार, गुरुवार 08 मई को मोहिनी एकादशी है। यह पर्व पूर्णतया जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्राप्त से साधक के जीवन में शुभ और मंगल का आगमन होगा। साथ ही जीवन में व्याप्त संकटों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिषियों की मानें तो मोहिनी एकादशी पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से हर काम में सफलता मिलेगी। इसके अलावा, आय और सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। अगर आप भी लक्ष्मी नारायण जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

एकादशी के उपाय

अगर आप सुख और सौभाग्य में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय गाय के कच्चे दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से कुंडली में चंद्र और शुक्र दोनों ग्रह मजबूत होंगे। शुक्र मजबूत होने से साधक के सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है।

अगर आप कारोबार में तरक्की पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन स्नान-ध्यान के बाद लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय गन्ने के रस से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर होती है।

अगर आप लक्ष्मी नारायण जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो मोहिनी एकादशी के दिन पूजा के समय विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

अगर आप आर्थिक तंगी से निजात पाना चाहते हैं, तो एकादशी के दिन पूजा के समय लक्ष्मी नारायण जी को एकाक्षी नारियल अर्पित करें। इस उपाय को करने से देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

विष्णु मंत्र

* शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम्।।

* दन्ताभये चक्र दरो दधानं, कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।
धृताब्जया लिंगितमब्धिपुत्रया, लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे।।

* ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये
धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।

* ॐ हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम ।।

* ॐ वासुदेवाय विघ्माहे वैधयाराजाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे अमृता कलसा हस्थाया धीमहि तन्नो धन्वन्तरी प्रचोदयात् ।।

चंद्र देव की कृपा पाने के लिए करें इन मंत्रों का जाप, मानसिक तनाव से मिलेगी निजात

ज्योतिष शास्त्र में चंद्र देव को मन का कारक कहा जाता है। चंद्र देव की कृपा बरसने से जातक को सभी प्रकार के शुभ कामों में सफलता मिलती है। साथ ही मन प्रसन्न रहता है। वहीं, कमजोर चंद्रमा से जातक को मानसिक तनाव की समस्या होती है। व्यक्ति सही फैसले लेने में असमर्थ रहता है। इसके लिए ज्योतिष कुंडली में चंद्रमा मजबूत करने की सलाह देते हैं।

देवों के देव महादेव की पूजा करने से जातक या साधक पर मन के कारक चंद्र देव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। अगर आप चंद्र देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद गाय के कच्चे दूध से भगवान् शिव का अभिषेक करें। साथ ही पूजा के समय चंद्र देव के नामों का जप करें। चंद्र देव के नामों के जप से मानसिक तनाव की समस्या दूर होती है।

चंद्र देव के 108 नाम

1. ॐ केतवे नमः।
2. ॐ स्थूलशिरसे नमः।
3. ॐ शिरोमात्राय नमः।
4. ॐ ध्वजाकृतये नमः।
5. ॐ नवग्रहयुताय नमः।
6. ॐ सिंहिकासुरीगर्भसंभवाय नमः।
7. ॐ महाभीतिहराय नमः।
8. ॐ चित्रवर्णाय नमः।
9. ॐ पिंगळाक्षाय नमः।
10. ॐ फलधूम्रसंकाशाय नमः।
11. ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः।
12. ॐ महोरगाय नमः।
13. ॐ रक्तनेत्राय नमः।
14. ॐ चित्रकारिणे नमः।
15. ॐ तीव्रकोपाय नमः।
16. ॐ महाशूराय नमः।
17. ॐ पापकंटकाय नमः।
18. ॐ क्रोधनिधये नमः।
19. ॐ छायाग्रहविशेषकाय नमः।
20. ॐ अंत्यग्रहाय नमः।
21. ॐ महाशीर्षाय नमः।
22. ॐ सूर्यारये नमः।
23. ॐ पुष्पवद्ग्रहिणे नमः।
24. ॐ वरदहस्ताय नमः।
25. ॐ गदापाणये नमः।
26. ॐ चित्रशुभ्रधराय नमः।
27. ॐ चित्रध्वजपताकाय नमः।
28. ॐ घोराय नमः।
29. ॐ चित्ररथाय नमः।
30. ॐ शिखिने नमः।
31. ॐ कुळत्थभक्षकाय नमः।

32. ॐ वैढूर्याभरणाय नमः।
33. ॐ उत्पातजनकाय नमः।
34. ॐ शुक्रमित्राय नमः।
35. ॐ मंदारखाय नमः।
36. ॐ शिखिनेंधपकाय नमः।
37. ॐ अंतर्वेदिने नमः
38. ॐ ईश्वराय नमः।
39. ॐ जैमिनिगोत्रजाय नमः।
40. ॐ चित्रगुप्तात्मने नमः।
41. ॐ दक्षिणाभिमुखाय नमः।
42. ॐ मुकुंदवरप्रदाय नमः।
43. ॐ महासुरकुलोद्भवाय नमः।
44. ॐ घनवर्णाय नमः।
45. ॐ लघुदेहाय नमः।
46. ॐ मृत्युपुत्राय नमः।
47. ॐ उत्पातरूपधारिणे नमः।
48. ॐ अदृश्याय नमः।
49. ॐ कालाग्निसन्निभाय नमः।
50. ॐ नृपीठाय नमः।
51. ॐ ग्रहकारिणे नमः।
52. ॐ सर्वोपद्रवकारकाय नमः।
53. ॐ चित्रप्रसूताय नमः।
54. ॐ अनलाय नमः।
55. ॐ सर्वव्याधिविनाशकाय नमः।
56. ॐ अपसव्यप्रचारिणे नमः।
57. ॐ नवमेपापदायकाय नमः।
58. ॐ पंचमेशोकदाय नमः।
59. ॐ उपरागगोचराय नमः
60. ॐ पुरुषकर्मणे नमः।
61. ॐ तुरीयेस्थेसुखप्रदाय नमः।
62. ॐ तृतीयेवैरदाय नमः।
63. ॐ पापग्रहाय नमः।
64. ॐ स्फोटकारकाय नमः।
65. ॐ प्राणनाथाय नमः।
66. ॐ पंचमेश्रमकारकाय नमः।
67. ॐ द्वितीयेस्फुटवाग्धत्रे नमः।
68. ॐ विषाकुलितवक्राय नमः।
69. ॐ कामरूपिणे नमः।
70. ॐ सिंहदंताय नमः।
71. ॐ सत्योपनृतवते नमः।
72. ॐ चतुर्थेवमातृनाशाय नमः।
73. ॐ नवमेपितृनाशाय नमः।
74. ॐ अंतेवैरप्रदाय नमः।
75. ॐ सुतानंदनबंधकाय नमः।
76. ॐ सर्पाक्षिजाताय नमः।
77. ॐ अनंगाय नमः।
78. ॐ कर्मराश्शुद्भवाय नमः।
79. ॐ अपांतेकीर्तिदाय नमः।
80. ॐ सप्तमेकलहप्रदाय नमः।
81. ॐ अष्टमेव्याधिकर्त्रे नमः।
82. ॐ धनेबहुसुखप्रदाय नमः।
83. ॐ जननेरोगदाय नमः।
84. ॐ ऊर्ध्वमूर्धजाय नमः।
85. ॐ ग्रहनायकाय नमः।
86. ॐ पापदृष्टये नमः।
87. ॐ खेचराय नमः।
88. ॐ शांभवाय नमः।
89. ॐ आशेषपूजिताय नमः।
90. ॐ शाश्वताय नमः।
91. ॐ वटाय नमः।
92. ॐ शुभाशुभफलप्रदाय नमः।
93. ॐ धूम्राय नमः।
94. ॐ सुधापायिने नमः।
95. ॐ निशाकराय नमः।
96. ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
97. ॐ सिंहासनाय नमः।
98. ॐ केतुमूर्तये नमः।
99. ॐ रवींदुद्युतिनाशकाय नमः।
100. ॐ अमराय नमः।
101. ॐ पीठकाय नमः।
102. ॐ विष्णुदृष्टाय नमः।
103. ॐ अमरश्वराय नमः।
104. ॐ भक्तरक्षकाय नमः।
105. ॐ वैचित्र्यकपोलस्यंदनाय नमः।
106. ॐ विचित्रफलदायिने नमः।
107. ॐ भक्ताभीष्टफलदाय नमः।
108. ॐ केतवे नमः।

हुकस्टेप क्वीन बनी पूजा हेगड़े

फिल्म रेट्रो के कनीमा गीत ने मचाई धूम

पूजा हेगड़े अपनी आगामी फिल्म रेट्रो की रिलीज़ की तैयारी कर रही हैं। फिल्म के रिलीज से पहले ही इसके गाने कनीमा ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, खासकर यूट्यूब पर। इस गाने में जबरदस्त बीट्स, धमाकेदार म्यूजिक और पूजा हेगड़े का एडिक्टिव हुकस्टेप है, जिसने गाने की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा किया है। अब तक, हालिया रिलीज़ हुए लिरिकल वीडियोज़ में कनीमा का वीडियो यूट्यूब पर 40 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। पूजा की नैचुरल प्रेज़ेंस और उनकी डांसिंग स्किल्स ने इस गाने को एक बड़ी उपलब्धि दिलाई है। इस बेहतरीन सफलता के अलावा, सोशल मीडिया पर पूजा के फैंस उनका हुकस्टेप दोहराते नजर आ रहे हैं और गाने की कैची बीट्स का मजा ले रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे पूजा ने शूटिंग के दौरान किया था।

ऑडियंस ने गाने के हुकस्टेप को रिक्रिएट करना शुरू कर दिया है और ये एक ट्रेंड बन गया है। यूट्यूब पर वीडियो आए एक महीने हो चुके हैं, लेकिन तब से लेकर अब तक यह गाना सोशल मीडिया पर रेट्रो वेडिंग वाइब और पूजा के ऑथेंटिक डांस मूव्स के चलते वायरल होता जा रहा है। दर्शकों ने यहां तक कहा कि पूजा हेगड़े ने अपने को-स्टार सूर्या को अपने डांस से ओवरशैडो कर दिया। अब जब कनीमा का लिरिकल वीडियो 40 मिलियन व्यूज़ पार कर चुका है, तो पूजा हेगड़े ने इस उपलब्धि को अपने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेट किया।

वहीं फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है और केवल छह दिनों में ही यूट्यूब पर 21 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ पा चुका है। इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में पूजा हेगड़े प्यार और मासूमियत का स्पर्श लेकर आई हैं, जिसमें सूर्या मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक हैं कार्तिक सुब्बाराज और रेट्रो 1 मई को रिलीज होने वाली है। रेट्रो के अलावा, पूजा हेगड़े जल्द ही एक बॉलीवुड रोम-कॉम फिल्म हाय जवानी तो इश्क होना है में भी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग पूजा ने शुरू कर दी है और इसमें उनके अपोज़िट होंगे वरुण धवन। फिल्म के निर्देशक हैं डेविड धवन और यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी।

फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी आकांक्षा शर्मा

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आईं आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है। उनके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है। फिल्म से एक्ट्रेस का पहला लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और बेहतरीन योद्धा। इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हर-हर महादेव लिखा। साथ ही बताया कि फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।आकांक्षा से पहले मेकर्स ने सुनील शेट्टी का भी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। फिल्म में एक्टर योद्धा वेगड़ा जी का किरदार निभाते दिखाई देंगे। पोस्टर में सुनील शेट्टी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर दहाड़ते नजर आए। उनका निडर योद्धा अवतार प्रशंसकों को काफी पसंद आया। पोस्टर के बैकग्राउंड में गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर भी नजर आ रहा है।फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे।'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। यह उन गुमनाम योद्धाओं की कहानी दर्शकों के सामने लाएगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया। 'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' का निर्देशन प्रिंस धीमान ने और निर्माण चौहान स्टूडियो के तहत कनु चौहान ने किया है।

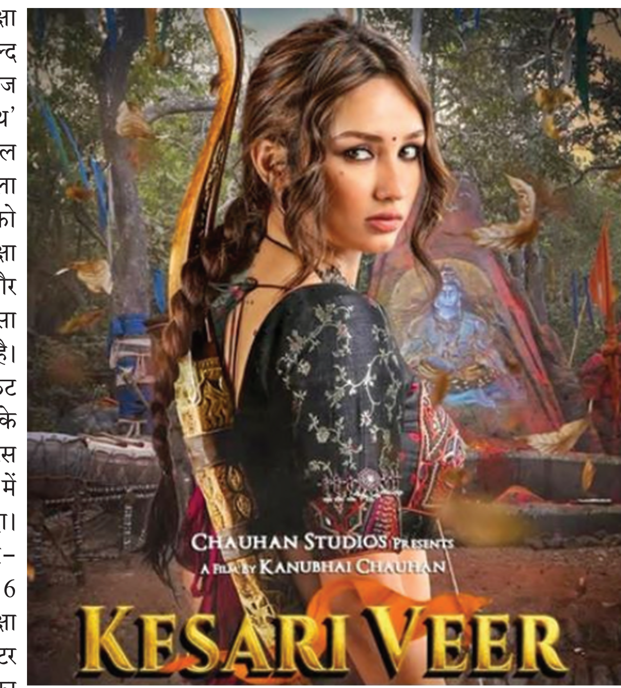

शैतान के बाद जानकी बोदीवाला फिल्म मर्दानी 3 में आएंगी नजर

काफी समय से अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपनी सुपरहिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।वह एक बार फिर पुलिस की वर्दी में धाक जमाने को तैयार हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अभिराज मीनावाला ने संभाली है।अब मर्दानी 3 में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला की एंट्री हो चुकी है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ गया है।रिपोर्ट के अनुसार, रानी की मर्दानी 3 की स्टार कास्ट में जानकी शामिल हो गई हैं।वह फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।जानकी ने साल 2024 में आई फिल्म शैतान के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने फिल्म में अजय देवगन की बेटी का किरदार निभाया था।जानकी ने 2015 में फिल्म छैलो दिवस से अपने अभिनय करियर की शुरआती की थी।

मर्दानी 3 की रिलीज तारीख से पहले ही पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अभिराज मीनावाला ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा फिल्म के निर्माता हैं।बता दें मर्दानी 22 अगस्त, 2014 में रिलीज हुई थी, वहीं फिल्म का दूसरा भाग 2019 में आया था।फिल्म में रानी ने पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया था। इसके निर्देशक प्रदीप सरकार थे।

फिल्म भूल चुक माफ का नया गीत चोर बाजारी फिर से जारी, रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

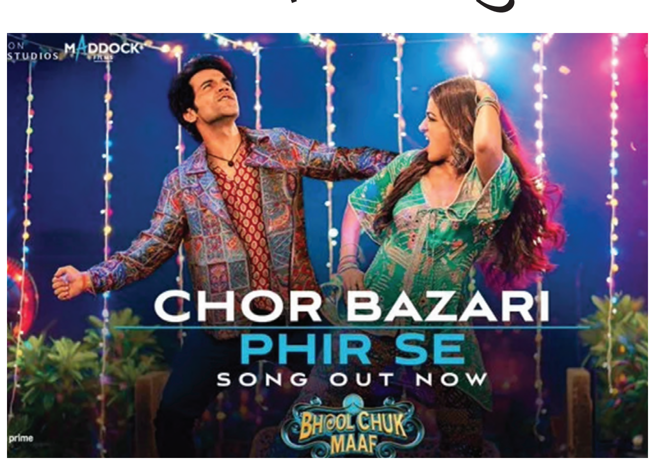

अभिनेता राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म भूल चुक माफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान करण शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में राजकुमार की जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। यह पहला मौका है, जब राजकुमार और वामिका किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे।अब भूल चुक माफ का नया गाना चोर बाजारी फिर से रिलीज हो गया है, जिसमें राजकुमार और वामिका डांस करते दिख रहे हैं।चोर बाजारी फिर से गाने को नीरज श्रीधर, सुनिधि चौहान, जहराह एस खान और तनिष्क बागची ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल इरशाद कामिल हैं।यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण हुआ है।फिल्म में राजकुमार ने रंजन तो वामिका ने तितली का किरदार निभाया है। सीमा पहवा इस फिल्म में राजकुमार की मां बनी हैं।सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है!सिंगर सुनिधि चौहान ने कहा, इस गाने में कुछ ऐसा है जो आपका ध्यान खींचता है। गाना प्ले होते ही, आप गुनगुनाने लगेंगे और अपने पैरों को थिरकने से नहीं रोक पाएंगे! मैं चोर बजारी फिर से का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।फिल्म में राजकुमार और वामिका के अलावा जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, संजय मिश्रा और सीमा पाहवा लीड रोल में नजर आएंगे। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है।

मृणाल ठाकुर के हाथ लगी एटली की 800 करोड़ी फिल्म

अब अल्लू अर्जुन संग करेंगी रोमांस

पुष्पा 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अल्लू अर्जुन ने जवान के निर्देशक एटली के साथ हाथ मिलाया है।इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं और अब खबर है कि फिल्म में अल्लू के साथ मृणाल ठाकुर को साइन कर लिया गया है।फिल्म में 3 अभिनेत्रियां नजर आएंगी। इनमें में एक के लिए मृणाल के नाम पर निर्माताओं की मोहर लग चुकी है।आइए पूरी खबर जान लेते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, मृणाल ने कल मुंबई के एक स्टूडियो में फिल्म की तीन मुख्य अभिनेत्रियों में से एक की भूमिका निभाने के लिए लुक टेस्ट दिया।फिल्म में वह अल्लू के साथ रोमांस करती दिखेंगी। उनका लुक फिल्म में एकदम हटके होगा।उधर अन्य अभिनेत्रियों के लिए दीपिका पादुकोण और जाह्नवी कपूर के नाम पर विचार किया जा रहा है। जाह्नवी फिल्म साइन करने के बेहद करीब हैं, वहीं दीपिका के साथ बातचीत अब भी जारी है।अल्लू-मृणाल दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।इससे पहले अल्लू ने मृणाल की फिल्म हाय नाना को खूब सराहा था और अभिनेत्री के अभिनय पर भी जमकर प्यार लुटाया था। फिल्म देखने के बाद अल्लू न सिर्फ इसकी कहानी, बल्कि इसमें मृणाल के अभिनय और उनके अंदाज के भी मुरीद हो गए थे।उधर एक इंटरव्यू में मृणाल ने कहा था कि वह अल्लू की प्रशंसकों में शुमार हैं और उनके साथ काम करना चाहती हैं।सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का बजट 800 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। खबर तो यह भी आई कि इसके लिए अल्लू को 175 करोड़ रुपये मिल रहे हैं।इस साल 8 अप्रैल को अल्लू के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म का आधिकारिक रूप से ऐलान हुआ था।इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी, वहीं साल 2027 में यह फिल्म बड़े पर्दे पर आएगी।अदिवी शेष की अगली तेलुगू फिल्म डकैत में भी मृणाल मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इससे पहले इस फिल्म में श्रुति हासन को लिया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह मृणाल ने ली। ये फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी।इसके अलावा मृणाल को अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2, हुमा करैशी के साथ पूजा मेरी जान और वरुण धवन के साथ फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में देखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीद–ारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे–मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ–साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख–शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं । महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद–विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच–समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उत–ार–चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ–साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 अप्रैल 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 09:13 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 09:38 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 08:01 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 11:07 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 02:54 तक
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पाराशर ऋषि जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ जंग के ध्वज वाहक हैं : सैनी

चंडीगढ़,27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने भीतर छुपे हुए परशुराम जी को पहचानें। अपने अंदर के साहस, ज्ञान और सेवा के भाव को जागृत करें, क्योंकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए ऐसे भाव और आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में सत्य, निष्ठा और धर्म को अपनाएं तथा एक ऐसा भारत और हरियाणा बनाएं जो आत्मबल से समृद्ध और आत्मा से पवित्र हो।

मुख्यमंत्री आज भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में 31 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सांसद कार्तिकेय शर्मा, सुरेंद्र नागर, रेखा शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे लिए सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से एक विशेष पर्व है, बल्कि यह भारत की उस महान सनातन परंपरा का भी प्रतीक है, जो समय- समय पर अधर्म का नाश करके धर्म की पुनः स्थापना करती रही है। भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ़ इसी जंग के ध्वज वाहक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत- विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया। उन्होंने केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। हमारी सरकार भी भगवान परशुराम जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान परशुराम जी ने शिक्षा के साथ साथ शस्त्र विद्या में भी राष्ट्र को समृद्ध किया है, उसी प्रकार आज हमें भी आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक शक्ति को भी सशक्त करना होगा। हमारी परंपराएं, हमारी भाषा, हमारी संस्कृति ये सब हमारी आत्मा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत दुनिया को योग, आयुर्वेद और शांति का मार्ग दिखा रहा है।

सैनी ने जिला सिरसा में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

चंडीगढ़27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को जिला सिरसा को लगभग 61 करोड़ 33 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के साथ ही चार अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के दो प्रोजेक्ट, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय तथा लोक निर्माण विभाग के एक-एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया।

साइक्लोथान 2.0 का समापन

हरियाणा नशे के खिलाफ एक दीवार बनकर खड़ा हो गया है : सैनी

सिरसा,27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार की नशा मुक्ति पहल के तहत शुरू हुई साइक्लोथान 2.0 के अंतिम दिन मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंच से नशे के खिलाफ एकजुट होने की सलाह प्रदेशवासियों की दी। उन्होंने दावा किया कि ये एक सामाजिक आंदोलन है जिसने लोगों को जागरूक किया है। यह अभियान 5 अप्रैल को हिसार से शुरू हुआ था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज सिरसा में हरी झंडी दिखाकर साइक्ल-ोथान को रवाना किया। यह यात्रा सिरसा से शुरू होकर ओढ़ा में समाप्त हुई। इस अभियान में 50 हजार से ज्यादा साइकिल सवार हिस्सा लिया, जिनमें युवा, बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्ति के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा , साइक्लोथान 2.0 न केवल एक साइकिल यात्रा है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है, जो युवाओं और समाज को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहा है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा : भजनलाल

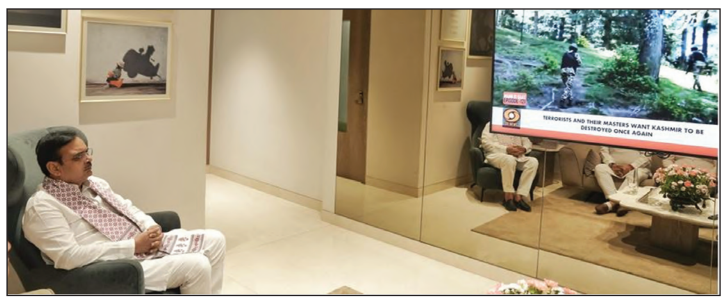

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा तथा हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी, मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए राहत अभियान और अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन भेजे जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट के समय विश्वमित्र के रूप में भारत की पहचान बन रही है। एक पेड़ मां के नाम अभियान की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में देशवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने मन की बात में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मंदिर शुद्धिकरण विवाद

पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा भाजपा से निष्कासित

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के एक मंदिर में हुए शुद्धिकरण विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आहूजा पर आरोप है कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद उसे गंगाजल से धुलवाया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आहूजा के खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोपों को सही पाते हुए रविवार को उनकी प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी है। यह कार्रवाई भाजपा की प्रदेश अनुशासन समिति द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। टीकाराम जूली के मंदिर में दर्शन करने के बाद मंदिर को गंगाजल से धुलवाने की घटना ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर काफी विवाद पैदा किया था। इस घटना को दलित समुदाय के अपमान के रूप में देखा गया, जिसके बाद भाजपा ने यह कठोर कदम उठाया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा नेतृत्व ने इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हुए डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है। टीकाराम जूली एक प्रमुख दलित नेता हैं और उनके साथ हुए इस व्यवहार को दलित समुदाय ने अपने सम्मान पर चोट के रूप में देखा है। ऐसे में, यदि भाजपा इस मामले पर नरम रुख अपनाती, तो इसका सीधा असर आगामी चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ सकता था।

आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 56 टिकट बरामद

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आगामी आईपीएल मैचों की कालाबाजारी को रोकने के लिए सभी थाना अधिकारियों को कड़ी निर्देश दिए गए थे। इस मामले में, आईपीएल मैचों की टिकटों की कालाबाजारी के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है।

26 अप्रैल 2025 को सीएसटी टीम के कानि0 प्रदीप 10868 ने सूचना प्राप्त होने पर दो आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों में संदीप नाटाणी (45) और चंद्र प्रकाश (26) शामिल हैं। इनके पास से 28 अप्रैल 2025 के राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच होने वाले आईपीएल मैच के 56 टिकट बरामद हुए। संदीप नाटाणी के पास 40 टिकट थे, जिनकी कीमत 2400 रुपये प्रति टिकट थी, जबकि चंद्र प्रकाश के पास 16 टिकट थे, जिनकी कीमत 3200 रुपये प्रति टिकट थी। दोनों आरोपी इन टिकटों को काले बाजार में अधिक कीमत पर बेच रहे थे, 2400 रुपये वाले टिकट 4000 रुपये में और 3200 रुपये वाले टिकट 5000 रुपये में बेचे जा रहे थे। आरोपियों से पूछताछ के बाद यह सामने आया कि उन्होंने इन टिकटों को ब्लैक में बेचकर धोखाधड़ी की थी।

जली हुई कार मिली, युवक का अधजला शव बरामद

डीडवाना,27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना जिले के लाडनूं उपखंड क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बल्दु-गुणपालिया के कच्चे मार्ग पर एक कार में अचानक आग लगने से कार सवार व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बल्दू गांव निवासी प्रभुराम मेघवाल के रूप में हुई। यह घटना शनिवार रात को हुई थी, जिसके बारे में रविवार को पता चला। स्थानीय लोगों ने जली हुई कार देखी और पुलिस को सूचित किया।

कार से लगभग 75 प्रतिशत तक जले हुए अवस्था में प्रभुराम का शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर कार मिली, उससे कुछ दूरी पर मृतक का खेत भी स्थित है। घटना की जानकारी मिलते ही लाडनूं पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, ताकि आग लगने के कारणों और मृत्यु की असल वजह का पता लगाया जा सके। डीडवाना एसपी हनुमान प्रसाद मीणा, लाडनूं उप अधीक्षक विक्की नागपाल और थानाधिकारी महीराम बिश्नोई भी मौके पर पहुंचे और हर पहलू से जांच-पड़ताल में जुटे हुए हैं। क्षेत्र में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।फिलहाल आग लगने के कारण और प्रभुराम मेघवाल की मौत के पीछे की असल वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कार से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच गहनता से जारी है। इससे पहले राजस्थान के धौलपुर जिले के सरमथुरा-बाड़ी मार्ग पर सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया था।

चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, आभूषण और लैपटॉप बरामद

जयपुर,27 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के थाना बड़ायका क्षेत्र में एक चोरी की वारदात में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 13 और 14 अप्रैल की रात की है, जब चोरी करने वाले आरोपी सुखीजा नगर स्थित एक घर में घुसे थे और सोने के आभूषण समेत अन्य कीमती सामान चुरा लिया था।

चोरी किए गए सामान में सोने की चूड़ियां, मंगलसूत्र, बेलचूड़ी, एक लैपटॉप और एक बाइक शामिल हैं। चोरी की घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी सहायता के जरिए आरोपी सलमान खान और कौशल कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराए गए आभूषण और अन्य सामान बरामद किया। इसके अलावा, एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है, जिसका इस्तेमाल अपराधियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नालपुर में 5 मई से भक्त पूरणमल का पांच दिवसीय लख्खी मेला

नालपुर (राजस्थान),27 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान में खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के गांव नालपुर के बिस्सा गांव में नाथ संप्रदाय के संस्थापक गुरु गोरखनाथ के परम शिष्य भक्त पूरणमल बाबा चौरंगी नाथ का विशाल लख्खी मेला आगामी 5 मई से 9 में तक आयोजित होगा। मेला प्रबंध कमेटी एवं भक्त पूरणमल सेवा समिति बिश्शा नालपुर के सहसंयोजक सूबेदार प्रभु दयाल ने बताया कि 5 मई को धाम के पुजारी (भक्त) जनों के द्वारा जात की स्थापना की जाएगी। 6 मई को धाम में देश के कोने-कोने से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं मे से नवजात शिशुओं की माताएं बच्चों की जात के लिए एवं नव विवाहित दंपति गठजोड़े की जात के लिए धाम में स्थित तालाबों में बाबा के पुजारीभक्तों के सानिध्य में मिट्टी की छटाई का पुण्य लेंगे यह जात्रि भक्त लोग उक्त वर्णित पांचो दिन मंदिर प्रांगण में ही शरणागत रहेंगे।7 मई को मुख्य रूप से दसमी के दिन बाबा को मानने वाले सभी भक्त लोग चूरमा की पिंडी का भोग अर्पण कर बाबा की चमत्कारी ज्योत दर्शन का लाभ लेंगे। 8 मई की रात्रि को मंदिर प्रांगण में बाबा का भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के आकाशवाणी लोक कलाकार नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी बाबा के इतिहास का गुणगान करेंगे। 9 मई को प्रातः से ही बाबा के मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल जाएंगे। जो पौराणिक विधि के अनुसार इस पांच दिवसीय मेले के दौरान बंद रहते हैं। मंदिर के कपाट खोलने के पश्चात धाम मे जात बैठे नवजात शिशु की माताएं अपने बच्चों का जडूला (मुंडन) करवायेंगी। नव विवाहित जोड़े अपने गठजोड़े की जात दे सकेंगे तथा बेरोजगार नवयुवक अपनी नौकरी के लिए मनौती मांगेंगे उल्लेखनीय है कि यह धाम इसी बात के लिए ही चर्चा में है जहां लोगों का मानना है कि यहां धाम में मनौती मांगने से बेरोजगार को नौकरी बांझ को बच्चा एवं कुंवारे को वधू मिलती है। इसीलिए हर वर्ष जिंनकी मनौती पूरी होती है वह है भक्त धाम के इस विशाल मेले में अपनी नौकरी की पहले महीने की तंखाह, नवजात शिशु की माता अपने बच्चों की जडूले की जात, एवं नव विवाहित जोड़े अपने गठजोड़े की जात बाबा के श्रद्धापूर्वक देते हैं। यहां सबसे बड़ी बात यह भी

बताते हैं कि देश आजाद होने के पश्चात सीमा पर हुए इतने बड़े युद्ध में आज तक इस गांव मैं कोई अब तक शहीद नहीं हुआ है जबकि यहां गांव के करीब 500 परिवारों के हर घर में एक या दो फौजी जरूर हैं अनेक युद्ध में भागीदार बने उन फौजी भाइयों का मानना है कि सीमा पर कारगिल जैसे घमासान युद्ध के दौरान हमारा सुरक्षित रहना बाबा का चमत्कार है। इन चमत्कारों से रूबरू होने के लिए अनेक बार समय-समय पर यहां बड़े स्तर पर मीडिया कर्मी भी आते रहते हैं। 9 मई को धाम मे स्थित तालाब में विधि विधान से गोदान का आयोजन होगा। सूबेदार ने बताया कि दूरदराज से आने वाले सभी हजारों भक्तों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए ठहरने एवं भोजन एवं जलपान की पूर्ण रूप से व्यवस्था मंदिर कमेटी एवं अन्य भक्तों के द्वारा नि:शुल्क रहेगी। इसके अलावा मंदिर में मेले के दौरान बाबा पूरणमल सेवा समिति हैदराबाद के द्वारा तीन दिवसीय यात्रियों के लिए भंडारे का आयोजन भी होगा। इनके साथ-साथ हैदराबाद के स्व.मनोहर लाल विद्याधर नालपुरिया एवं मामचंद सुरेश कुमार नालपुरिया के द्वारा भी साउथ इंडियन भंडारा रहेगा। इसकी जानकारी भंडारा आयोजन कमेटी के नरेश बंसल एवं राकेश नालपुरिया ने दी है। मेला प्रबंध कमेटी भक्त पूरणमल सेवा समिति के फाउंडर एवम पूर्व सचिव पवन भारती ने बताया कि हैदराबाद शहर से भी भक्त पूरणमल बाबा तोरंगीनाथ के मेले में सैकड़ो लोग पहुंचकर श्रद्धालुओं की अनेक तरह की सेवा देंगे। इसके साथ ही 7 मई को प्रातः 7:00 बजे से नवयुवक मंडल नालपुर के द्वारा गांव की चौपाल से बाबा की विशाल निशान यात्रा एवं महिलाओं द्वारा कलश यात्रा गाजे बाजे से निकाली जाएगी। निशान पदयात्रा में बाबा का सुंदर दरबार भक्तों के द्वारा सजाया जाएगा तथा बाबा पूरणमल की अखंड ज्योत के साथ दरबार रथ के साथ चलेगा। नवयुवक मंडल के शेर सिंह ठेकेदार ने बताया कि निशान यात्रा की तैयारियां जोरों से की जा रही है।

मुख्यमंत्री के गृह जिले में प्रशांत किशोर बोले–

बिहार का नेतृत्व करने की हालत में नहीं दिख रहे सीएम नीतीश

नालंदा (एजेंसियां)। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में पहुंचे। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के गांव कल्याण बिगहा से 11 मई को जनसुराज पार्टी के एक बड़े अभियान का शुरुआत करने का एलान किया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला। कहा कि नीतीश सरकार ने अपने वादों को पूरा नहीं किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से जब से मैंने जनसुराज अभियान शुरू किया है। यह नालंदा की धरती पर मेरी पहली यात्रा है। पिछली बार हम राजगीर में आए थे, तब नीतीश बाबू के साथी थे। आज तीन वर्ष बाद एक बड़े अभियान की शुरुआत करने मैं नालंदा आया हूं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश बाबू ने 24 नवंबर 2023 को घोषणा की थी कि जातीय जनगणना के आधार पर करीब 94 लाख परिवारों को जो विकास की यात्रा में पिछड़ गए हैं। दो लाख रुपये प्रति परिवार दिए जाएंगे। लेकिन, दो बजट वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक किसी को एक रुपया भी नहीं मिला है। उन्होंने सरकार द्वारा 2006 में की गई घोषणा का भी जिक्र किया। इसमें कहा गया था कि बेघर महादलित परिवारों को तीन डिसमिल जमीन दी जाएगी।

प्रशांत किशोर ने राज्य में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्यक्रम में व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लैंड डिजिटला-इजेशन के नाम पर भूमि सुधार का जो कार्यक्रम नीतीश सरकार ने शुरू किया है। उसमें हालात यह है कि कोई घर ऐसा नहीं है जिसमें परिवार में जमीन को लेकर झगड़ा न हो। दाखिल-खारिज में, रसीद कटाने में, जमाबंदी में हर जगह लोगों को 1000, 2000, 25000 रुपये घूस देना पड़ रहा है।

प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार की वर्तमान स्थिति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि 2014-15 में नीतीश कुमार सुशासन के लिए जाने जाते थे। आज वही नीतीश कुमार हैं, जिनकी सरकार अधिकारियों के जंगल राज चलाने के लिए दोषी बताई जा रही है। आज लग रहा है कि नीतीश बाबू की वो हालत नहीं है, शारीरिक-मानसिक तौर पर भी वह इस तरह से अब नहीं दिख रहे हैं कि वो बिहार का नेतृत्व कर सकें।

जनसुराज पार्टी पर जनता क्यों विश्वास करे? इस सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि हमलोग यह नहीं कहते हैं कि आप हम पर भरोसा कीजिए, हमको वोट दीजिए।

हम तो जन स्वराज में लोगों को यह बता रहे हैं कि आप अपने बच्चों के लिए सजग होइए, ठीक से वोट दीजिए। वोट जिसको देना है दे दीजिए, लेकिन वोट अपने बच्चों के रोजगार और पढ़ाई के लिए दीजिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में जनता का वोट जिस बात के लिए दिया जाता है उसका महत्व है, न कि सिर्फ यह कि वोट किसे दिया जाता है।

पाकिस्तान के साथ युद्ध तभी हो जब यह अपरिहार्य हो मैंने इसके लिए पूरी तरह से मना नहीं किया: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान मीडिया द्वारा उनके युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं वाले बयान को उछाले जाने तथा भाजपा की आलोचना के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह से मना नहीं किया है, बल्कि उनका मतलब था कि युद्ध तभी होना चाहिए जब यह अपरिहार्य हो, क्योंकि यह समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को सुरक्षा प्रदान करना केंद्र सरकार का कर्तव्य है, उन्होंने अपना रुख दोहराया कि इस संबंध में चूक हुई है, तथा घटना को रोकने में खुफिया विभाग की ओर से विफलता रही है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें कर्नाटक के दो लोग शामिल हैं।

सिद्धरामैया ने यहां संवाददात-ाओं से कहा युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है, इसका मतलब है कि यदि अपरिहार्य है तो युद्ध होना चाहिए। केवल यदि अपरिहार्य है तो युद्ध होना चाहिए, युद्ध से कोई समाधान नहीं हो सकता। मैंने युद्ध की मांग को मना नहीं किया। जब उनसे कहा गया कि पाकिस्तान मीडिया ने उनके बयान को खूब उछाला है, तो उन्होंने कहा मैंने पाकिस्तान के साथ युद्ध के लिए मना नहीं किया। मैंने जो कहा, वह यह है कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। वहां सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए थी, क्योंकि बहुत से पर्यटक कश्मीर जाते हैं। सुरक्षा मुहैया कराना किसकी जिम्मेदारी है? यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। मैंने कहा कि यह विफलता थी। 26 लोग (पहलगाम में) मारे गए, 40 सैनिक (पुलवामा हमले में) मारे गए। इसलिए भारत सरकार की खुफिया जानकारी में विफलता है। मैंने कहा है कि भारत सरकार ने उचित सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। अगर युद्ध अपरिहार्य है तो युद्ध होना चाहिए, ऐसा नहीं है कि ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लेकिन, तुरंत, युद्ध की कोई जरूरत नहीं है, यही मैंने कहा है। पाकिस्तानी मीडिया ने पहलगाम आतंकी हमले पर सिद्धरामैया की ''युद्ध की कोई जरूरत नहीं'' वाली टिप्पणी को खूब उछाला है, ताकि यह उजागर किया जा सके कि भारत के भीतर युद्ध के खिलाफ आवाज उठ रही है।

अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने बोला हमला, बुलडोजर का शीशा भी तोड़ा

औरंगाबाद (एजेंसियां)। अतिक्रमण हटाने गई पुलिस को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीण पुलिस से उलझ पड़े और हमला बोल दिया। इस कारण पुलिस को अतिक्रमण हटाए बगैर बैरंग वापस लौटना पड़ गया। मामले में ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुए नोंक झोंक का एक वीडियो भी सामने आया है। मामला औरंगाबाद के गोह प्रखंड में उपहारा थाना क्षेत्र के गोरकट्टी गांव का है। दरअसल, गोह के अंचल अधिकारी अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस-प्रशासन की टीम गोरकट्टी गांव में एक रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त कराने गई थी। अतिक्रमण हटाने का काम भी शुरू किया गया लेकिन भारी हंगामा के पुलिस-प्रशासन की टीम जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त नहीं करा पाई। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की टीम को ग्रामीणों का भारी विरोध झेलना पड़ा। विरोध के वजह से पुलिस की टीम अतिक्रमण हटाए बिना ही बैरंग वापस लौट गई। मामले में पुलिस ने गांव के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

मिली जानकारी के मुताबिक गोरकट्टी गांव निवासी बबलू सिंह ने गांव के ही धीरज साव के मकान का रास्ता जबरन अतिक्रमण कर अवरूद्ध कर रखा था। इसे लेकर पीड़ित परिवार ने दाउनगर के अनुमंडल दंडाधिकारी और गोह के अंचल अधिकारी के यहां शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में शिकायत की जांच के बाद अतिक्रमणकारी परिवार को नोटिस दिया गया लेकिन इसकी अवहेलना कर अतिक्रमण नही हटाया गया।

नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नही हटाये जाने पर दाउदनगर के अनुमंडल दंडाधिकारी के न्यायिक आदेश पर गोह अंचल प्रशासन और उपहारा थाना की पुलिस सदल बल अतिक्रमण हटाने मौके पर पहुंची। इसी दौरान अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू करते ही बबलू सिंह और उसके दर्जनों समर्थकों ने पुलिस-प्रशासन के साथ बदसलूकी की। पुलिस और ग्रामीणों के बीच जमकर नोंकझोंक हुई। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए ले जाई गई बुलडोजर का शीशा भी तोड़ दिया।

मामले में पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सीएम नीतीश

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने सेंट्रल कंट्रोल एण्ड कमांड सेंटर, कॉफ्रेंस हॉल, स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम सहित अन्य भागों का जायजा लिया। साथ ही उद्घाटन समारोह में होनेवाल कार्यक्रम के लिए खिलाड़ियों और कलाकारों द्वारा किए जा रहे अभ्यास का निरीक्षण किया। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री ने चार मई को उद्घाटन समारोह में प्रदर्शित की जानेवाली विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग के निर्माण का भी अवलोकन किया। विश्व की सबसे बड़ी बनायी गयी मधुबनी पेंटिंग के लिये गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मुख्यमंत्री को सौंपा गया।

मिथिला चित्रकला संस्थान, सौराठ, मधुबनी के 50 कलाकारों ने लगातार 50 घंटे तक काम कर इस पेंटिंग को तैयार किया है। विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली पद्मश्री बाऊआ देवी को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। साथ ही 375 बाल लामाओं द्वारा सिंगिंग बॉल के साथ प्रदर्शन का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड का सर्टिफिकेट भी मुख्यमंत्री को सौंपा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

खेल विभाग की ओर से बताया गया कि इस बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन में दो गिनिज बुक वर्ल्ड रिकार्ड बनने वाले हैं। एक तो इस उपलक्ष्य में विश्व की सबसे बड़ी मधुबनी पेंटिंग बनवायी जा रही है, जिसका काम आज से शुरू हो गया है तथा 100 महिलाएं इसे बनाने में लगी हैं। इसे चार मई को उद्घाटन के दिन प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और दूसरा रिकार्ड उद्घाटन समारोह में 400 बाल लामाओं द्वारा सिंगिंग बॉल से एक साथ धुन और संगीत की प्रस्तुति है। अब तक 100 बाल लामाओं द्वारा प्रस्तुति का ही वर्ल्ड रिकार्ड है।

बिहार में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन चार मई से 15 मई तक हो रहा है। इसका उद्घाटन चार मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 28 खेलों के लिये 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से 8500 खिलाड़ी तथा 1500 प्रशिक्षक और तकनीकी अधिकारी शामिल हो रहे हैं। बिहार के पांच शहरों पटना, गया, राजगीर, भागलपुर, बेगूसराय में इस खेल का आयोजन होगा।

बेखौफ चोरों ने एक साथ पांच घरों में की सेंधमारी 80 लाख रुपये का सामान ले उड़े बदमाश

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार की देर रात लोदीपुर गांव में चोरों ने एक साथ पांच घरों को निशाना बनाते हुए नकदी और आभूषण समेत करीब 70 से 80 लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, चोरों ने दिनेश सिंह, निवेश सिंह, गौतम कुमार, अरुण सिंह और अंजनी कुमार के घरों को अपना निशाना बनाया।

संयोगवश, सभी घरों में उस समय ताले लगे थे, क्योंकि परिवार के सदस्य विभिन्न कारणों से घर से बाहर गए हुए थे। इस मौके का फायदा उठाकर बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

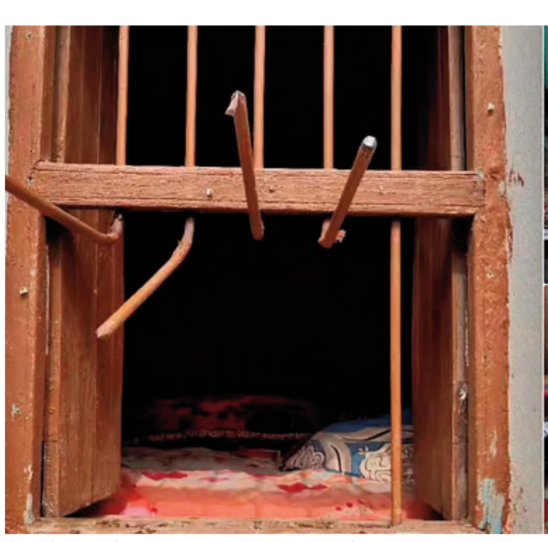

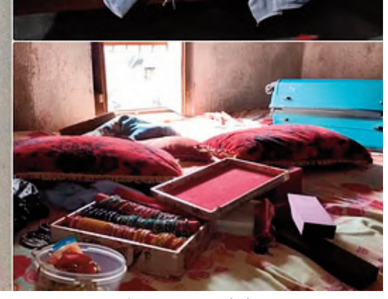

चोरी की इस वारदात में सबसे अधिक नुकसान निवेश सिंह और गौतम कुमार को हुआ है। निवेश सिंह के घर से लगभग 16 लाख रुपये के आभूषण और नकदी चोरी हो गई, वहीं गौतम कुमार के घर से लगभग 15 लाख रुपये का सामान बदमाश उठा ले गए।

दिनेश सिंह के घर का दरवाजा तोड़कर चोरों ने तिन सोने के लॉकेट और एक जोड़ी कनवाली चुरा ली। निवेश सिंह के घर की खिड़की तोड़कर चोरों ने सोने की दो चेन, दो हार, दो चूड़ियां, चार झुमके, आठ कनवाली, चार अंगूठियां, एक मांग टीका, एक नथिया, चांदी की चार पायल और चार नाक के गहने चुरा लिए, जिनकी कुल कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई जा रही है। गौतम कुमार के घर में चोर छत के रास्ते घुसे और एक हार, चार चूड़ियां, एक चेन और एक हजार रुपये नकदी लेकर फरार हो गए, जिसकी कीमत लगभग नौ लाख रुपये आंकी गई है।

वहीं, अरुण सिंह के घर में चोर मुख्य दरवाजे की सिकड़ी काटकर घुसे और वहां से चार लॉकेट, तीन अंगूठियां, एक चेन, एक जोड़ा कनवाली, एक जोड़ा टॉप, एक मंगलसूत्र, एक टीका और 50 हजार रुपये नकदी चुराकर लगभग नौ लाख रुपये की चोरी की। जबकि अंजनी कुमार के घर से चोरों ने सोने और चांदी के आभूषणों के साथ 30 हजार रुपये नकदी भी चुरा ली, जिसकी कुल अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये है।

घटना की सूचना मिलते ही बिंद थाने के थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी। थानाध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस बड़ी चोरी का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पीड़ित परिवारों द्वारा औपचारिक रूप से थाने में शिकायत दर्ज कराई जा रही है, जिसके बाद चोरी गए सामानों की सही कीमत का आकलन किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से चोरी की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि अपराधियों पर लगाम कसी जा सके और लोगों का भरोसा बहाल हो।

गंगा घाट में डूबे युवक का तीसरे दिन मिला शव

स्नान के दौरान हादसे का शिकार हुआ था शुभम

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय में सिमरिया गंगा घाट पर स्नान के दौरान डूबे युवक शुभम कुमार का शव घटना के तीसरे दिन रविवार को बरामद कर लिया गया। शुभम मटिहानी थाना क्षेत्र के चकबल्ली दियारा गांव के निवासी नरेंद्र राय का 22 वर्षीय पुत्र था। जैसे ही शव पानी से बाहर निकाला गया, परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर चकिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, घटना शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे की है। जब शुभम अपने दोस्तों मनीष, विक्रम और वीरू के साथ सिमरिया गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचा था। स्नान के दौरान अचानक उसका पैर

फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसके डूबने के बाद दोस्तों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक शुभम पानी में गायब हो चुका था। घटना की सूचना पर दोपहर दो बजे एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन शुभम का कुछ पता नहीं चल सका। शनिवार को भी एसडीआरएफ की टीम ने शुभम की तलाश जारी रखी, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों ने मोर्चा संभाला। लगातार दो दिन की कोशिशों के बावजूद जब शुभम का कोई सुराग नहीं मिला, तो रविवार सुबह एक बार फिर स्थानीय गोताखोरों ने अभियान शुरू किया। अनिल, जाटो, भरत, तेतर, सीत-राम, सुनील, अमर, शत्रुघ्न, अर्जुन और मनीष समेत कई गोताखोरों ने नाव के सहारे गहरे पानी में खोजबीन की। इस प्रयास में आखिरकार शुभम का शव बरामद कर लिया गया।शुभम के शव की बरामदगी की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम छा गया। परिजन शव से लिपटकर रोते-बिलखते रहे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com